नई दिल्ली
रविवार, 14 दिसंबर 2025
पौष मास कृष्ण पक्ष,
दशमी वर्ष : 29, अंक : 241
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 23
न्यून. 11

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

सात बार के सांसद चौधरी ने लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय में अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे, सीएम योगी बने प्रस्तावक

कुर्मी नेता पंकज चौधरी के जरिये भाजपा ओबीसी वोटबैंक को साधेगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे। उन्होंने शनिवार को लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय में अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। चौधरी के अलावा किसी और ने नामांकन नहीं किया। ऐसे में उनका निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय है।

नामांकन के वक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी के प्रस्तावकों में योगी आदित्यनाथ, केशव मौर्य, ब्रजेश पाठक स्मृति ईरानी, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही,सुरेश खन्ना और बेबी रानी मौर्य का नाम शामिल था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के करीबी पंकज चौधरी महाराजगंज से सात बार लोकसभा सदस्य चुने जा चुके हैं। पंकज चौधरी गोरखपुर से हैं। ओबीसी की कुर्मी बिरादरी से आते हैं। यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति 15 जनवरी 2025 को होनी थी, लेकिन महाराष्ट्र चुनाव तो कभी यूपी उपचुनाव और फिर बिहार चुनाव के चलते मामला टलता चला गया। चौधरी के नामांकन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव पर कहा, एक ही नामांकन हुआ है, पंकज चौधरी ने अपना नामांकन दाखिल किया है। 3 बजे तक समय निर्धारित था, और सिर्फ एक नामांकन हुआ है। घोषणा कल की जाएगी, राज्य के लिए भाजपा की चुनाव प्रक्रिया आज खत्म हो गई है, और लोग भी उत्साहित हैं। पंकज चौधरी कुर्मी समाज से आते हैं। माना जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी को पिछले कई चुनाव में कुर्मी समाज उसे तरह से वोट नहीं दे रहा जैसा भाजपा चाहती है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में कुर्मी समाज के वोटों का एक हिस्सा सपा और कांग्रेस गठबंधन की तरफ जाने से भी भाजपा के सामने जातिगत समीकरण साधने का सवाल खड़ा हो गया था। कहा जा रहा है कि भाजपा ने ओबीसी समाज को साधने ▶▶शेष पेज 5 पर

बोले तीन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद, राष्ट्रीय आपातकाल के नाम पर लगाए गए टैरिफ से भारत नहीं, परेशान हैं अमेरिकी नागरिक

भारत को मिलेगी 50 फीसदी टैरिफ से राहत, अमेरिका की संसद में पेश हुआ प्रस्ताव!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से की जा रही कच्चे-तेल की खरीद पर गंभीर नाराजगी जताते हुए अमेरिका द्वारा इस साल अगस्त महीने से भारत पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ क्या जल्द ही हटने वाला है?

जी हां आपने सही सुना, क्योंकि इसे लेकर कहीं और नहीं बल्कि अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में बीते शुक्रवार को एक प्रस्ताव पेश किया गया है। जिसकी पहल सदन के सदस्य और ▶▶शेष पेज 5 पर

अमेरिकी सांसदों का पक्ष

डेमोक्रेटिक पार्टी के तीनों सांसदों ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि टैरिफ पूरी तरह से अवैध है। इससे अमेरिका के आम लोगों के हित प्रभावित हो रहे हैं और उनपर ज्यादा कर (टैक्स) देने का भार पड़ रहा है। उदाहरण के तौर पर रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली चीजों के ▶▶शेष पेज 5 पर

ट्रंप के अपने तर्क

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की माने तो उनके मुताबिक, नई दिल्ली बीते काफी वक्त से यूक्रेन में जारी युद्ध के भीषण हालात के बीच रूस से सस्ते दामों पर तेल खरीद रही है। जिससे वो मास्को को इस लड़ाई को भविष्य में और अधिक समय तक जारी रखने के लिए ▶▶शेष पेज 5 पर

1 से 27 अगस्त में लगा 50% टैरिफ

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त 2025 को भारत से आयातित सामान पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया था। लेकिन 27 अगस्त तक आते-आते इसमें 25 फीसदी दंडात्मक टैरिफ का भाग भी शामिल किया गया। जिसके बाद नई दिल्ली पर लगाया गया कुल अमेरिकी टैरिफ 50 फीसदी हो गया है। इसी के साथ भारत से अमेरिका को आयातित सामान पर लगने वाला शुल्क बढ़ गया है।

आईईईपीए बना ट्रंप की ढाल

यहां बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ को उनके ही देश में यूं खुलेआम चुनौती दी गई है। पूर्व में अमेरिका में ब्राजील पर भी लगाए गए टैरिफ का पुरजोर अंदाज में विरोध देखने को मिला था। वहीं, भारत की बात करें तो बीते दिनों कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक सांसद सिंडी कमलागर डोव ने भी राष्ट्रपति की भारत संबंधी नीतियां की आलोचना करते हुए कहा था कि इनसे दोनों देशों के बीच बने हुए सामरिक विश्वास ▶▶शेष पेज 5 पर

एनडीए ने नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 वार्डों में जीत हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ एलडीएफ 29 सीटों पर सिमटा

भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव जीत हासिल की, मोदी ने लोगों का किया धन्यवाद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में ऐतिहासिक विजय हासिल कर वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 45 साल के सत्ता पर कब्जे को खत्म कर दिया है। एनडीए तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 वार्डों में जीत हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ एलडीएफ 29 सीटों पर सिमट गया।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) को 19 सीटें मिलीं, दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों को मिलीं और पिछले सप्ताह एक उम्मीदवार की मृत्यु के बाद एक वार्ड में मतदान रद्द कर दिया गया।

इन चुनावी नतीजों ने दशकों बाद नगर निगम की राजनैतिक तसवीर बदल दी है। यह परिणाम राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि तिरुवनंतपुरम जिला वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर का गृह क्षेत्र है, जो राज्य की राजधानी में भाजपा की सफलता के पैमाने को रेखांकित करता है। केरल में 2025 के स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना शनिवार को समाप्त हुई, जिसमें एनडीए ने त्रिपुनिथुरा नगरपालिका पर नियंत्रण हासिल कर एक और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और सत्तारूढ़ एलडीएफ को सत्ता से बेदखल कर दिया।

स्थानीय निकाय चुनावों के परिणाम शनिवार को घोषित होने के बाद, एनडीए ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में सत्ता हासिल कर ली है, जिससे वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के चार दशकों से अधिक के शासन का अंत हो गया है। यह पार्टी के लिए एक बड़ी छलांग है, जिसने एक दशक ▶▶शेष पेज 5 पर

जनादेश केरल की राजनीति में एक ऐतिहासिक क्षणः पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तिरुवनंतपुरम के लोगों को शहर के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा-एनडीए को मिला जनादेश केरल की राजनीति में एक ऐतिहासिक क्षण है। जनता को पूरा विश्वास है कि राज्य की विकास संबंधी आकांक्षाओं को केवल हमारी पार्टी ही पूरा कर सकती है। मोदी ने आगे कहा कि उनकी पार्टी 'जीवंत शहर के विकास और लोगों के लिए जीवन की सुगमता' को बढ़ावा देने के लिए काम करेगी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 1.03 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.03 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर हो गया। इस सप्ताह सोने का भंडार (गोल्ड रिजर्व) भी 1.188 अरब डॉलर बढ़कर 106.984 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में 93 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह बढ़कर 18.721 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कुल एफडीआई प्रवाह 50.36 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (43.37 अरब डॉलर) की तुलना में 16% अधिक है।

भाजपा ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना, स्टेडियम में अव्यवस्था को बताया फुटबॉल प्रेमियों का अपमान

पश्चिम बंगाल जिस दुखद और दर्दनाक स्थिति की तरफ़ पहुंच गया है, ये घटना उसका प्रमाण हैः त्रिवेदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने कोलकाता स्टेडियम में लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान अव्यवस्था पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर निशाना साधा है।

भाजपा ने शनिवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लोगों की भावनाओं पर सीधा हमला किया है और हर फुटबॉल प्रेमी का अपमान किया है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने शनिवार को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी ▶▶शेष पेज 5 पर

घड़ियाली आंसू बहाना बंद करिए, यह कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार आपकी सरकार के हर काम में फैला हुआ है : मालवीय

कुप्रबंधन की घटना से व्यथित और स्तब्धः ममता

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि स्टेडियम में घटी घटनाओं से वह बेहद चिंतित हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि आज साल्ट लेक स्टेडियम में हुई कुप्रबंधन की घटना से मैं अत्यंत व्यथित ▶▶शेष पेज 5 पर

लोगों की भावनाओं पर सीधा हमला

राज्य में विपक्षी भाजपा ने ममता बनर्जी की निंदा की है और उनके बयान को 'घड़ियाली आंसू' बताया है। पार्टी प्रवक्ता अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, 'घड़ियाली आंसू बहाना बंद करिए, यह कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार आपकी सरकार के हर काम में ▶▶शेष पेज 5 पर

भारत का सिर शर्म से झुक गया

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुई घटना को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा है। शनिवार को उन्होंने कहा, फ़ुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कार्यक्रम में सॉल्ट लेक स्टेडियम में जिस प्रकार की अव्यवस्था, भगदड़ हुई, उससे सिर्फ़ कोलकाता नहीं, पश्चिम बंगाल नहीं, हर भारतीय का सिर शर्म से झुक गया। त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री बनर्जी के खेद प्रकट करने की बात पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये सिर्फ़ आपके दुखी होने या विचलित होने की बात नहीं है, आपके शासनकाल में पश्चिम बंगाल जिस दुखद और दर्दनाक स्थिति की तरफ़ पहुंच गया है, ये घटना उसका प्रमाण है। भाजपा प्रवक्ता ने पूरे विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, कि मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि इस तरह के आयोजनों में ऐसी अव्यवस्था आपके राज्यों में क्यों होती है। 4 जून 2025 को बेंगलुरु में आईपीएल के बाद ऐसी ही घटना होती है। उसके बाद 27 सितंबर 2025 को तमिलनाडु में ऐसी अराजकता और अव्यवस्था करूर जिले में होती है, यह दर्शाता है कि वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत लचर है।

महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता
दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

10वां शीतकालीन शिविर 2025
सभी महिलाओं के लिए सशक्तिकरण एवं आत्मरक्षा तकनीकों पर प्रशिक्षण
प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथियाँ : 30.12.2025 से 14.01.2026
समय : मध्याह्न 12.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे तक (रविवार छोड़कर)
पंजीकरण निःशुल्क

क्र.सं.	स्थान	नुक्कड़ नाटक / गली नाटक की तिथि	साइबर जागरूकता पर व्याख्यान की तिथि	पंजीकरण की तिथि व समय (रविवार को छोड़कर)
1.	मदर मैरी स्कूल, मयूर विहार फेज–1, सहकारिता मार्ग, दिल्ली–110091	05.01.2026	06.01.2026	15.12.2025 से 26.12.2025 प्रातः 10.00 बजे से सायं 04.00 बजे तक निर्धारित स्थल पर आएं।
2.	गवर्मेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जे.जे. कॉलोनी नं. 2, नांगलोई, दिल्ली–110041	06.01.2026	07.01.2026	
3.	सर्वोदय को–एड विद्यालय, एफ–ब्लॉक, बुध नगर, इंद्रपुरी, दिल्ली–110012	07.01.2026	08.01.2026	
4.	गवर्मेंट सर्वोदय को–एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर–6, आर.के.पुरम, दिल्ली–110022	08.01.2026	09.01.2026	

विशेष कार्यक्रम : महिला सशक्तिकरण पर नुक्कड़ नाटक तथा साइबर जागरूकता पर व्याख्यान
24x7 विशेष महिला हेल्पलाइन नं. 1091/7835075012
साइबर क्राइम होने पर करें 1930
ऑनलाइन पंजीकरण हेतु www.spuwac.in पर जाएं
DP/9827/2025
हमें फॉलो करें @DelhiPoliceOffcial @DelhiPolice @Delhi.Police_official @DelhiPoliceofficial delhiPoliceofficial
पुलिस आयुक्त, दिल्ली की ई–मेलः cpdelhi@delhipolice.gov.in | पुलिस आयुक्त, दिल्ली को लिखें : पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली
तुरंत पुलिस सहायता के लिए कॉल करें 112
जानकारी साझा करने के लिए 14547 पर कॉल करें

अमेरिका के कुल करीब 20 राज्यों ने कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा की अगुवाई में दायर किया मुकदमा

अमेरिकी राज्यों का तर्क यह पूरी तरह से गैर-कानूनी

ट्रंप पर भारी पड़ेगा एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का निर्णय?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बीते वक्त में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय छात्रों, पेशेवरों (आईटी, तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े) द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयोग किए जाने वाले एच1बी वीजा की फीस को कई गुना बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का फैसला अब उन पर ही भारी पड़ता हुआ नजर आ रहा है।

कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा के नेतृत्व में अमेरिका के मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, इलिनॉइस जैसे डेमोक्रेटिक दल के बहुमत वाले 20 राज्यों ने राष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिकी राज्यों का तर्क है कि देश के राष्ट्रपति को इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए था। क्योंकि यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है। एच1बी वीजा की फीस ▶▶शेष पेज 5 पर

21 सितंबर से लागू है निर्णय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वीजा के संबंध में की गई इस फीस बढ़ोतरी से पहले ही इसे लेकर सख्त रुख अपनाते हुए नजर आ रहे थे। उनके प्रशासन द्वारा छात्रों यानी आवेदकों के सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच को अनिवार्य बनाया गया और इसके साथ ही कई अन्य फैसले भी लागू किए गए। इन सबके बीच 19 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति ने एच1बी वीजा ▶▶शेष पेज 5 पर

अमेरिकी कानूनों को तार-तार करने वाला निर्णय

मुकदमा करने वाले राज्यों का यह भी कहना है कि फीस बढ़ाने का फैसला डेमोक्रेटिक सरकार के मुखिया राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तिगत फैसला है। इसके पूर्व में न तो अमेरिका की संसद की मंजूरी ली गई और न ही अन्य जरूरी ▶▶शेष पेज 5 पर

एच1बी वीजा के 71 फीसदी लाभार्थी भारतीय

गौरतलब है कि अमेरिका ने 1990 में यानी करीब तीन दशक से भी पहले एच1बी वीजा की शुरुआत की गई थी। वर्तमान में इसके 71 फीसदी लाभार्थी भारतीय हैं। 'द यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज' (यूएससीआईएस) के मुताबिक, पिछले साल 2024 में एच1बी वीजा को ▶▶शेष पेज 5 पर

11 अर्धस्वचालित पिस्तौल बरामद

हथियारों की आपूर्ति करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का सदस्य किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पुलिस ने अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक गिरोह के 22 वर्षीय सदस्य को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 11 अर्धस्वचालित पिस्तौल बरामद की हैं। उसका कथित तौर पर दिल्ली-एनसीआर में अपराधियों को आपूर्ति करने का इरादा था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी मनपाल नामक आरोपी को मध्य प्रदेश स्थित हथियार कारोबारियों से प्राप्त अवैध हथियारों को लाने ले जाने के बारे में मिली सूचना के बाद गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में गैंगस्टर और कुख्यात अपराधियों द्वारा मध्य प्रदेश के आपूर्तिकर्ताओं से अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र प्राप्त करने की विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क की पहचान करने और उसे नष्ट करने के लिए काम शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि एक महीने से अधिक समय तक लगातार प्रयास करने के बाद टीम ने गिरोह के सदस्यों की पहचान की। नौ दिसंबर को विशिष्ट सूचना मिली कि मनपाल ने मध्य प्रदेश के सेंधवा से पिस्तौल की एक खेप मंगवाई थी और उन्हें पहुंचाने के लिए नयी दिल्ली के सराय काले खान जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि इलाके में जाल बिछाया गया और नौ दिसंबर की देर रात मनपाल को घेरकर काबू में कर लिया गया। उन्होंने बताया, ₹तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से .32 बोर की 11 अच्छी गुणवत्ता वाली अर्धस्वचालित पिस्तौल और 11 अतिरिक्त मैगजीन बरामद कीं।₹ शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत 10 दिसंबर को मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान, मनपाल ने कथित तौर पर खुलासा किया कि आग्नेयास्त्र सेंधवा स्थित एक हथियार आपूर्तिकर्ता से खरीदे गए थे और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय अपराधियों को आपूर्ति किए जाने थे। उसने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने पहले भी मध्य प्रदेश से क्षेत्र के विभिन्न अपराधियों को 25 से अधिक पिस्तौल की आपूर्ति किया था। अधिकारी ने आगे बताया कि हथियारों के स्रोत का पता लगाने और अंतरराज्यीय हथियार गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

दिल्ली नगर निगम एमटीएस कर्मियों का वादा नहीं किया पूरा : यूनियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- सदन में प्रस्ताव लाने का वादा भी बना छलावा

दिल्ली नगर निगम के जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एमटीएस कर्मियों के साथ हो रहा शोषण थमने का नाम नहीं ले रहा है। एंटी मलेरिया एकता कर्मचारी यूनियन ने निगम शासन और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि 29 सितंबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक चली 33 दिनों की हड़ताल के बाद गठित समिति द्वारा लिया गया फैसला आज तक लागू नहीं किया गया। जबकि उस समिति के निर्णय को सदन, पक्ष -विपक्ष, प्रशासनिक अधिकारी और यूनियन -सभी ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया था। यूनियन ने कहा है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो कर्मियों का आक्रोश और आंदोलन तेज हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह निगम प्रशासन की होगी। यूनियन महासचिव देवानंद शर्मा का कहना है कि 14 अक्टूबर 2025 को सदन नेता प्रवेश वाही की अध्यक्षता में गठित समिति ने स्पष्ट रूप से तय किया था कि समिति के फैसले को एक महीने के भीतर सदन में लाकर लागू किया जाएगा। लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो प्रस्ताव सदन में लाया गया और न ही फैसले पर अमल हुआ। यूनियन का आरोप है कि यह सीधे-सीधे कर्मचारियों के साथ विश्वासघात है।

वेतन न मिलने से कर्मचारी परेशान

यूनियन ने बताया कि निगम प्रशासन द्वारा यह घोषणा की गई थी कि हड़ताल अवधि की तनख्वाह किसी भी जोन में नहीं काटी जाएगी। लेकिन हकीकत इसके उलट है। छह जोनों में पिछले दो महीनों से एमटीएस कर्मियों को वेतन ही नहीं मिला है। वहीं केशव पुरम जोन, ग्रीन पार्क जोन और शाहदरा नॉर्थ जोन में कर्मियों की तनख्वाह काटकर दी गई है। शेष छह जोनों में यह तक स्पष्ट नहीं है कि वेतन कब और कैसे दिया जाएगा।

राजधानी में इस सीजन के पहले व्यापक कोहरे ने दी दस्तक, पारा गिरा

नई दिल्ली। सर्दियों के इस सीजन में लंबे इंतजार के बाद शनिवार को पहली बार पूरी राजधानी में व्यापक रूप से कोहरे का असर दिखाई दिया। सुबह से लेकर दिनभर अधिकांश समय तक राजधानी कोहरे की आगोश में नजर आई। हालांकि इस दौरान दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण की चादर भी छाई रही। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार राजधानी में न्यूनतम पारा लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ सिंगल डिजिट में 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस मौसम के सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस नीचे है। जबकि अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस मौसम के सामान्य से 2.5 डिग्री नीचे है। आईएमडी ने अनुमान व्यक्त करते हुए कहा कि मौसम का मिजाज अभी ऐसा ही रह सकता है। अगले तीन चार दिन तापमान में एक से दो डिग्री का बदलाव हो सकता है। इस दौरान आसमान पर बादल छाए रहेंगे, हवाएं मंद गति से ही चलने का अनुमान है। जबकि बारिश की अभी दूर दूर तक कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। आईएमडी ने कहा है कि फिलहाल दिल्ली में कड़ाके की सर्दी की संभावना बहुत ज्यादा नहीं दिख रही।

'डिजिटल अरेस्ट' कर बुजुर्ग व्यक्ति से ठगे एक करोड़ 16 लाख रुपये, तीन लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने एक बुजुर्ग को 'डिजिटल अरेस्ट' करने के बाद उससे 1.16 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के तीन कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यहां एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताते हुए आरोपी ने एक वीडियो कॉल के दौरान पीड़ित 82 वर्षीय व्यक्ति को एक फर्जी गिरफ्तारी आदेश दिखाया। दबाव बनाकर और कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर बुजुर्ग व्यक्ति को कुल 1.16 करोड़ रुपये अंतरित करने के लिए मजबूर किया गया। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि ठगी गई रकम का एक बड़ा हिस्सा करीब 1.10 करोड़ रुपये हिमाचल प्रदेश स्थित एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के चालू खाते में जमा किया गया था। हालांकि, यह खाता बिहार के पटना से जालसाजों द्वारा कथित तौर पर संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर इसी बैंक खाते के खिलाफ 32 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के तहत हिमाचल प्रदेश और बिहार में कई छापेमारी की गई, जिससे तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के नालंदा जिला निवासी प्रभाकर कुमार (27), बिहार के वैशाली जिला निवासी रूपेश कुमार सिंह (37) और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला निवासी देव राज (46) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि प्रभाकर कुमार ने देव राज के मोबाइल फोन पर एक एपीके फाइल इंस्टॉल की, जिससे धोखाधड़ी वाले बैंक खातों से जुड़े सिम कार्ड सक्रिय हो गए। वह इंटरनेट-आधारित वर्चुअल नंबरों के माध्यम से साइबर ठगों से कथित तौर पर लगातार संपर्क में रहा, नकद कमीशन प्राप्त किया, सहयोगियों के बीच आय वितरित की और अपनी भूमिका के लिए पर्याप्त हिस्सा प्राप्त किया। रूपेश कुमार सिंह ने कथित तौर पर डाक वितरण के माध्यम से बैंक खाता किट प्राप्त की और पटना में सह-आरोपियों की समन्वित बैठकें कीं। पुलिस ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में एक एनजीओ चलाने वाले देव राज ने अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता अपने पिता वेद प्रकाश की मिलीभगत से एनजीओ के नाम पर कथित तौर पर एक चालू खाता खोला। पैसों के लिए उन्होंने खाता बिहार में रूपेश कुमार को सौंप दिया। देव राज ने इंटरनेट बैंकिंग क्रेडेंशियल और ओटीपी कथित तौर पर साझा किए, लेनदेन को अंजाम देने के लिए पटना की यात्रा की और धोखाधड़ी की आय से कमीशन प्राप्त किया।

राहुल गांधी की महारैली आज, कामयाब बनाने के लिए दिल्ली कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा में नेता विपक्ष की आज रविवार को रामलीला मैदान में होने वाली महारैली को कामयाब बनाने के लिए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपनी पूरी ताकत झोंकी दी है। कई दिनों से हो रही तैयारी के दौरान प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव कई बार रामलीला मैदान गए और खुद नजर रखी। प्रदेश स्तर से लेकर जिला व ब्लाक अध्यक्षों की कई बार बैठकें ली और सख्त से सख्त हिदायत दी। लोगों को बसों में भरकर लाने, ले जाने के लिए अलग अलग नेताओं की जिम्मेदारी तय की गई है। प्रत्येक वार्ड से मिली सूची में शामिल 70-70 लोगों को प्रदेश की तरफ से फोन करके रैली में आने के लिए निमंत्रण दिया गया। वहीं प्रेस कवर के लिए प्रदेश कांग्रेस के कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज के अलावा खुद यादव एक्टिव हैं। इस बारे में यादव ने कहा कि वोट षडयंत्र को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार को बुरी तरह बैकफुट पर ला दिया है। पूरी सच्चाई जनता के सामने आ चुकी है। अब राहुल गांधी रविवार को रामलीला मैदान में होने वाली महारैली से मोदी सरकार के अंत की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि महारैली को सफल बनाने के लिए प्रत्येक बूथ से दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ता भाग लेंगे, इस महारैली के लिए हमने पुख्ता इंतजाम कर लिए है और अलग-अलग राज्यों से आने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भी हर सुविधा का इंतजाम किया गया है। महारैली के प्रचार प्रसार के लिए सोशल मीडिया होर्डिंग, बैनर, तथा पोस्टर तथा लोगों के मोबाईल फोन पर वोट चोर गद्दी छोड़ रैली को लेकर वायस मैसेज भी भिजवाएं हैं, जिसका बहुत अच्छा संदेश कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनमानस में भी पहुंचा है। उन्होंने कहा कि महारैली को सफल बनाने के लिए प्रत्येक बूथ से दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ता भाग लेंगे और इस महारैली के लिए हमने सभी पुख्ता इंतजाम कर लिए है और अलग-अलग राज्यों से आने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए रात स लेकर सुबह के नाश्ते के साथ पानी और चाय का इंतजाम किया गया है। हमने कांग्रेस सेवादल के साथ अपने वालियंटर भी नियुक्त किए है ताकि लोगों को असुविधाएं न हो।

यातायात धोखाधड़ी: दिल्ली में फर्जी नो-एंट्री स्टिकर गिरोह का भंडाफोड़ तीन गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने यातायात धोखाधड़ी और जबरन वसूली में शामिल एक आपराधिक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कथित साजिशकर्ता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह गिरोह व्यावसायिक वाहनों को 'नो एंट्री' से जुड़े प्रतिबंधों से बचने में मदद करने के लिए कथित तौर पर फर्जी 'स्टिकर' बेचता था। पुलिस के मुताबिक, उसने रिंकू राणा उर्फ भूषण, सोनू शर्मा और मुकेश कुमार उर्फ पकौड़ी की गिरफ्तारी के साथ ही यातायात से संबंधित धोखाधड़ी करने वाले तीसरे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ये आरोपी जबरन वसूली में शामिल एक अन्य गिरोह से भी जुड़े हुए थे। पुलिस के अनुसार, रिंकू राणा एक संगठित गिरोह संचालित कर रहा था, जो दो हजार से पांच हजार रुपये प्रति माह की दर से नकली 'मार्का' या 'स्टिकर' बेचकर व्यावसायिक माल वाहनों को प्रतिबंधित घंटों के दौरान आवाजाही की सुविधा प्रदान करता था। 'स्टिकर' को यातायात नियमों से संबंधित चालान से बचने के लिए गलत तरीके से पेश किया गया था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 31 लाख रुपये नकदी, कई करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, 500 से अधिक नकली 'स्टिकर' और गिरोह को संचालित करने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले छह मोबाइल फोन बरामद किए। यह कार्रवाई यातायात पुलिस के एक अधिकारी की ओर से इस साल अप्रैल में दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर की गई। अधिकारी ने एक व्यावसायिक वाहन को रोका था, जिसने फर्जी 'स्टिकर' के जरिये प्रवर्तन कार्रवाई से छूट का दावा किया था। पुलिस के मुताबिक, जांच से पता चला कि अवैध आवाजाही में वाहनों की मदद करने और चालकों को यातायात पुलिस जांच चौकियों के बारे में सूचना देने के लिए सोशल मीडिया ग्रुप का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''यातायात प्रवर्तन को कमजोर करते हुए चालकों और वाहन मालिकों को धोखा देने के लिए एक समानांतर प्रणाली चलाई जा रही थी। सबूतों के आधार पर बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के अंतर्गत संगठित अपराध से संबंधित प्रावधान लागू किए गए हैं।'' पुलिस ने बताया कि सोनू शर्मा सोशल मीडिया ग्रुप का प्रबंधन करता था, जिसके माध्यम से 'स्टिकर' बेचे जाते थे और यातायात पुलिस की आवाजाही के बारे में वास्तविक समय पर अलर्ट प्रसारित किए जाते थे। संबंधित घटनाक्रम में मुकेश कुमार उर्फ पकौड़ी को भी पकड़ लिया गया।

मुकेश, राजकुमार उर्फ राजू मीणा का सहयोगी है और मीणा को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत पहले गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली में राहगीरों व बस यात्रियों का जीना मुश्किल

■ फुटपाथ गायब, बस स्टैंड बने पार्किंग

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

देश की राजधानी में पैदल चलने वालों और बस से सफर करने वाले लाखों नागरिकों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। हालात यह हैं कि फुटपाथ हों या बस स्टैंड - दोनों पर कब्जा और वाहन आदि खड़ी करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। नतीजा यह कि यात्रियों को सड़क पर उतरकर जान जोखिम में डालकर पैदल चलना पड़ रहा है। दिल्ली के कई मुख्य इलाकों में बस स्टैंडों के ठीक सामने सरकारी व निजी वाहन इस कदर पार्क कर दिए जाते हैं कि यात्रियों को बस स्टैंड तक पहुंचने के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ती है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का इलाका कमला मार्किट हो या फिर दिल्ली देहात के नरेला थाने के पास, साथ ही शालीमार बाग बैंक्वेट हॉल क्षेत्र और ऐसे ही कई अन्य जगहों पर यह स्थिति रोज की कहानी बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि देश की राजधानी दिल्ली जैसे अंतरराष्ट्रीय दर्जे वाले शहर में ऐसे हालात देश और दिल्ली की छवि को धूमिल कर रहे हैं। दिल्ली के अधिकतर दृश्य दिखाते हैं कि प्रशासनिक लापरवाही किस तरह आम नागरिक की सुरक्षा और सुविधा के साथ खिलवाड़ कर रही है। दिल्ली की जनता पूछ रही है कि फुटपाथ और बस स्टैंड आखिर कब तक पार्किंग बनकर रहेंगे? बता दें कि इस समस्या की जानकारी सांसद, विधायक, पार्षद और आलाधिरियों को भी लेकिन समस्या का समाधान सिर्फ कागजों में ही किया जा रहा है।

अनेकों बस स्टैंड बढ़ा रहे हैं यात्रियों की मुश्किलें

स्थानीय लोगों के अनुसार बस स्टैंड के सामने खड़े वाहनों के कारण यात्रियों- विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूल कॉलेज के छात्रों को भारी परेशानी होती है। जहां बसों को रुकना चाहिए, वहां कारें, बाइकें, टैक्सी और यहां तक कि सरकारी वाहन खड़े मिलते हैं। कई बार बस चालक भी मजबूरी में सड़क के बीचोंबीच ही बस रोकते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है।

फुटपाथ भी हो रहे हैं लुप्त, लोग सड़क पर चलने को मजबूर

दिल्ली के अनेकों क्षेत्रों में फुटपाथों पर अतिक्रमण, दुकानों का फैलाव और पार्किंग के कारण पैदल चलना चुनौती बन गया है। अतिक्रमण की आवाज दिल्ली नगर निगम की सदन और स्थायी समिति जैसी मुख्य बैठकों में पार्षदों द्वारा जमकर उठाई जाती है। हालत यह है कि लोगों को ट्रैफिक के बीच से रास्ता तलाशना पड़ता है। जो न सिर्फ असुविधाजनक है बल्कि खतरनाक भी।

सरकारी दावों की हवा निकल गई

दिल्ली सरकार और नगर निगम की ओर से " फुटपाथ को पैदल चलने योग्य" बनाने के दावे लगातार किए जाते हैं, पर जमीन पर तस्वीर उलटी है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कागजों में सीमित है, बस स्टैंडों पर नियमित निगरानी का अभाव है, सड़कों पर अनुशासन लागू करने में प्रशासन विफल नजर आ रहा है। सरकारी विभागों के वाहन भी नियम तोड़ते दिखाई देते हैं। इन हालातों में सवाल उठता है कि राजधानी में पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सम्मान आखिर किसकी जिम्मेदारी है?

नागरिकों की मांग, बस स्टैंड पार्किंग नहीं, बसों के लिए हों

यात्रियों का कहना है कि यदि दिल्ली सरकार और प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए तो सड़क सुरक्षा की मौजूदा स्थिति और भयावह हो सकती है। यात्रियों की मुख्य मांगें हैं कि बस स्टैंडों पर वाहनों की पार्किंग पर सख्त हो और नो-टॉलरेंस नीति हो। नियमित चालान और तैनाती के साथ ही फुटपाथों से अतिक्रमण हटाना चाहिए। बस स्टैंड तक पहुंचने का रास्ता सुरक्षित होना चाहिए।

कई विभागों ने मिलकर चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नरेला ज़ोन के वार्ड-28 स्थित शाहबाद डेयरी, पॉकेट-1, सेक्टर-25, रोहिणी में शनिवार को एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा संयुक्त विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना और नागरिकों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना रहा। इस विशेष स्वच्छता अभियान में नरेला ज़ोन के उपायुक्त राजीव सिंह (एमसीडी) की अगुवाई में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। दिल्ली जल बोर्ड की ओर से निदेशक गुरप्रीत सिंह एवं निदेशक राधेश्याम मीणा उपस्थित रहे। वहीं एमसीडी की ओर से अधीक्षण अभियंता योगेंद्र शर्मा, सहायक आयुक्त जय प्रकाश तथा डेम्स नरेला के अधीक्षक सुभाष चंद ने भी अभियान में भाग लिया। वहीं, बता दें कि उपायुक्त राजीव सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को नरेला वार्ड में फुटपाथ और सड़क पर हुए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया था।

सफाई, कूड़ा निस्तारण और जन-जागरूकता पर जोर

निगम उपायुक्त राजीव सिंह ने अभियान के दौरान क्षेत्र की सड़कों, गलियों, नालियों की सफाई के साथ-साथ कूड़े का उठान और निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने और गंदगी न फैलाने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ऐसे संयुक्त स्वच्छता अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि नरेला जोन को स्वच्छ और स्वस्थ बनाया जा सके।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू उर्फ तोतू, पुत्र सुरेंद्र पाल निवासी झुग्गी नं. डी-296, एसएस नगर, डब्ल्यूपीआईए, अशोक विहार, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 484/2023, भा.द.सं. की धारा 380/457/411/34 के तहत, थाना अशोक विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ तोतू** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ तोतू** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 484/2023, भा.द.सं. की धारा 380/457/411/34 के तहत, थाना अशोक विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ तोतू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.01.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री वसुंधरा छौंकर
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, उत्तर पश्चिम
DP/16568/NW/2025 कोर्ट नं.108, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया है अभियुक्त नामः **भरत, पुत्रः ओम दत्त, निवासीः मकान नंबर एफ–06, राजधानी पार्क, नई दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.509/2024 Dt.30.06.2024 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना मुंडका, बाहरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **भरत** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **भरत** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.509/2024 Dt.30.06.2024 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना मुंडका, बाहरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **भरत** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **22.01.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, गौरव सिंघल
न्यायिक महानगर प्रथम श्रेणी–06,
DP/16695/OD/2025 (अदालती मामला) पश्चिम जिला, तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

सांसद ने करोड़ों की लागत से होने वाले कार्यों का किया शिलान्यास

दिल्ली देहात की गलियां और जल निकासी की व्यवस्था होगी बेहतर : चांदोलिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली देहात की गलियां, सड़कें और जल निकासी की व्यवस्था के लिए नालियां पहले से बेहतर होगी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली से लोकसभा सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने दिल्ली देहात क्षेत्र में शनिवार को करोड़ों रुपए की लागत से होने वाले कार्यों को शिलान्यास करते हुए यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि नरेला विधानसभा क्षेत्र के स्वतंत्र नगर के पास लगभग 8 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से गोंडा रोड, ड्रेन, नालियों एवं 21 गलियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया है। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक राजकरण खत्री, उत्तर पश्चिम दिल्ली से जिला उपाध्यक्ष ललित खत्री सहित क्षेत्रीत्र गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यहां विधायक राजकरण खत्री ने बताया कि इन विकास कार्यों से स्थानीय निवासियों को बेहतर सड़क सुविधा, सुगम आवागमन एवं सुरक्षित परिवेश प्राप्त होगा। नरेला के सर्वांगीण विकास के लिए हमारा संकल्प निरंतर जारी रहेगा। सांसद चांदोलिया ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सशक्त नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को सुगम यातायात, बेहतर जल निकासी व्यवस्था तथा स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण मिलेगा। बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी और आम नागरिकों को दैनिक आवागमन में बड़ी सुविधा होगी।

रिठाला मेट्रो स्टेशन से सप्लीमेंट्री ड्रेन तक कार्य का शुभारंभ

सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने रिठाला मेट्रो स्टेशन से सप्लीमेंट्री ड्रेन तक लगभग 9 करोड़ 50 लाख की लागत से भगवान महावीर मार्ग सड़क चौड़ीकरण एवं सुधार कार्य का शुभारम्भ किया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक कुलवंत राणा सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सांसद चांदोलिया ने बताया कि इस विकास कार्य से क्षेत्रवासियों को बेहतर यातायात सुविधा, सुगम आवागमन और सुरक्षित सड़कें मिलेंगी। यह विकास कार्य न केवल क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा, बल्कि स्थानीय नागरिकों के जीवन को भी और अधिक सुविधाजनक बनाएगा।

प्रदूषण नियंत्रण में दिल्ली सरकार की बड़ी सफलता, सख्त निगरानी और किसानों के सहयोग से स्वच्छ हवा की दिशा में निर्णायक कदम

सात हजार एकड़ धान की खेती होने के बाद भी दिल्ली में नहीं जली पराली : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली में सात हजार एकड़ भूमि पर धान की खेती की गई लेकिन इस साल खेत में पराली नहीं जलाई गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे अपनी सरकार बड़ी उपलब्धि बताते हुए यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वर्ष 2025 की शीत ऋतु के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पराली जलाने की एक भी घटना दर्ज न होना, दिल्ली सरकार की प्रदूषण नियंत्रण नीति की बड़ी और ठोस उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सफलता विकास विभाग की कृषि इकाई और पर्यावरण विभाग के समन्वित प्रयासों, सतत निगरानी और किसानों के सहयोग से संभव हो पाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शीतकाल में वायु गुणवत्ता में गिरावट दिल्ली के लिए एक गंभीर चुनौती मानी जाती है, जिसमें पराली जलाने की घटनाएं एक बड़ा कारण हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'विंटर एक्शन प्लान' को सख्ती से लागू किया। इसके लिए विकास विभाग की कृषि इकाई ने पर्यावरण विभाग के साथ मिलकर पराली और फसल अवशेष जलाने की रोकथाम के लिए जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में दिल्ली में लगभग 7 हजार एकड़ भूमि पर धान की खेती की गई थी। इसके बावजूद विभाग के निरंतर और सुव्यवस्थित प्रयासों के परिणामस्वरूप पूरे एनसीटी दिल्ली में पराली जलाने की शून्य घटनाएं दर्ज की गईं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि सही नीति, प्रभावी क्रियान्वयन और किसानों की सहभागिता से प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

पराली जलाने की गतिविधि पर रखी गई 24 घंटे कड़ी निगरानी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इसके लिए 24 घंटे कार्य करते हुए दैनिक समीक्षा की गई। यह समीक्षा विकास आयुक्त शूरबीर सिंह द्वारा नियमित रूप से की गई, ताकि पराली या फसल अवशेष जलाने की किसी भी गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी जा सके और किसी भी उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि विकास विभाग ने पराली जलाने की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर क्षेत्रीय निगरानी और जागरूकता अभियान चलाया। इसके तहत कुल 11 टीमों को तैनात किया गया, जिनमें कृषि प्रसार अधिकारी और प्रसार सहायक शामिल थे। ये टीमें उत्तरी, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम जिला के पांचों धान उत्पादक जिलों में 24 घंटे गश्त कर रही थीं। इन टीमों ने खेतों में निगरानी के साथ-साथ किसानों को पराली जलाने के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया।

धान की कटाई के बाद खेतों में कराया गया था पूसा बायो-डीकंपोजर का छिड़काव

मुख्यमंत्री ने बताया कि पराली प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए धान की कटाई के बाद खेतों में पूसा बायो-डीकंपोजर का छिड़काव कराया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) द्वारा विकसित यह बायो- डीकंपोजर पराली को खेत में ही सड़ाकर मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता को बेहतर बनाता है। यह सुविधा किसानों को पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में फसल अवशेष प्रबंधन को और सुदृढ़ बनाने के लिए विकास विभाग उत्तर और दक्षिण-पश्चिम जिलों में दो कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को पराली प्रबंधन से जुड़ी आवश्यक मशीनरी और उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे पराली जलाने की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो सके।

पराली को जलाने से रोकने के लिए कृषि इकाई के मुख्यालय में स्थापित किया गया नियंत्रण कक्ष

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि कृषि इकाई के मुख्यालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया। इस नियंत्रण कक्ष पूसा के सीआरईएएमएस पोर्टल से प्राप्त उपग्रह आधारित सूचनाओं का विश्लेषण करता है और किसी भी संभावित घटना की रिपोर्ट मिलने पर जियो-लोकेशन के आधार पर फील्ड स्टाफ को तुरंत कार्रवाई के निर्देश देता है। उन्होंने बताया कि किसानों को जागरूक करने के लिए पूसा बायो- डीकंपोजर के 97 प्रदर्शन दिल्ली के सभी पांच धान उत्पादक जिलों में किए गए। इसके अतिरिक्त, धान की पराली प्रबंधन पर 25 किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों और पराली जलाने के विकल्पों के प्रति प्रेरित करना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 घंटे गश्त, सतत निगरानी, प्रशिक्षण, प्रदर्शन, बायो-डीकंपोजर का छिड़काव, नियंत्रण कक्ष की स्थापना और सीआरईएएमएस पोर्टल के माध्यम से उपग्रह निगरानी जैसे व्यापक प्रयासों का ही परिणाम है कि वर्ष 2025 की शीत ऋतु में दिल्ली में पराली जलाने की एक भी घटना सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली सरकार की नीति का प्रभावी प्रमाण है और आने वाले समय में भी सरकार इसी प्रतिबद्धता के साथ स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ती रहेगी।

सीएक्यूएम ने दिल्ली में फिर लागू किया ग्रेप तीन वायु प्रदूषण 400 पार ने बढ़ाई राजधानी की आफत

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर वायु प्रदूषण ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शनिवार को एक्यूआई बढ़कर 400 पहुंचने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली में चरणबद्ध प्रक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण को लागू कर दिया है। सीक्यूएम ने संबंधित निकायों को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि हर हाल में प्रतिबंध लागू किए जाने चाहिए। सीएक्यूएम ने कहा कि दिल्ली का 24 घंटे का एक्यूआई 349 था, लेकिन हवा की धीमी गति, स्थिर वातावरण, मौसम संबंधी प्रतिकूल स्थितियों और प्रदूषकों के फैलाव की कमी के कारण यह शनिवार सुबह 10 बजे तक बढ़कर 401 हो गया। ऐसे में वायु गुणवत्ता की मौजूदा स्थिति को देखते हुए तथा क्षेत्र में स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए सीएक्यूएम ग्रैप उप-समिति ने फैसला किया है कि वायु गुणवत्ता के गंभीर स्तर को देखते हुए ग्रैप के तीसरे चरण के सभी उपाय तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं। यह भी कहा गया है कि एनसीआर में पहले से ही लागू ग्रैप के पहले व दूसरे चरण के तहत लागू उपायों के अतिरिक्त हैं। तीसरे चरण के प्रतिबंधों में गैर-जरूरी निर्माण, विध्वंस कार्य, पत्थर तोड़ने और खनन गतिविधियों पर रोक शामिल है। जानकारी अनुसार ग्रेप तीन में शामिल प्रतिबंधों में बाहरी तथा दिल्ली के अंदर की डीजल बसों पर रोक, कक्षा 5 तक के स्कूल बंद कर ऑनलाइन मोड में पढ़ाई की मंजूरी, स्टोन क्रशर और खनन संबंधी गतिविधियों पर रोक, इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर डीजल जनरेटरों पर पूर्ण रोक, निजी कंपनियों में वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड मोड में कार्य की सलाह, ध्वस्तीकरण (तोड़फोड़), गैर जरूरी निर्माण कार्य और पुराने डीजल वाहनों पर रोक, सीमेंट, बालू जैसे सामानों की ट्रकों से आवाजाही पर पूर्ण रोक लग जाएगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में शनिवार सुबह धुंध की मोटी चादर छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक 397 के साथ गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गया, जो बाद में 400 पार दर्ज हुआ। जिसमें दिल्ली में कुल निगरानी स्टेशन में से 21 में एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार एक्यूआई वजीरपुर में सबसे अधिक 445, विवेक विहार में 444, जहांगीरपुरी में 442, आनंद विहार में 439 और अशोक विहार व रोहिणी दोनों जगह 437 दर्ज किया गया। इसके अलावा नरेला में 432, पटपड़गंज में 431, मुंडका में 430, बवाना, आईटीओ एवं नेहरू नगर में 429, चांदनी चौक और पंजाबी बाग में 423, सिरी फोर्ट और सोनिया विहार में 424, बुराड़ी क्रॉसिंग 414, कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 409, नॉर्थ कैंपस और आरके पुरम में 408 तथा ओखला फेज-2 में 404 एक्यूआई दर्ज किया गया।

कांग्रेस ने प्रदूषण पर सीएम से की सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मांग की है कि इस गंभीर समस्या पर सरकार को तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। अगर सीएम प्रदूषण नियंत्रण पर वास्तविक रूप से गंभीर है तो सभी राजनीतिक दलों के विचारों और उपायों पर काम करके दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आगे आकर काम करें। लेकिन हर मोर्चे पर विफल हो चुकी सीएम गुप्ता को सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए। यादव ने कहा कि राजधानी में शनिवार को भी अनेकों जगह पर एक्यूआई 400 के पार दर्ज हुआ है। प्रदूषण नियंत्रण को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने को असहाय साबित कर चुकी है। हम प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार के हर कदम पर उनके साथ चलना चाहते है, यदि सरकार प्रदूषण नियंत्रण पर वास्तविक रूप से गंभीर है तो तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलाएं और सभी राजनीतिक दलों के विचारों और उपायों पर काम करके दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आगे आकर काम करें। यादव ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रदूषण का मुद्दा उठान पर उनका धन्यवाद किया।

आपदा की शिक्षा क्रांति बच्चों को बाहर करने की फिल्टरिंग पॉलिसी थी : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों से आपदा की शिक्षा क्रांति की सच्चाई कर दी उजागर

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को कहा कि राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों ने पूर्व आम आदमी सरकार की शिक्षा क्रांति की सच्चाई को उजागर कर दिया है कि आपदा की शिक्षा क्रांति नहीं यह बच्चों को बाहर करने की फिल्टरिंग पॉलिसी थी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने राज्यसभा में प्रस्तुत तथ्यों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है कि पिछली आपदा सरकार की तथाकथित 'एजुकेशन रेवोल्यूशन' दरअसल बच्चों के भविष्य को संवारने की नहीं, बल्कि आंकड़ों को संवारने की नीति थी। सूद ने कहा कि आज दिल्ली में हमारी सरकार है, लेकिन पिछली आपदा सरकार की शिक्षा नीति की असलियत उजागर करने के लिए भी किसी भाजपा नेता की नहीं, आपदा की अपनी राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल हैं, जिन्होंने संसद में यह सवाल किया कि कक्षा 9 में फेल हुए बच्चों को बड़े पैमाने पर एनआईओएस में भेजना वास्तव में उन्हें दूसरा मौका दे रहा है या फिर स्कूलों के नतीजों को बेहतर दिखाने का तरीका बन गया है। राज्यसभा में एक प्रश्न पर शिक्षा मंत्रालय के लिखित जवाब के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में दिल्ली सरकार के स्कूलों में नौवीं कक्षा में 32 लाख से अधिक छात्र अनुत्तीर्ण हुए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 2020-21 में 31,541 छात्र, 2021-22 में 28,548, 2022-23 में 88,421, 2023-24 में 1,01,344 और 2024-25 में 70,296 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। इसी अवधि के दौरान एनआईओएस में 71 हजार से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया गया, जिसमें 2022-23 में 29,436 छात्रों का प्रवेश शामिल हैं। सूद ने कहा कि एनआईओएस अपने आप में एक वैकल्पिक और सहायक व्यवस्था हो सकती है, लेकिन जो आंकड़े सामने आए हैं, वे बताते हैं कि इसे सहयोग के लिए नहीं, साइड-लेन के रूप में इस्तेमाल किया गया। सांसद स्वाति मालीवाल का सवाल बिल्कुल जायज है। सूद ने कहा कि क्या एनआईओएस बच्चों को दूसरा मौका देने के लिए इस्तेमाल हुआ, या फिर उन्हें चुपचाप मुख्यधारा से बाहर करने के लिए, ताकि 10वीं-12वीं के रिजल्ट अच्छे दिखें। उन्होंने कहा कि जब कक्षा 9 में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को फेल किया जाता है और हजारों को नियमित स्कूल व्यवस्था से बाहर कर दिया जाता है, तो 10वीं या 12वीं में ऊंचा पास प्रतिशत किसी उपलब्धि का नहीं, बल्कि एक गणितीय नतीजे का संकेत होता है। यह शिक्षा नीति नहीं, बल्कि रिजल्ट-मैनेजमेंट पॉलिसी है और इसे 'दुनिया का नम्बर-वन शिक्षा मॉडल' कहना उन बच्चों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों तीनों का अपमान है। सूद ने कहा कि ये आंकड़े केवल नंबर नहीं हैं।

भारत मंडपम में सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव शुरू : कपिल

नई दिल्ली। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो गया। यह महोत्सव भारत की सभ्यतागत विरासत, सनातन चेतना, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और समकालीन राष्ट्रीय विमर्श को सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर उपस्थित दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जय श्रीराम की गूंज ही शंखनाद बने, यही सनातन राष्ट्र का उद्घोष है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है कि ऐसा आयोजन देश की राजधानी में हो रहा है और इसे भारत सरकार एवं दिल्ली सरकार दोनों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि एक दशक पूर्व इस प्रकार के खुले वैचारिक विमर्श की कल्पना भी संभव नहीं थी। राम मंदिर आंदोलन, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग और समय की लीला का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा भविष्यदृष्टि वाली है और समय स्वयं अपने उत्तर देता है। उन्होंने लाल किले में हुए विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि भय भारतीय समाज के डीएनए में नहीं है। मिश्रा ने कहा कि रामराज्य केवल सुरक्षा से नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, परस्पर उत्तरदायित्व और सहधर्म की भावना से साकार होगा।कार्यक्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज के काल से जुड़ी शस्त्र परंपरा की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही, जिसे भारत की युद्धकला और वीरता का जीवंत प्रमाण बताया गया। इसी क्रम में भारत मंडपम में 12–13 दिसंबर 2025 को अंतरराष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश से संत, तपस्वी, योगाचार्य, विचारक और मातृ-शक्तियों की सहभागिता रही।

उपराज्यपाल सक्सेना ने एनएसयूटी के तीसरे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की, गूंजे संस्कृत के श्लोक

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी (एनएसयूटी) के तीसरे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने की, जिसमें संस्कृत के श्लोक गूंजे। शनिवार को आयोजित हुए इस समारोह में एलजी के अलावा सीएम रेखा गुप्ता व दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद व एनएसयूटी के पदाधिकारी तथा अन्य मौजूद थे। लोक निवास सचिवालय की तरफ से दी गई जानकारी अनुसार इस बार दीक्षांत समारोह की थीम रही -सतत और समावेशी विकास के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए एलजी सक्सेना ने अपने भाषण में यजुर्वेद के गहरे श्लोक - माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्या, यानी पृथ्वी मेरी माँ है, और मैं उसका पुत्र हूँ का सटीक उल्लेख किया। एलजी ने कहा कि हमारे सभी विकासात्मक और प्रगतिशील कार्यों में पारिस्थितिक स्थिरता के सर्वोच्च महत्व पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम ने जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन और मरुस्थलीकरण के संबंध में यूएन-कॉप लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। उन्होंने युवा स्नातकों से आग्रह किया कि वे अपने पेशेवर भविष्य को उसी के अनुरूप बनाएं, ताकि राष्ट्र और दुनिया का सतत और न्यायसंगत विकास सुनिश्चित हो सके। एलजी ने यह लोकप्रिय कहावत ध्यान में रखकर आगे बढ़ने की सलाह दी कि, जो लोग पानी से नहाते हैं वो लिबास बदलते हैं, मगर जो लोग पसीने से नहाते हैं वो इतिहास बदलते हैं। एलजी ने कहा कि तकनीक तभी सार्थक होती है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इंजीनियरिंग को केवल नवाचार या निर्माण तक सीमित न रखकर इसे समाज की सेवा का एक सशक्त माध्यम बनाएं। एलजी ने इस असवर पर सभी छात्रों, उनके माता-पिता व अभिभावकों और एनएसयूटी को बधाई और बेहतर भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मौजूद सीएम रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से देश और दिल्ली की समस्याओं के समाधान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के संकल्प और नवाचार से ही तय होगी देश और दिल्ली की दिशा। सीएम ने कहा कि एनएसयूटी जैसे संस्थान तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास के माध्यम से भारत के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। संस्थान निरंतर शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है और विद्यार्थियों को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने ईस्ट और वेस्ट कैंपस में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के अनावरण को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि नेताजी का जीवन आज भी देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के 78 वर्षों के बाद देश को किस दिशा में आगे बढ़ाना है, इसका सबसे महत्वपूर्ण निर्णय आज के युवाओं के हाथों में है। इस अवसर पर मौजूद शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि विकसित भारत 2047 की इस यात्रा के कर्णधार आज के विद्यार्थी ही हैं। ऐसे दौर में स्नातक बनकर निकल रहे हैं, जब भारत 'विकसित भारत 2047' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल नारा नहीं, बल्कि युवाओं को देश में अवसर देने और उनसे नवाचार व समाधान की अपेक्षा का स्पष्ट संकल्प है।

खान मार्केट के मुख्य प्रवेश द्वार और बैकलेन में सुधार : चहल

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र स्थित खान मार्केट के मुख्य प्रवेश द्वार और बैकलेन में सुधार व सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शनिवार को खान मार्केट का निरीक्षण करने के बाद मीडिया का यह जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्य इसी माह में प्रारंभ कर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि बाजार में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल मिल सके। चहल ने कहा कि विकसित भारत 2047 के विज़न और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ, सुव्यवस्थित और भविष्य के लिए तैयार शहरों के संकल्प के अनुरूप कार्य किए जा रहें है। एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने कहा कि यह निरीक्षण एनडीएमसी द्वारा पहले किए गए निरीक्षणों की निरंतरता में है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि परिषद नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और बाजारों के सौंदर्यीकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस अवसर पर मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन ने एनडीएमसी की सक्रिय भूमिका की सराहना की और सभी कार्यों में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

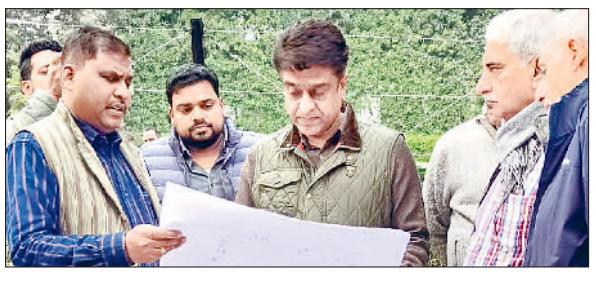

अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध और धनशोधन गिरोह का भंडाफोड़ किया, नौ आरोपी किए गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये कथित तौर पर बड़े पैमाने पर ऑनलाइन धोखाधड़ी और धनशोधन में शामिल थे जिसमें संदिग्ध बैंक खातों के माध्यम से 5.24 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया गया था। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों को 26 नवंबर को द्वारका के एक होटल पर छापेमारी के बाद पकड़ा गया, जहां कथित तौर पर यह गिरोह सक्रिय था। वे कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए अक्सर अपना ठिकाना बदलते रहते थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में दिल्ली के सुल्तान सलीम शेख (महाराष्ट्र), सैयद अहमद चौधरी (बेंगलुरु), सतीश कुमार (ठाणे), तुषार मालिया, शिवम, सुनील और राजस्थान के प्रभु दयाल, तरुण शर्मा और राजस्थान से सुरेश कुमार कुमावत शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 26 नवंबर को विशिष्ट खुफिया जानकारी मिली थी कि द्वारका के एक होटल से साइबर धोखाधड़ी करने वाला एक गिरोह सक्रिय है और धोखाधड़ी की गतिविधियों के लिए गुप्त रूप से कई बैंक खातों का उपयोग कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारा जिसमें पहले एक होटल के कमरे से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और बाद में उनके खुलासे के आधार पर पांच अन्य को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे एक सुव्यवस्थित नेटवर्क का हिस्सा थे जो बिचौलियों के माध्यम से बैंक खाते प्राप्त करते थे और कमीशन के बदले उन्हें साइबर धोखाधड़ी करने वालों को मुहैया कराते थे।

संवाद और काउंसलिंग से विवाद टकराव बनने से पहले ही सुलझाए जा सकते हैं : विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

- दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में 'लीगल हेल्प सर्विस सेंटर' का किया उद्घाटन

संवाद और काउंसलिंग से विवाद टकराव बनने से पहले ही सुलझाए जा सकते हैं, और पारिवारिक मामलों का समाधान टकराव नहीं बल्कि समझ और संवेदनशीलता से होना चाहिए। यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष एवं रोहिणी के स्थानीय विधायक विजेंद्र गुप्ता ने आज रोहिणी में 'लीगल हेल्प सर्विस सेंटर' का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन करते हुए कही। यह कार्यक्रम सम्पूर्णा एनजीओ द्वारा रोहिणी में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य नागरिकों को सुलभ कानूनी सहायता, पारिवारिक काउंसलिंग तथा संवाद के माध्यम से सौहार्दपूर्ण विवाद समाधान उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर सम्पूर्णा की संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. शोभा विजेंद्र, संगठन मंत्री श्रीहरि बोरिकर, संजय, सुनीता, जितेन्द्र सहित सामाजिक कार्यकर्ता, विधिक विशेषज्ञ, परामर्शदाता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आज शुरू की गई यह पहल समाज की वास्तविक और आवश्यक जरूरतों को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने का वातावरण पारिवारिक और संवेदनशील मामलों के समाधान के लिए उपयुक्त नहीं होता और कई बार समस्या को और अधिक जटिल बना देता है। जब घरेलू मामला थाने तक पहुंच जाता है, तो वह अक्सर नियंत्रण से बाहर हो जाता है और उसका स्वरूप बदल जाता है। ऐसे में काउंसलिंग और संवाद आधारित मंच, जैसे यह लीगल हेल्प सर्विस सेंटर, अधिक मानवीय और प्रभावी समाधान प्रदान करते हैं।उन्होंने दिसंबर 2012 की निर्भया घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों की पुनरावृत्ति किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज में अविश्वास और सहनशीलता की कमी को दर्शाती हैं, जिनका समाधान परिवार और समुदाय स्तर पर आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई विवादों की जड़ अविश्वास होता है। जब रिश्तों में अविश्वास भर जाता है, तो समस्याएं भयावह रूप ले लेती हैं। काउंसलिंग का उद्देश्य अविश्वास को विश्वास में और असहनशीलता को सहनशीलता में बदलना है। उन्होंने कहा कि परिवारों में समझ और सहनशीलता को मजबूत करना एक सुरक्षित और संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए अनिवार्य है। गुप्ता ने बताया कि लीगल हेल्प सर्विस सेंटर तथा पहले से संचालित फैमिली काउंसलिंग सेंटर (एफसीसी) नियमित रूप से कार्य करेंगे, जिनमें प्रत्येक शनिवार को विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से इन सेवाओं के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब कोई परिवार टूटता है, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि उससे जुड़े अनेक लोग प्रभावित होते हैं। सबसे अधिक नुकसान बच्चों को उठाना पड़ता है। गुप्ता ने कहा कि परिवारों को टूटने से बचाना और आपसी सहमति से विवादों का समाधान करना सबसे बड़ा सामाजिक पुण्य कार्य है, क्योंकि इससे बच्चों का भविष्य सुरक्षित होता है और समाज का ताना-बाना मजबूत होता है।

एबीवीपी ने डीयू परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की दिल्ली इकाई ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्रों के समय पर न पहुँचने एवं परीक्षा प्रारम्भ में हुए विलंब के विरोध में किया गया। इस अवसर पर एबीवीपी, दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि परीक्षा जैसी गंभीर प्रक्रिया में इस प्रकार की लापरवाही विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय है और विश्वविद्यालय प्रशासन की अक्षमता को दर्शाती है। परीक्षा नियंत्रक ने एबीवीपी को उचित तिथि पर पुनः परीक्षा आयोजित कराने का आश्वासन दिया है। एबीवीपी ने इस विषय में परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल समाधान किए जाने की मांग की। इसे लेकर परीक्षा नियंत्रक ने यह आश्वासन दिया कि जिन विद्यार्थियों की परीक्षा इस विलंब के कारण प्रभावित हुई है, उनके लिए पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा इस संबंध में शीघ्र आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी। उक्त प्रदर्शन में डूसू के अध्यक्ष आर्यन मान एवं सचिव कुणाल चौधरी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल रहे।

खबर संक्षेप

बैठक में झलकारी बाई द्वार बनाने की मांग

फरीदाबाद। अखिल भारतीय कोली समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की

अध्यक्षता अखिल भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिमाचल प्रदेश से सांसद रहे वीरेंद्र कश्यप कई मांगों पर चर्चा की। फरीदाबाद कोली समाज ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को एक ज्ञापन पत्र सौंपा। ज्ञापन पत्र में हरियाणा के राज्यपाल असीम घोष, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, फरीदाबाद के सांसद एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर आदि ने अनुरोध किया।

झगड़े के मामले में तीन आरोपी धराए

फरीदाबाद। लड़ाई झगड़े के

मामले में 3 आरोपियों को अपराध शाखा सैंट्रल की टीम ने काबू किया है। थाना खेड़ीपुल में सुमित निवासी मवई ने दी शिकायत में आरोप लगाया कि 24 जुलाई को वह अपने दोस्तो के साथ अपने खेत पर बैठा हुआ था। तभी वहां 8-10 लड़के मोटरसाईकिल पर आए और उसके साथ मारपीट करने लगे जिससे उसके हाथ पैर टूट गए।

64 लाख का गबन करने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना निवाड़ी पुलिस ने बैंक से धन का गबन करने वाले बैंककर्मी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर बैंक खाता

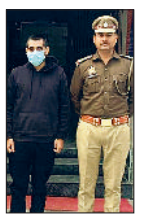

धारकों की बिना जानकारी के फर्जी तरीके से आरटीजीएस व लूज चेक के माध्यम से कुल 64 लाख 87 हजार 442 रुपए निकाल लिए। 21 नवंबर को थाना निवाड़ी पर पंजाब एंड सिंध बैंक पतला के शाखा प्रबंधक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि निवासी कैलाश विहार आवास विकास नबंर-1 थाना कल्याणपुर जनपद कानपुर नगर द्वारा बैंक खाता धारकों कि बिना जानकारी के फर्जी तरीके से आरटीजीएस व लूज चेक के माध्यम से कुल 64 लाख 87हजार 442 रुपए निकाल लिए थे ।

वाल्मीकि सामुदायिक भवन व आरएमसी सड़क निर्माण कार्य का कैबिनेट मंत्री गोयल ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

ओल्ड फरीदाबाद केवल एक क्षेत्र नहीं, बल्कि उनका घर है, जहां की गलियों में खेलते हुए, बुजुर्गों की उंगली पकड़कर चलना उन्होंने सीखा। ऐसे में इस क्षेत्र के विकास के प्रति उनका दायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह संबोधन देते हुए हरियाणा सरकार में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय एव नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने आज वार्ड नंबर 31, बाढ़ मोहल्ला (वाल्मीकि बस्ती) में महार्षि वाल्मीकि सामुदायिक भवन पुनः निर्माण एवं बस्सा पाड़ा में आरएमसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ कॉलोनी निवासियों से विधिवत तरीके से नारियल तुड़वाकर किया। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि आज वाल्मीकि मंदिर परिसर में लंबे समय से लंबित सामुदायिक भवन जिस पर लगभग 52.5 लाख की लागत से निर्माण प्रारंभ किया जा रहा है।

ओल्ड फरीदाबाद के समग्र विकास का रोडमेप तैयारः कैबिनेट मंत्री विपुल

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में इस परियोजना के लिए अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता पड़ी, तो सरकार उसे भी उपलब्ध कराएगी, ताकि क्षेत्रवासियों को एक आधुनिक और उपयोगी सामुदायिक भवन मिल सके। इसके साथ ही ओल्ड फरीदाबाद की विभिन्न गलियों के पक्कीकरण कार्य की भी शुरुआत की गई। इन कार्यों में 18.5 लाख और 22.5 लाख की लागत से दो प्रमुख गली विकास परियोजनाएं शामिल हैं, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की आधारभूत संरचना मजबूत होगी। मंत्री गोयल ने इसे केवल ट्रेलर बताते हुए कहा कि आने वाले समय में विकास की पूरी फिल्म अभी बाकी है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने विश्वास दिलाया कि ओल्ड फरीदाबाद के लिए आने वाला एक वर्ष विकास के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होगा। चाहे अनाज मंडी क्षेत्र में नए अस्पताल की योजना हो, नए स्कूलों की स्थापना हो, पानी-बिजली की बेहतर व्यवस्था हो या जहां-जहां कच्ची सडकें हैं, उन्हें पक्का करने का कार्य सरकार तेजी से काम करेगी। उन्होंने ओल्ड फरीदाबाद के ऐतिहासिक बराही तालाब के पुनरुद्धार की भी महत्वपूर्ण घोषणा की। इस तालाब का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है, जहां 36 बिरादरी के लोग बराही माता की पूजा करते हैं और छठ पर्व का आयोजन होता है। इस तालाब के सौंदर्यीकरण और पुनर्जीवन के लिए 65 करोड़ की डीपीआर तैयार की जा चुकी है।

सुविधाओं के निर्माण का शिलान्यास शीघ्र किया जाएगा

गोयल ने बताया कि क्षेत्र में पार्कों की संख्या सीमित है, इसलिए मौजूदा पार्कों को और अधिक सुंदर व उपयोगी बनाया जाएगा। नई सब्जी मंडी में बनाई गई पार्किंग सुविधा को भी अगले एक-दो महीनों में शुरू किया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो सकेगी। साथ ही बाजार क्षेत्र में स्नानघर एवं आधुनिक बाथरूम सुविधाओं के निर्माण का शिलान्यास शीघ्र किया जाएगा, ताकि व्यापारियों और आम नागरिकों को सुविधा मिल सके। अपने संबोधन में गोयल ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारी बहुमत से मिले जनसमर्थन के कारण ही उन्हें पुनः मंत्री बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि जनता ने न केवल उन्हें, बल्कि उनके साथ काम करने वाली पूरी टीम को शक्ति दी है। पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को गति मिली है, जिसका लाभ आने वाले समय में और अधिक दिखाई देगा। उन्होंने भावनात्मक रूप से कहा कि विपुल गोयल जनता के लिए केवल एक नेता नहींए बल्कि किसी का भाई, बेटा, भतीजा और मित्र है। ओल्ड फरीदाबाद की हर गली से उनका आत्मीय रिश्ता है, इसलिए यहां की समस्याओं और जरूरतों से वे भली-भांति परिचित हैं। जनता द्वारा दी गई शक्ति के बल पर इन सभी समस्याओं का समाधान करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में ओल्ड फरीदाबाद की सभी प्रमुख समस्याओं का समाधान किया जाएगा और यह क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने कहा कि जनता का प्रेम, विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी के साथ ओल्ड फरीदाबाद का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित किया जाएगा।

यह लोग उपस्थित रहे

इस अवसर पर पार्षद शैफाली सिंगला, पार्षद प्रियंका बिष्ट, पार्षद मुकेश अग्रवाल, पार्षद कुलदीप साहनी, पार्षद सचिन शर्मा, राहुल रतड़ा, प्रवेश मेहता, बंसी लाल, सुरेंद्र शर्मा बबली, शिव प्रकाश, अजीत नंबरदार, बशीर अहमद, कुलदीप सिंगल, सचिन शर्मा, सुभाष आहूजा, पदम सैनी, शिव कुमार, संदीप लोहिया, पवन लोहिया, पवन खन्ना, यश बब्बर, आशा वशिष्ठ सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

दक्ष फाउंडेशन द्वारा बुजुर्गों के प्रति भाव प्रदर्शन के लिए आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री नागर

युवाओं में बुजुर्गों के प्रति संवाद और संवेदनशीलता बढ़ाएं माता-पिताः नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, संरक्षण और पीढ़ियों के बीच संवाद को सशक्त बनाने के लिए दक्ष फाउंडेशन ने 'ख्याल अपने बुजुर्गों का' आयोजन किया। जिसमें प्रदेश के मंत्री राजेश नागर ने इस आयोजन को आज के समाज की जरूरत बताया। इसका आयोजन दिल्ली स्कॉलर इंटरनेशनल स्कूल परिसर में हुआ। इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने इस पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के समय में पीढ़ियों के बीच संवाद और संवेदनशीलता को बढ़ाने के लिए ख्याल अपने बुजुर्गों का जैसी पहलें समाज में सकारात्मक बदलाव लाती हैं। उन्होंने कहा कि हम इस प्रकार की कोशिशों को प्रदेश भर में प्रोत्साहित कर रहे हैं लेकिन अपने विधानसभा में तो विशेष ध्यान रखेंगे।

खास बातें

- आयोजन में 450 बुजुर्ग अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया
- आयोजन स्कॉलर इंटरनेशनल स्कूल परिसर में हुआ
- युवाओं के मन में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने माता पिता से अपील की

प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया

उन्होंने युवाओं के मन में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने की माता-पिता से अपील की। कार्यक्रम में फरीदाबाद के लगभग 28 विद्यालयों के 380 विद्यार्थियों ने अपने दादा-दादी, नाना-नानी सहित लगभग 450 बुजुर्ग अभिभावकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें बच्चों और बुजुर्गों के लिए पांच श्रेणियों में रचनात्मक व मूल्य आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कवि दिनेश रघुवंशी, दिल्ली स्कॉलर इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन एस दलाल, रेडक्रॉस सोसायटी के जिला सचिव विजेंद्र सोरोत, एचएस मलिक, ब्रिगेडियर एल.एन. माथुर, कर्नल ए के कपलास, विंग कमांडर हरिश्चंद्र मान, नरेंद्र परमार, डॉ. अजय गर्ग, राजदीप, सुरेश चंद्र, अवतार कुमार गौड, विजयलक्ष्मी, लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील धनखड़, डॉ. बिजेंद्र, राकेश कश्यप, यथार्थ हॉस्पिटल से डॉ.ए. के. झा, डॉ. विजय कुमार अग्रवाल, सिद्धार्थ शर्मा, राजीव शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। दक्ष फाउंडेशन के संस्थापक एस.एस. दहिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

तुषार अपनी नई भूमिका को लेकर बेहद उत्साहित

यूपीकेएल की टीम गज़ब गाज़ियाबाद से जुड़े फिल्म अभिनेता तुषार कपूर

सीजन-2 के मैच 24 से नोएडा में होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीजन 2 में दमखम दिखाने को तैयार शहर की टीम गजब गाजियाबाद के साथ बॉलीवुड स्टार तुषार कपूर का नाम भी जुड़ गया है। टीम के साथ को-ओनर के रूप में जुड़े तुषार अपनी नई भूमिका को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि गजब गाजियाबाद टीम सीजन 2 में बेहतरीन प्रदर्शन कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाएगी।

यूपीकेएल के फाउंडर एवं ओनर संभव जैन ने गजब गाजियाबाद के साथ बॉलीवुड सेलिब्रिटी के जुड़ने पर टीम को बधाई दी है। टीम के ओनर आशीष शर्मा और कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि प्रो कबड्डी प्लेयर अनिल कुमार टीम के कप्तान हैं और उपकप्तान रौनक सिंह हैं, जिनके नेतृत्व में टीम के खिलाड़ी प्रैक्टिस में रोज पसीना बहा रहे हैं। अर्जुन अवॉर्डी और 'द बीस्ट' के नाम से मशहूर अनुभवी कबड्डी स्टार संदीप नरवाल उसके मेंटर हैं, जिनके अनुभव से खिलाड़ियों को कई तरह के दांव-पेच और गुर सीखने का अवसर मिल रहे हैं। टीम के हेड कोच किरनपाल सिंह हैं और बतौर असिस्टेंट कोच गुलबीर सिंह प्लेयर्स को ट्रेंड कर रहे हैं। गज़ब गाज़ियाबाद टीम के अन्य प्रमुख खिलाड़ियों में हर्ष ढाका, उदय दाबस, अभिषेक पांडेय, अमन पवार, अर्पित चौहल, अमन राणा, शौर्य सिंह, विपुल चौधरी, हरिओम, विशाल , गोपाल शर्मा शामिल हैं। यूपीकेएल सीजन 2 के मैच 24 दिसंबर, 2025 से शुरू होंगे। सभी मैच नोएडा में खेले जाएंगे। यूपीकेएल भारत की प्रमुख राज्य-स्तरीय कबड्डी लीग में से एक है, सबको साथ लेकर चलने वाले फॉर्मेट के ज़रिए पूरे यूपी में इस खेल को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

हवाबाजी में फायरिंग करने वाले निकले वाहन चोर, 4 पकड़ाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

30 नवंबर को पर्वतीय कालोनी में हवाई फायर करने मामले में क्राईम ब्रांच एवीटीएस-2 की टीम ने 4 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में 9 वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है तथा 1 देसी कट्टा व 1 कारतूस, चोरी की 7 मोटरसाइकिल व 2 स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार पर्वतीय कालोनी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 30 नवंबर की रात को वह बाजार से अपने घर की तरफ आ रहा था। जब वह अपने घर के पास पहुंचा तो वहां खड़े कुछ लड़कों ने हवाबाजी

के लिए दो हवाई फायर कर दिए और किसी को ना बताने की धमकी देकर मौका से भाग गए। जिस संबंध में थाना सारन में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि क्राईम ब्रांच एवीटीएस-2 की टीम ने कार्रवाई करते हुये 9 दिसंबर को आशिफ निवासी पर्वतीय कॉलोनी को गिरफ्तार का 3 दिन पुलिस रिमांड पर लिया हुआ है तथा अजय, विशाल व करण निवासी पर्वतीय कालोनी फरीदाबाद को 12 दिसंबर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि 30 नवंबर की रात को आरोपी आशिफ ने अपने अन्य साथी अजय, विशाल व करन के साथ पर्वतीय कालोनी में हवाबाजी के लिये फायरिंग की थी। आशिफ से 1 देसी कट्टा व 1 जिंदा रौंद बरामद हुआ है। गहनता से पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपी वाहन चोरी की वारदातों को भी अंजाम देते थे।

अलग-अलग पीड़ितों से लगभग 30 लाख रुपए की धनराशि ठगी

फर्जी प्लेसमेंट कंपनी चलाकर बेरोजगार युवक-युवतियों से धोखाधड़ी करने वाले दो ठग पकड़ाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गाजियाबाद

थाना सिहानी गेट पुलिस ने फर्जी प्लेसमेंट कंपनी चलाकर बेरोजगार युवक-युवतियों से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसीपी प्रियांशी पाल ने बताया कि थाना सिहानी गेट पर आवेदक आशीष ठाकुर निवासी मालीबाड़ा व अन्य पीड़ित व्यक्तियों ने लिखित तहरीर दी थी। तहरीर में बताया गया कि आरएस हेल्थ केयर मैनेजमेंट मार्केटिंग प्रा0 लिमिटेड / यूनिक मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा0 लिमिटेड" के नाम से एक फर्जी प्लेसमेंट कंपनी संचालित कर नौकरी व ट्रेनिंग दिलाने के नाम पर षड्यंत्रपूर्वक फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अलग-अलग पीड़ितों से लगभग 30 लाख रुपए की धनराशि ठगी। न तो पीड़ितों को नौकरी दिलाई गई और न ही उनकी धनराशि वापस की गई। पतहरीर के आधार पर थाना सिहानी गेट पर मु.अ0सं0 430/2025 धारा 318(4), 338, 336 (3), 340 (2), 61(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया।

कलाकारों ने सुंदर-सुंदर झांकियों की शानदार प्रस्तुति दी

फरीदाबाद हरिमंदिर में शनिदेव मूर्ति स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

एन.एच.पांच ए ब्लॉक स्थित हरि मंदिर में शनि देव मूर्ति स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर में गायकों ने शनि के सुन्दर भजनों को गाकर लोगों को भाव विभोर कर दिया। वहीं कलाकारों ने सुन्दर-सुंदर झांकियों भी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर हरि मंदिर के प्रधान अमर नाथ बागी, कोषाध्यक्ष हरीश शर्मा पटवारी, महिला मंडल की प्रधान मधु दुग्गल सहित संस्था के दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे।

मंदिर के कोषाध्यक्ष हरीश शर्मा ने बताया कि लगभग 26 वर्ष पूर्व हरि मंदिर में शनि देव मूर्ति की स्थापना की गई थी। जिसको लेकर हर वर्ष धार्मिक समारोह का

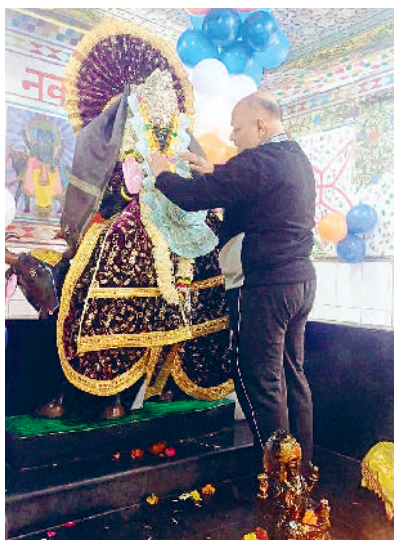

आयोजन किया जाता है।

इस अवसर पर मंदिर के प्रधान अमरनाथ बागी ने कहा कि शनि दुखों के हरता है, इसलिए हम सबका फर्ज बनता है कि हम शनि का सुमरन एवं दर्शन अवश्य करें। साथ ही जो व्यक्ति मंदिर में स्थापित प्रतिमा की सात शनिवार परिक्रमा करता है उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है।

इस अवसर पर वेद चावला, संतोष शर्मा बेबी, अजय शर्मा, संजय सेतिया, तिलकराज आहूजा, जगदीश चावला आदि पदाधिकारियों ने प्रसाद व भण्डारे का वितरण किया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को भेजा मोर्चरी

युवती का शव मिलने से मची सनसनी, गला घोंटकर हत्या कर शव फेंकने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरुग्राम

मानेसर थाना एरिया के गांव ग्वालियर 20 वर्षीय युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी मच गई। गले पर निशान होने के चलते माना जा रहा है कि युवती की गला घोंटकर कहीं और हत्या की गई है और शव को यहां पर फेंका गया है।

शव पर की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने केस दर्ज कर शव को मोर्चरी भिजवा दिया और कार्रवाई शुरु कर दी। दरअसल, मानेसर एरिया के गांव ग्वालियर में लोगों ने शनिवार की दोपहर एक युवती का शव पड़ा देखा। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मानेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस की सीन-ऑफ-क्राईम, एफएसएल, फिंगरप्रिंट, डॉग-स्क्वाड व क्राईम की पुलिस टीमों से घटनास्थल व शव का निरीक्षण कराया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवती की गला घोंटकर कहीं और हत्या की गई है और शव को यहां पर फेंका गया है। मृतका के दाहिने हाथ पर गुड़िया गुदा हुआ है। वहीं शरीर पर अन्य किसी भी प्रकार के चोट के निशान नही हैं। पुलिस ने शव की पहचान व आगामी कार्यवाही के लिए शव को मोर्चरी में रखवाया गया।

गला घोंटकर हत्या

मामले में पुलिस प्रवक्ता एएसआई संदीप कुमार ने कहा कि प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवती की गला घोंटकर कहीं और हत्या की गई है और शव को यहां पर फेंका गया है। उसके शरीर पर अन्य किसी भी प्रकार के चोट के निशान नही हैं।

टेलिग्राम टास्क देकर 35 लाख रुपए की ठगी खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने टेलिग्राम टास्क देकर 3,50,002 रुपए की ठगी करने के मामले में खाताधारक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जवाहर कॉलोनी के रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 30 मई को उसे एक टेलिग्राम ग्रुप में जोडा गया और उसे टास्क पूरे करके पैसे कमाने का लालच दिया। फिर ठगों कहने पर उसने 3,50,002 रुपए उनके बताए गए खाता में भेजे और जब पैसे वापिस मांगने पर उसे ब्लॉक कर दिया गया। जिस शिकायत पर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने आगे बताया कि साइबर थाना एनआईटी की टीम ने कार्रवाई करते हुए दिनेश निवासी गांव जाजोटा अजमेर राजस्थान को गिरफ्तार किया है।

मन की बात में पीएम मोदी के विचारों को सुने और राष्ट्रसेवा में सभी कार्यकर्ता अपना योगदान दें

भाजपा जिलाध्यक्ष ने मंडल अध्यक्ष व प्रभारियों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरुग्राम

भाजपा गुरुग्राम जिला कार्यालय 'गुरुकमल' में भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं मोर्चा अध्यक्षों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक ली।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मानेसर जिला कार्यवाह चरत सिंह के सड़क दुर्घटना में अकस्मात निधन पर सभी कार्यकर्ताओं ने मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को जिले के हर बूथ पर बीएलओ 2 की नियुक्ति के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी आप सभी कार्यकर्ताओं के समर्पण भाव से काम करने के

कारण ही बनी हैं और इसे ऐसे ही आगे बढ़ाते रहने में आप सभी का निरंतर सहयोग आवश्यक हैं। गुरुग्राम विधानसभा एवं बादशाहपुर विधानसभा के बीएलओ 1 पहले ही नियुक्त किए जा चुके हैं। गुरुग्राम विधानसभा में भाजपा की तरफ से बीएलओ-1 प्रवीण शर्मा एवं बादशाहपुर विधानसभा में भूपेंद्र यादव को बीएलओ 1 नियुक्त किया गया है।

न्यायाधिक अधिकारियों की 17 बेंचों ने मिलकर किया रिकॉर्ड मामलों का निपटारा

न्यायमूर्ति लिसा गिल के दिशा-निर्देशों पर राज्य भर में लोक अदालतों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं न्यायमूर्ति पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ माननीय लिसा गिल के दिशा निर्देशानुसार हरियाणा प्रांत में प्रत्येक जिले के अंदर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला फरीदाबाद के सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संदीप गर्ग की अध्यक्षता एवं निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रितु यादव की देखरेख में आज जिला अदालत सेक्टर-12 फरीदाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। शनिवार को लोक अदालत में 17 बेंच लगाए गए जिनमें सुरेंद्र कुमार अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, संदीप यादव अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अजय शर्मा अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, सौरभ गोसाई प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट, उपेंद्र सिंह मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, प्रमोद कुमार जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अमितेंद्र सिंह जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, निधि जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, दीपक यादव जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नवीन कुमार जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सिद्धार्थ कपूर जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, प्रेरणा आर्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, कोमल दहिया न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, रमणीक कौर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आदि।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक पुत्रः राम नैन पताः बी–3/700, 12.5 यार्ड, रघुवीर नगर, नई दिल्ली** ने केस **FIR No. 396/2017 U/s 379 IPC, थानाः राजौरी गॉर्डन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **FIR No. 396/2017 U/s 379 IPC, थानाः राजौरी गॉर्डन, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दीपक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 12.02.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री शशांक नन्दन भट्ट
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–02,
पश्चिम, रूम नं. 356
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16485/WD/2025 (Court Matter)

आभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **चन्दन पुत्र राज कुमार निवासी मकान नं. 8, मेन रोड, सुरक्षा विहार, कमल पायनियर स्कूल के पास, दिल्ली** ने एफआईआर सं./सी.सी.नं. **799/2022, अन्तर्गत धारा 457/380/411 आईपीसी, थाना रनहोला, बाहरी जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चन्दन** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चन्दन** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं./सी.सी.नं. **799/2022, अन्तर्गत धारा 457/380/411 आईपीसी, थाना रनहोला, बाहरी जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **चन्दन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.03.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अंकित करण सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट-08 (पश्चिम)
कमरा नं. 30, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16684/OD/2025 (Court Matter)

खबर संक्षेप

माघ मेले के लिए पहली बार जारी हुआ प्रतीक चिन्ह

प्रयागराज। माघ मेला-2026 का पहला आधिकारिक प्रतीक चिन्ह न केवल माघ मेला की आध्यात्मिक

परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि संगम, तप, अनुष्ठान और कल्पवास की नए रूप में परिभाषित करता है। प्रशासन मेला क्षेत्र में नए लोगो को विशेष रूप से स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। गेट, कुंभ मार्ग, घाटों, टेंट सिटी, पंटून पुल और प्रमुख थीम क्षेत्रों में लोगो को प्रदर्शित किया जाएगा।

गन प्वाइंट पर फाइनेंस कर्मी से 17 लाख की लूट

मुजफ्फरपुर। जिले में शनिवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने फाइनेंस कर्मी से 17 लाख की लूट को अंजाम दे

दिया। बताया जा रहा है- कर्मचारी कैश से भरा बैग लेकर रिटेलर को देने जा रहा था। इसी दौरान अपाचे से आए बदमाशों ने कपरपुरा रेलवे गुमटी के पास गन प्वाइंट पर लूट लिया। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेप केस में महिला दरोगा समेत 4 सस्पेंड

झांसी। झांसी रेंज के आईजी आकाश कुलहरी ने झांसी के एसएसपी कार्यालय और

मऊरानीपुर कोतवाली का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कई कमियां पाई। इस दौरान 6 महीने पुराने केस पर कोई काम नहीं होने पर अफसरों की जमकर क्लास भी लगाई। साथ ही महिला दारोगा समेत तीन को सस्पेंड कर दिया।

पुलिस को 1218 नए दारोगा मिले, 3 ट्रांसजेंडर, पासिंग आउट परेड में सीएम हुए शामिल

बिहार पुलिस में 1218 नए दारोगा शामिल हो गए हैं। जिसमें 779 पुरुष, 436 महिलाएं और 3 ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। शिक्षु दारोगाओं की पासिंग आउट परेड की सलामी सीएम नीतीश कुमार ने ली। जिसमें डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी शामिल रहे।

एजेंसी ▶▶ नालंदा

बिहार पुलिस को आधुनिक तकनीक से लैस 1218 नए सब इंस्पेक्टर (दारोगा) मिल गए हैं। राजगीर स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) में 2023 बैच के इन प्रशिक्षु दारोगाओं की भव्य पासिंग आउट परेड आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने परेड की सलामी ली, जबकि उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी , परिवहन मंत्री श्रवण कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस बैच में कुल 1218 प्रशिक्षु दारोगा शामिल हैं, जिनमें 779 पुरुष, 436 महिलाएं और पहली बार 3 ट्रांसजेंडर प्रशिक्षु शामिल हुए हैं।

झारखंड कैडर के 4 प्रशिक्षु दारोगाओं ने भी यहां प्रशिक्षण प्राप्त किया

इसके अलावा खेल कोटा से चयनित 23 अभ्यर्थी तथा झारखंड कैडर के 4 प्रशिक्षु दारोगाओं ने भी यहां प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह बैच सामाजिक समावेशन की दिशा में भी एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान दारोगाओं को पारंपरिक पुलिसिंग के साथ-साथ आधुनिक तकनीक, साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, एटीएम-बैंक फ्रॉड की जांच, डिजिटल साक्ष्य संकलन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही शारीरिक दक्षता के लिए ड्राइविंग, घुड़सवारी, साइक्लिंग, फायरिंग और सामरिक अभ्यास कराए गए। योग और मानसिक प्रशिक्षण के माध्यम से तनाव प्रबंधन और निर्णय क्षमता पर भी जोर दिया गया।

राज्य की कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलेगी

पीटीसी निदेशक आर. मलर विल्ली ने बताया कि इन नए दारोगाओं की तैनाती से राज्य की कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, खासकर साइबर और आर्थिक अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण में यह बैच अहम भूमिका निभाएगा। पासिंग आउट परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं के परिजन भी मौजूद थे।

समावेशिता की मिसाल

इस बैच की एक खास बात यह है कि इसमें 779 पुरुष, 436 महिलाएं और 3 ट्रांसजेंडर अधिकारी शामिल हैं। यह बिहार पुलिस में समावेशिता और विविधता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके अलावा 23 दारोगा खेल कोटा से चयनित हुए हैं, जो पुलिस बल में खिलाड़ियों की फिटनेस और अनुशासन का लाभ उठाने की सोच को दर्शाता है। दिलचस्प यह भी है कि 4 प्रशिक्षु झारखंड कैडर के भी इस दल में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

यूपी ने मनरेगा में बनाया रिकॉर्ड

48 लाख से अधिक परिवारों को मिला रोजगार, 31 % एससी-एसटी लाभार्थी

यूपी में रोजगार सृजन की दिशा में ठोस और सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मनरेगा के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 48 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। जिसमें इनमें 31 प्रतिशत से अधिक परिवार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन को लेकर सकारात्मक और ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 48 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इनमें 31 प्रतिशत से अधिक परिवार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं, जो सामाजिक समावेशन और समान अवसर की दिशा में योगी सरकार के प्रयासों और प्राथमिकता को दर्शाता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के तहत 97 प्रतिशत से अधिक श्रमिकों को समय पर भुगतान किया जा चुका है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में भरोसा बढ़ा है और श्रमिकों को उनकी मेहनत का पूरा और पारदर्शी लाभ मिल रहा है। योगी सरकार ने 6703 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की है, जिससे गांवों में आय के नए स्रोत तैयार हुए हैं।

अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवारों को मनरेगा में विशेष प्राथमिकता

यूपी सरकार की प्राथमिकता के अनुसार लोगों को रोजगार के साथ सम्मान भी मिलना है। इसी के तहत अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवारों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि पलायन पर भी प्रभावी रोक लगी है।

उत्तर प्रदेश में समावेशी विकास और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था

मनरेगा के जरिए गांवों में विकास कार्यों को गति मिल रही है और लाखों परिवार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। यह मॉडल उत्तर प्रदेश में समावेशी विकास और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर पेश कर रहा है।

वर्ष 2026 में आएगी नई पॉलिसी, आयुष इंफ्रास्ट्रक्चर होगा मजबूत

उधर, योगी सरकार देश के आयुष सेक्टर में अपनी धाक जमाने के लिए नई आयुष पॉलिसी लाने जा रही है। प्रदेश में आयुष उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी में निवेशकों को विभिन्न तरह की सहूलियतें दी जाएंगी। पालिसी में आयुष रिसर्च को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है ताकि प्रदेश को आयुष रिसर्च का हब बनाया जाए। पॉलिसी का उद्देश्य प्रदेश में आयुष दवाओं की जांच और भर्ती के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना है।

जेबीवीएनएल का प्रस्ताव, झारखंड में बढ़ेंगे बिजली के दाम, 59% तक हो जाएगी महंगी

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड बिजली वितरण निगम ने 2026-27 के लिए टैरिफ में 59 फीसदी तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। निगम को टू-अप रेवेन्यू गैप वर्ष 2023-24 तक 4991.67 करोड़ था। वित्तीय लेखा -जोखा के अनुसार जेबीवीएनएल को 15584.46 करोड़ की आवश्यकता है। अगस्त 2025 को जारी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार तीन वर्षों में रेवेन्यू गैप समाप्त करना है।

राजस्थान व बिहार में बिजली की दर झारखंड की तुलना में अधिक

वर्तमान दरों के अनुसार राजस्थान और बिहार में बिजली की दर झारखंड की तुलना में अधिक है। उत्तर प्रदेश में बराबर है। फिक्स्ड चार्ज के लिए अधिकांश राज्य बिहार, यूपी, छत्तीसगढ़, दिल्ली प्रति किलोवोट के आधार पर फिक्स्ड चार्ज निर्धारित करते हैं। जबकि झारखंड में प्रति कनेक्शन के आधार पर फिक्स्ड चार्ज लिया जाता है। टैरिफ तय करते समय राज्य आयोग विभिन्न मद में हुई व्यय, बिजली खरीद, राजस्व अंतर व अन्य कारकों को ध्यान में रखकर जेबीवीएनएल के लिए लागत-परिलक्षित टैरिफ निर्धारित करती है।

5 साल में 3 बार बढ़ी बिजली दर

जेबीवीएनएल के अनुसार पिछले पांच वर्षों में झारखंड की बिजली दर तीन बार बढ़ी है। आयोग द्वारा 2025-26 के लिए बिजली की दर में 6.34 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई। वहीं 2024-25 में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। 2023-24 में 7.66 फीसदी दर बढ़ाई गई। 2022-23 में वृद्धि नहीं की गई। 2021 – 2022 में 6.50 फीसदी दर बढ़ाई गई। वहीं प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं का बकाया पर कनेक्शन स्वतः कट जाता है। रिचार्ज करने पर खुद जुड़ जाता है। तकनीकी त्रुटि के कारण रीचार्ज के बाद भी बिजली चालू नहीं हो पाती है तो उपभोक्ता कार्यालय को तकनीकी त्रुटि की जांच व सुधार के लिए आवेदन दे सकते हैं।

पेज एक का शेष

भारत को मिलेगी ....

मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के तीन सांसदों डेबोरा रॉस, मार्क वीजी और भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति ने की है। जो क्रमशः नॉर्थ कैरोलिना, टेक्सास और इलिनॉय से जनप्रतिनिधि हैं। इनका कहना है कि राष्ट्रीय आपातकाल के नाम पर भारत पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ पूरी तरह से अवैध है और इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। क्योंकि टैरिफ से भारत का तो पता नहीं उल्टा अमेरिका के आम नागरिक ही बुरी तरह से त्रस्त हैं, उन पर दिनोंदिन महंगाई की मार पड़ रही है। अमेरिकी मजदूर, उपभोक्ता इससे प्रभावित हो रहे हैं। सप्लाई चेन गड़बड़ा रही है व भारत से संबंधों पर असर पड़ रहा है। प्रस्ताव का सार यही है कि इसकी मदद से अमेरिकी सांसद खासतौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी के जनप्रतिनिधि राष्ट्रपति के आपातकालीन अधिकारों पर नकेल कसना चाहते हैं। सांसदों का मत है कि व्यापार और उससे जुड़ी किसी नीति पर कानून बनाने का संविधान प्रदत्त अधिकार केवल सांसदों के पास होता है। राष्ट्रपति ऐसा कुछ नहीं कर सकते हैं। फिलहाल ये प्रस्ताव अमेरिकी संसद के निचले सदन में पेश हो चुका है। अगर वहां पर यह पारित हो जाता है तो भविष्य में इसे आगे बढ़ाने के लिए सीनेट (अमेरिकी संसद का ऊपरी सदन) में भी इस पर मतदान होगा। संसद में प्रस्ताव पारित होने पर अमेरिका में 6 अगस्त 2025 को लगाया गया राष्ट्रीय आपातकाल समाप्त हो जाएगा और उसी के साथ 50 फीसदी टैरिफ भी स्वतः ही खत्म हो जाएगा।

पीएम मोदी दे चुके दो टूक जवाबः मामले पर भारत की तरफ से स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक रूप से रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपने पक्ष की घोषणा की है। जिसमें उन्होंने कहा कि भारत अपने देश की आम-जनता की ऊर्जा संबंधी मांग और आवश्यकताओं को पूरा करने करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। इस प्रक्रिया में हमारे द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजारों की स्थिति का व्यापक आकलन करना भी शामिल है। केंद्र सरकार किसी भी सूरत में अपने देश के किसानों और छोटे-मझोले उद्योगों (एमएसएमई) के हितों पर कोई आंच नहीं आने देगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि ऐसे वक्त में जब अमेरिका खुद रूस से व्यापार कर रहा है तो उसे भारत से क्या परेशानी है? भारत यूक्रेन विवाद का बातचीत-कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण समाधान निकालने के पक्ष में है और इसके लिए जारी सभी प्रयासों को वह अपना समर्थन प्रदान करता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने हालिया भारत दौरे में नई दिल्ली के साथ लगातार ऊर्जा सहयोग को बनाए रखते हुए मास्को की तरफ से तेल की शिपमेंट भेजने की घोषणा की थी। साथ ही उन्होंने भारत के साथ व्यापार बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

आईईईपीए बना....

और पारस्परिक रूप से स्थापित आपसी समझ को वास्तविक तथा स्थायी रूप से नुकसान पहुंच रहा है। अगर ट्रंप के रुख में कोई बदलाव नहीं आया तो वह हमारे देश के ऐसे राष्ट्रपति बन जाएंगे। जिन्होंने भारत को खो दिया और रूस के साम्राज्य को मजबूती प्रदान कर दी है। इससे पहले तीनों उक्त डेमोक्रेटिक सांसदों ने सांसद रो खन्ना और डेढ़ दर्जन से अधिक सांसदों के साथ मिलकर नई दिल्ली पर लगाए गए टैरिफ को हटाने और दक्षिण-एशियाई देश के साथ संबंध सुधारने का आग्रह अमेरिका के राष्ट्रपति से किया था। वहां की स्थानीय अदालतों में भी टैरिफ के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाएं दाखिल की जा चुकी हैं। जिनके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) का उल्लेख करते हुए अपने निर्णय को लागू करने के कदम को उचित ठहराया था।

अमेरिकी सांसदों का ...

दाम बढ़ रहे हैं और उसकी पूर्ति के लिए उन्हें अतिरिक्त कर देना पड़ रहा है। तीनों अमेरिकी सांसदों ने टैरिफ के विरोध में अपनी व्यक्तिगत राय भी रखी है। जिसमें डेबोरा रॉस कहती हैं कि भारत-अमेरिका की अर्थव्यवस्थाओं के बीच मजबूत संबंध हैं। भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में 100 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया हुआ है, जिससे यहां हमारी जमीन पर रोजगार उत्पन्न होते हैं। 50 फीसदी टैरिफ का असर हमारे रिश्तों पर पड़ेगा। मार्क वीजी ने कहा कि इस अवैध टैरिफ के चलते उनके संसदीय क्षेत्र उत्तरी टेक्सास की जनता पर महंगाई की मार पड़ रही है। कृष्णामूर्ति ने बताया कि इससे सप्लाई चेन में बाधा आ रही है। देश के मजदूरों का जीवन प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के हटने पर अमेरिका-भारत के व्यापक द्विपक्षीय संबंध और रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

ट्रंप के अपने ....

वित्तीय मदद दे रही है। रूस के हमलों में यूक्रेन में कई बेकसूर लोग रोजाना मारे जा रहे हैं। लेकिन भारत इस जंग को जारी रखने के लिए रूस को ईंधन (धन) मुहैया करा रहा है। जिसे देखते हुए हमने उस पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जिसमें रूसी तेल खरीद से जुड़ा 25 फीसदी जुर्माने का भाग भी शामिल है। ट्रंप ने ये भी स्पष्ट किया है कि अगर नई दिल्ली मास्को से पूरी तरह से तेल की खरीद पर रोक लगा देती है तो अमेरिका उस पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ हटा देगा।

पंकज चौधरी उत्तर....

और कुर्मी वोटों को अपने पक्ष में एकजुट रखने के लिए पंकज चौधरी पर दांव लगाया है। अपना दल से गठबंधन करने के बावजूद कुर्मी बाहुल्य सीटों पर लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने ओबीसी समाज से आने वाले पंकज चौधरी को आगे करके सपा के पीडीए फॉर्मूले की काट खोजी है। हालांकि भाजपा के इस सियासी प्रयोग की असल परीक्षा 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में होगी।

भाजपा ने तिरुवनंतपुरम....

पहले तक छह से अधिक वार्डों में जीत हासिल नहीं की थी। पिछले दो स्थानीय निकाय चुनावों में, भाजपा ने सत्ता हासिल करने के लिए जोरदार प्रयास किए थे, लेकिन 2015 में शुरुआती उछाल के बाद, 2020 में इसकी स्थिति लगभग स्थिर रही।

परिचम बंगाल जिस...

के कार्यक्रम के दौरान हुई अराजकता के बाद उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। उन्होंने अव्यवस्था पर खेद व्यक्त करते हुए अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी, उनके प्रशंसकों और खेल प्रेमियों से माफी मांगी। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी तब आई जब भीड़ के खराब प्रबंधन और मेस्सी के संक्षिप्त कार्यक्रम से नाराज प्रशंसकों ने कथित तौर पर स्टेडियम के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ की।

कुप्रबंधन की घटना ....

और स्तब्ध हूँ। मैं हजारों खेल प्रेमियों और प्रशंसकों के साथ स्टेडियम जा रही थी, जो अपने पसंदीदा फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की एक झलक पाने के लिए वहाँ जमा हुए थे। मैं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) आशीष कुमार राय की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन कर रही हूँ, जिसमें मुख्य सचिव और गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सदस्य होंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि समिति घटना की विस्तृत जांच करेगी, जिम्मेदारी तय करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय सुझाएगी। एक बार फिर, मैं सभी खेल प्रेमियों से हार्दिक माफी मांगती हूँ।

लोगों की भावनाओं ....

फैला हुआ है। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के लोगों की भावनाओं पर सीधा हमला किया है और हर फुटबॉल प्रेमी का अपमान किया है। आप जल्द से जल्द जवाबदेही तय करिए और इसकी जिम्मेदार लोगों का इस्तीफ़ा सुनिश्चित करिए।'

ट्रंप पर भारी...

बढ़ाने से अमेरिका की आवश्यक सेवाओं की सूची में शामिल चिकित्सा क्षेत्र जैसे अस्पतालों, सामाजिक क्षेत्र जैसे सार्वजनिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों पर बड़ा जटिल खतरा आ जाएगा। भारत से सालाना करीब तीन लाख से अधिक छात्र इस वीजा के माध्यम से अमेरिका में उच्च-शिक्षा या रोजगार के सिलसिले में जाते हैं। लेकिन वर्तमान समय में वीजा की फीस में अचानक की गई भारी भरकम बढ़ोतरी की वजह से छात्रों और उनके अभिभावकों के माथे पर चिंता की लकीरें साफतौर पर देखी जा सकती हैं। बताते चलें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लिए गए निर्णयों की पूर्व में भी विपक्षी दलों ने तीखी आलोचना की है। लेकिन राष्ट्रपति आपातकालीन शक्तियों से जुड़े अधिनियम का हवाला देते हुए इन्हें क्रियान्वित करने का दम भरते हैं। जबकि न्यायालय में उनका यह फैसला कितना टिकेगा या नहीं। यह तो आने वाले वक्त में ही साफ हो सकेगा।

अमेरिकी कानूनों को....

नियम-कायदों का पालन किया गया। इस दृष्टिकोण से ट्रंप का यह निर्णय संविधान के नजरिए से भी गैर-कानूनी है और इसके जरिए उन्होंने साफतौर पर आव्रजन कानूनों को भी पूरी तरह से दरकिनार कर दिया है।

एच1बी वीजा के ....

लेकर कुल स्वीकृत 4 लाख आवेदनों में से तीन लाख भारतीय हैं। यह सभी इस वक्त अमेरिका में काम कर रहे हैं। भारत में अमेरिका के फैसले से बढ़ते तनाव और असमंजस के बीच वाशिंगटन प्रशासन ने हालिया समय में कहा था कि एच1बी वीजा के संबंध में बढ़ी हुई फीस मौजूदा वीजा धारकों या वीजा नवीनीकरण कराने वाले लोगों पर लागू नहीं होगी। इसे साल में सिर्फ एक बार वीजा आवेदन करने वाले नए आवेदकों से ही वसूला जाएगा।

21 सितंबर से ...

की फीस बढ़ाकर 1 लाख करने की घोषणा की और 21 सितंबर से आने वाले सभी नए आवेदनों पर इस बढ़ी हुई फीस को लागू करने का फरमान सुना दिया। अमेरिकी राज्य मानते हैं कि पहले जहां इस वीजा की फीस 960 से 7 हजार 595 डॉलर तक थी। तब उनके क्षेत्रों में बड़ी तादाद में विदेशों से कुशल कर्मी आते थे। लेकिन अब फीस के 1 लाख तक पहुंचने के बाद सार्वजनिक शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कर्मियों की संख्या में कमी की समस्या को और बढ़ा दिया है।

बच्चे की लंबाई देखकर वसूले थे 180 की जगह 350 रुपए

कानपुर के ब्लू वर्ल्ड थीम पार्क पर 56 हजार रुपए का जुर्माना

एजेंसी ▶▶ कानपुर

यूपी के कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कानपुर के ब्लू वर्ल्ड थीम पार्क में बच्चे की लंबाई के आधार पर पूरा टिकट काटना महंगा पड़ गया। दरअसल 14 अगस्त 2017 को ब्लू वर्ड में 12 साल से कम उम्र की बच्ची का पूरा टिकट काट कर वसूली की गई थी। इसका विरोध करते हुए परिजनों ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया था। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष विनोद कुमार ने संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर को 56,170 रुपये चुकाने का आदेश दिया है।

यह आर्थिक दंड संस्थान के खिलाफ वाद दाखिल होने की तारीख से भुगतान करने की तारीख तक सात फीसदी ब्याज की दर से अदा करना होगा। किदवई नगर थाना क्षेत्र स्थित किदवई निवासी मनीष शर्मा संस्थान के विशेष ऑफर का विज्ञापन देखकर अपनी पत्नी, बेटे और 12 साल से कम उम्र की बेटी के साथ ब्लू वर्ल्ड थीम पार्क घूमने गए थे। उन्होंने बताया कि उस दिन संस्थान के विशेष ऑफर की वजह से फेयरी लैंड वाटर वर्ल्ड का टिकट वयस्क 350 रुपये और बच्चों का 180 रुपये था।

लेकिन संस्थान की तरफ से तीन वयस्क और एक बच्चे का टिकट काटा। एंट्री करते समय 12 साल से कम उम्र की बेटी की लंबाई संस्थान के एक निजी मानक 110 सेंटीमीटर से ज्यादा बताकर उसका भी पूरा टिकट लेने के लिए मजबूर किया गया।

एएसआई को जवाब के लिए समय दिया

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में 30 जनवरी को होगी सुनवाई

एजेंसी ▶▶ मथुरा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट अब 30 जनवरी को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने दोनों पक्षों की तरफ से दायर किए गए संशोधन प्रार्थना पत्रों पर आपत्ति दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, आगरा की जामा मस्जिद सर्वे मामले में एएसआई को भी जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश कुमार सक्सेना की एकल पीठ ने दिया है।शूट नंबर तीन में आगरा की जामा मस्जिद की सर्वे की मांग को लेकर अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने याचिका दायर की है। शुक्रवार को केंद्र सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल शशि प्रकाश सिंह ने एएसआई को जवाब के लिए समय देने की प्रार्थना की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

सुनवाई के दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के अधिवक्ता हरेराम त्रिपाठी ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में शूट नंबर 17 को प्रतिनिधि वाद बनाए जाने के मामले में 16 दिसंबर को सुनवाई है। इसे संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई की तिथि 30 जनवरी 2026 नियत की। वाद संख्या चार में आशुतोष तिवारी ने संशोधन अर्जी दी। वहीं, शाही ईदगाह मस्जिद के संशोधन अर्जी पर वाद संख्या नौ में याची की ओर से अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने आपत्ति दायर की।

धाकड़ किसान, जवान और पहलवानों की धरा है हरियाणा : नायब सिंह सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य उत्सव है, जो युवाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा धाकड़ किसान, जवान और पहलवान की धरा है। यह महोत्सव खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियानों को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करते हुए युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने का जन-आंदोलन बन चुका है। मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहाबाद के एमएम कॉलेज में सांसद खेल महोत्सव के ग्रैंड फिनाले समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने की। उन्होंने सीएम का पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री ने फाइनल मुकाबलों का विधिवत आगाज किया। उन्होंने इस दौरान सिरसा और फतेहबाद की टीम के बीच हुए कबड्डी मैच को भी देखा, तथा खिलाड़ियों से मिलकर उनकी हौंसला अफजाई भी की। सिरसा लोकसभा की 9 विधानसभाओं के 45 हजार खिलाड़ियों ने सांसद खेल महोत्सव के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। इनमें से 3604 खिलाड़ी अलग अलग प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों में शामिल होंगे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव से सिरसा लोकसभा क्षेत्र देश के टॉप-10 लोकसभा क्षेत्रों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार इंसान के अंदर हुनर होने के बाद भी अवसर न मिलने से वह कामयाबी की सीढ़ी नहीं चढ़ पाता। इस बात को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसद खेल स्पर्धा करवाने के निर्देश दिए हैं।

अर्जुन व द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी पहुंचे

इस अवसर पर अर्जुन अवॉर्डी और द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी अखिल कुमार, मनोज कुमार, राज कुमार सांगवान, अनूप सिंह, जय भगवान, अशोक कुमार, सुमित मलिक, सुंदर सिंह, अनूप कुमार, दीपक कुमार, जसबीर सिंह, संदीप नरवाल, साक्षी कुमारी, भीम सिंह, बबीता फौगाट, ओम प्रकाश दहिया, अनूप सिंह, आदि मौजूद रहे। इसके अलावा पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व अन्य मौजूद रहे।

ओलंपिक 2036 में भारत को खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्यः मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 साल पहले हरियाणा में खेलों के लिए एक विजन विकसित किया था। वह विजन था हर बच्चे को खेल से जोडने का, हर गांव में खेल का मैदान बनाने का और हर उस युवा को अवसर देने का, जिसमें खेल के प्रति ललक है।

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता

शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

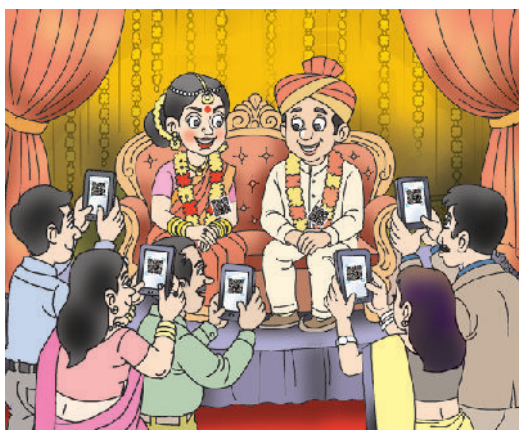

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

खबर संक्षेप

डॉ. मनीषा उपेंद्र कोठेकर बनी एनसीआईएसएम की चेयरपर्सन

भोपाल। एनसीआईएसएम की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार प्रमुख पदों पर नई नियुक्तियां की गई हैं। आईईएस विवि के एडमिन मैनेजर डॉ. पुनीत अजमेरिया और नीमा छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ हरेंद्र सिंह भदौरिया ने भी सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। डॉ भदौरिया ने बताया कि डॉ. मनीषा उपेंद्र कोठेकर को एनसीआईएसएम की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। डॉ भदौरिया ने नई कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए कहा कि एनसीआईएसएम में हुई ये नियुक्तियां पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को वैश्विक मानकों पर ले जाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं।

काचेगुड़ा-मदार स्पेशल ट्रेन 24 दिसंबर से

भोपाल। यात्रियों की बढ़ती मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने काचेगुड़ा, मदार-काचेगुड़ा के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन भोपाल मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशनों इटारसी और भोपाल होकर संचालित होगी। गाड़ी संख्या 07733 काचेगुड़ा-मदार स्पेशल 23 दिसंबर को रात 11.30 बजे काचेगुड़ा से रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन भोपाल रात 11.10 बजे पहुंचेगी। इसके बाद यह तीसरे दिन दोपहर 1.00 बजे मदार स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह भोपाल सुबह 10.10 बजे पहुंचेगी। इसके बाद यह ट्रेन तीसरे दिन सुबह 10 बजे काचेगुड़ा पहुंचेगी।

डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संतोष कुमार सिंह, संजीव जायसवाल और अनिरुद्ध देव को बनाया आरोपी

ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई, अवैध तरीके से बेच दिए 15 बंधक प्लॉट... तीन डायरेक्टरों पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शासन के स्वामित्व में बंधक प्लॉट अवैध रूप से बेचने के मामले में डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के तीन डायरेक्टरों के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने शिकंजा कसा है। जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में ईओडब्ल्यू ने एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

शुरूआती जांच में पता चला कि कंपनी के डायरेक्टरों ने सरकार के आधिपत्य में बंधक रखे भूखंडों को गलत तरीके से बेचकर खुद को फायदा और सरकारी खजाने को हानि पहुंचाई है। इन पर आरोप डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संतोष कुमार सिंह, संजीव जायसवाल और अनिरुद्ध देव को आरोपी बनाया गया है। जांच में कंपनी के कई अन्य संबंधित संदिग्ध व्यक्तियों के नाम भी सामने आए हैं। ईओडब्ल्यू की टीम इनकी भूमिका की जांच कर रही है। जांच बढ़ने के साथ ही आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

ऐसे किया आरोपियों ने फर्जीवाड़ा

ईओडब्ल्यू की जांच में पाया गया कि इंदौर के आइकॉनस लैंडमार्क-1 और आइकॉनस लैंडमार्क-2 प्रोजेक्ट के कुल 249 भूखंड विकास के बदले कॉलोनी सेल, इंदौर में सरकार के पक्ष में बंधक रखे गए थे। नियमों के मुताबिक इन भूखंडों का स्वामित्व कार्यपूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त होने तक सरकार के पास ही रहता है। बिना अनुमति इनके विक्रय पर प्रतिबंध होता है। इसके बावजूद कंपनी के डायरेक्टरों ने कायदों को धता बताते हुए 15 भूखंड बेच दिए। इस दौरान उनके द्वारा बिना किसी सूचना और कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना ही सौदा किया गया। खुलासा होने के बाद धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दस्तावेजों को खंगाल रही एजेंसी

भूखंडों के अवैध रूप से सौदा करने के इस फर्जीवाड़े के खुलासा के बाद अब ईओडब्ल्यू की टीम संबंधित खरीदारों, संदिग्ध दस्तावेजों और सरकारी खजाने को हुए नुकसान का आकलन कर रही है। ईओडब्ल्यू की टीम के मुताबिक जांच में अभी कई और नाम सामने आ सकते हैं। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

लिव इन पार्टनर की हत्या, प्राइवेट पार्ट जलाया, किसी और व्यक्ति के साथ देख प्रेमी ने बेलन से पीटकर मार डाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ धार

धार पुलिस ने धामनोद में महिला की हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। महिला को लिव इन पार्टनर ने ही मौत के घाट उतारा था। उसने महिला को किसी और के साथ आपत्तिजनक हालात में देख लिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। 9 दिसंबर 2025 को धामनोद के पुराने रैदास मोहल्ले में सुनीता उर्फ कुंता का शव मिला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। शुक्रवार को आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसकी बॉडी पर मारपीट, जलने के निशान और प्राइवेट पार्ट पर सूजन पाई गई। उसके हाथ-पैर भी मुड़े हुए थे, जिससे महिला के साथ क्रूरता करने की बात स्पष्ट हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि सुनीता पिछले कई वर्षों से अपने पति से अलग होकर अजय उर्फ रवि चौहान के साथ लिव इन में रह रही थी।

मौके पर ही मौत

पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन अजय काम करके घर लौटा तो सुनीता को एक अन्य व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालात में देखा। अजय को देखकर वह मौके से भाग गया। अजय ने गुस्से में आकर किचन में रखे बेलन से सुनीता के सिर पर कई वार किए। वह जमीन पर गिर गई। अजय ने माचिस से सुनीता के प्राइवेट पार्ट को भी जलाया। ज्यादा खून बहने से सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई।

बल प्रमुख ने संजय टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर को भेजा नोटिस, कहा घटनाएं चिंताजनक

मध्य प्रदेश में अब तक 50 बाघों की मौत, पिछले 25 सालों का टूटा रिकॉर्ड

कई वन्य जीवों की मौत बिजली, सड़क दुर्घटना और रेल के कारण से हुई है

वहीद खान ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश में बाघों की मौत का आंकड़ा पिछले 25 सालों का टूट गया है। मध्य प्रदेश में यह काफी लंबे समय के बाद हुआ है कि 1 साल के भीतर 50 बाघों की मौत हुई है। देश भर में बाघों की मौत के मामले में मध्य प्रदेश नंबर वन हो चुका है। लगातार हो रही बाघ और तेंदुए की मौत के बाद सुरक्षा पर सवाल उठ गए हैं। यही कारण है कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक और बल प्रमुख वी एन अंबाड़े ने संजय डुबरी टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर को नोटिस भेजा है।

मध्य प्रदेश में बाघों और तेंदुओं की लगातार मौत और सुरक्षा के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने अफसर को हड़काया है। अफसर को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि वन एवं वन जीव संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है लेकिन देखने में आया है कि पिछले कई महीनो में बाघ और तेंदुओं की मौत की घटनाएं बढ़ी है। इन घटनाक्रमों में कई वन्य जीवों की मौत बिजली, सड़क दुर्घटना और रेल के कारणों से हुई है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निर्देश जारी करने के बाद भी वन्य जीव संरक्षण के प्रति लापरवाही बढ़ती जा रही है। सभी अधिकारी कर्मचारी वन्य जीव संरक्षण के प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए काम करें। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे और अन्य एजेंसियों से संपर्क स्थापित भविष्य में किया जाए। जैसे कि घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। इस संबंध में कार्य योजना बनाने और अधिकारी कर्मचारी सुरक्षा योजना में जुटे रहे। प्रदेश के टाइगर रिजर्व के अंदर वन्यजीवों की पुख्ता व्यवस्था होने के बावजूद भी बाघ और वन्यजीवों का शिकार हड्डी आदि जब्त होना। यह दुर्भाग्यपूर्ण है इस घटनाओं से अधिकारियों कर्मचारियों की लापरवाही नजर आती है। इसलिए फिर से निर्देश दिए हैं कि विवेचना सभी मामलों में की जाएं। इसके साथ ही कर्मचारियों की लापरवाही की विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मुख्यालय को जानकारी भेजें। वन्य जीव सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही असहनीय होगी।

मध्य प्रदेश में बाघ और तेंदुए की लगातार मौत और सुरक्षा के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने अफसर को हड़काया

सांकेतिक चित्र।

दोषी अफसर पर कार्रवाई की मांग- दुबे

हमारी मांग पहले से ही यह रही है कि बाघों की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो। उनके सुरक्षा के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं लेकिन फिर भी मौत हो रही है शिकार हो रहे हैं। इस पर ध्यान देने की जरूरत है अफसर के खिलाफ जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

अभी नोटिस भेजा है आगे कार्रवाई भी करूंगा: बल प्रमुख

प्रदेश भर में बाघों की मौत यह चिंता की बात है। इसलिए सभी मुख्य वन संरक्षक को निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा संजय टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर को नोटिस भेज कर जवाब मांगा गया है। लगातार प्रदेश भर में बाघों की मौत यह विभाग के लिए चिंता का विषय है। यही कारण है कि अफसर के खिलाफ अभी तो नोटिस जारी की है और आगे कार्रवाई की जाएगी।
- वीएन अंबाड़े, पीसीसीएफ (हाफ)

पीएम मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे, समारोह के लिए तैयारियां शुरू

भोपाल मेट्रो का लोकार्पण 20 को मिंटो हाल में होगा आयोजन

एम्स से सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन तक दौड़ेगी मेट्रो, बाहरी कामों को तेजी से पूरा करने में जुटा हुआ है अमला

मेट्रो प्रशासन ने कार्यक्रम को दिया अंतिम रूप, मेट्रो स्टेशनों को यात्रियों के लिए किया जा रहा है चकाचक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल मेट्रो का लोकार्पण अब 21 के बजाए 20 दिसंबर को होगा। शुक्रवार को मप्र मेट्रो ने भोपाल में मेट्रो के लोकार्पण की तारीख की घोषणा कर दी। लोकार्पण कार्यक्रम शहर के मिंटो हाल में होगा जहां केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ेंगें। इसी दिन में राजधानी में मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा। मेट्रो प्रशासन का कहना है कि 20 दिसंबर को मिंटो हाल में दिनभर कार्यक्रम चलेंगे। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं।

लंबे समय से मेट्रो के संचालन का इंतजार कर रहे लोगों को अब 20 दिसंबर से मेट्रो में यात्रा करने का मौका मिलेगा। मेट्रो प्रशासन ने उक्त तारीख की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक एस कृष्ण चैतन्य ने बताया कि 20 दिसंबर को भोपाल मेट्रो का लोकार्पण किया जाएगा। लोकार्पण समारोह मिंटो हाल में होगा।

सिक्योरिटी व अन्य स्टॉफ तैनात कर दिया गया

मेट्रो के जिन स्टेशनों पर बाहरी और कुछ निर्माण कार्य चल रहे हैं उन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके लिए अमला 24 घंटे काम कर रहा है। जबकि सिक्योरिटी व अन्य स्टॉफ तैनात कर दिया गया है।

यह प्रोजेक्ट अगले 100 वर्षों की आवश्यकता

मेट्रो प्रबंधन सोमवार को पूरे आपरेशन से जुड़ी विस्तृत जानकारी जारी करेगा, जिसमें संचालन समय, किराया व अन्य यात्रियों से संबंधित विवरण शामिल होगा। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट अगले 100 वर्षों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

एग्जिट टेस्ट का विरोध: छात्रों ने कहा

एमबीबीएस छात्रों की तरह वर्ष 28-29 के बाद किया जाए लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शैक्षणिक सत्र 2021-22 बैच से नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) लागू करने के आदेश का मध्यप्रदेश समेत देशभर में आयुष छात्र विरोध में आए गए है। आयुष छात्रों का कहना है कि एमबीबीएस छात्रों की तरह वर्ष 2028-29 के बाद इस आदेश को लागू किया जाए। बता दें कि भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा आयुष विभाग, प्रिसिंपल सेक्रेटरी, वीसी, डायरेक्टर, डीन, रजिस्ट्रार व अन्य संबंधित अथॉर्टीज को पत्र भेजकर सूचित किया कि शैक्षणिक सत्र 2021-22 बैच के छात्रों से नेशनल एग्जिट टेस्ट लागू होगा और इनकी संभावित परीक्षा मार्च 2027 में होगी। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि एनसीआईएसएम को एनएमसी की तरह आयुष छात्रों हेतु फिलहॉल नेशनल एग्जिट टेस्ट परीक्षा को स्थगित कर देना चाहिए। छात्रों के हित को देखते हुए एनसीआईएसएम उनकी मांगों को जरूर मानेगी।

प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि आयुष मेडिकल एसोसिएशन व निजी आयुर्वेद महाविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन नईदिल्ली, केंद्रीय आयुष मंत्री के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बीएएमएस आयुर्वेद, बीयूएमएस यूनानी, बीएसएमएस सिद्धा व सोवा-रिग्पा स्नातक आयुष छात्रों के लिए फिलहाल नेशनल एग्जिट टेस्ट स्थगित करने की मांग की है।

25 दिसंबर तक कराना होगा रजिस्ट्रेशन

प्राथमिक शिक्षकों को ब्रिज कोर्स करना होगा अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील और उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित आदेशों के क्रम में प्राथमिक शिक्षक पात्र परीक्षा वर्ष 2020 के परिणाम के आधार पर नियुक्त बीएड योग्यताधारी प्राथमिक शिक्षकों के लिए नेशनल ओपन स्कूल (एनआईओएस) द्वारा ब्रिज कोर्स की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इसकी सूचना जारी करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने कहा है कि संबंधित शिक्षक 25 दिसम्बर 2025 तक एनआईओएस के पोर्टल पर समय-सीमा में रजिस्ट्रेशन न कराने वाले अथवा निर्धारित समय-सीमा में ब्रिज कोर्स उत्तीर्ण न करने वाले प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुसार जारी नहीं रखी जा सकेंगी।

शिक्षक भर्ती: 17 तक दस्तावेज करने होंगे अपलोड

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित माध्यमिक शिक्षक विषय खेल, गायन, वादन तथा प्राथमिक शिक्षक खेल, गायन, वादन, नृत्य चयन परीक्षा वर्ष 2024 के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने सूचना जारी की है। जिसमें बताया गया है कि परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों में से जिन अभ्यर्थियों ने अब तक दस्तावेज अपलोड नहीं किये हैं। उक्त शिक्षक 16 एवं 17 दिसम्बर 2025 को पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन कर दस्तावेज अपलोड करने के लिए कहा गया है। अभ्यर्थी 18 दिसम्बर को उनके द्वारा चयनित जिलों में दस्तावेज सत्यापन के लिए उपस्थित होकर दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे।

एलन में नए सत्र के एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसम्बर को

नई दिल्ली। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में सत्र 2026-27 में होने वाली इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नए सत्र में कोटा सहित देशभर के सभी केन्द्रों पर एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसम्बर को होगा। प्रवेश व प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित किया जाने वाला एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (ए-सेट) देशभर में निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित होगा। परीक्षा में शामिल होकर स्टूडेंट्स एलन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉरलशिप प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। अगला नेशनल एसेट 4 जनवरी को होगा।एलन की ओर से इस एसेट में शामिल होकर एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को दोहरा लाभ दिया जा रहा है, जो स्टूडेंट्स 21 दिसम्बर को एसेट में शामिल होकर एडमिशन

लेते हैं, उन्हें स्कॉलरशिप के साथ रियायती फीस पर प्रवेश का मौका मिलेगा। जेईई और नीट के बैच आगामी महीनों में शुरू होने जा रहे हैं। ए-सेट के माध्यम से हर स्ट्रीम का स्टूडेंट स्वयं का असेसमेंट कर सकता है। यह पेपर साइंटिफिक, अकेडमिक व साइक्लोजिकल असेसमेंट के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें बेस सब्जेक्ट व आइक्यू के प्रश्न होते हैं। पेपर के सांइटिफिक असेसमेंट के आधार पर स्टूडेंट को एलन द्वारा स्कॉलरशिप ऑफर की जाती है। उल्लेखनीय है कि इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए देश के ख्यातनाम संस्थान एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर परिणाम दे रहा है। जेईई-एडवांस्ड व जेईई-मेन हो या मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी दोनों परीक्षाओं में एलन के परिणाम क्वालिटी और क्वांटिटि दोनों में देश में सर्वाधिक रहे हैं।

दीपक टंडन पर गंभीर आर्थिक आरोप

रायपुर। डीएसपी कल्पना वर्मा पर गंभीर आरोप लगाने वाले कारोबारी दीपक टंडन के खिलाफ अब कानूनी शिकंजा कसता नजर आ रहा है। जानकारी के मुताबिक कोरबा जिले की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कटघोरा, जिला कोरबा कु. रंजू वैष्णव की कोर्ट ने दीपक टंडन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उन पर लगभग 28 लाख (28,00,000) रुपए के धोखाधड़ी (फ्रॉड) का आरोप है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी दीपक टंडन को 12 दिसंबर को कोर्ट में पेश होना था। बताया जा रहा है कि पेशी के लिए नोटिस जारी किए जाने के बावजूद उनके उपस्थित न होने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। बताया जाता है कि दीपक टंडन पर कोरबा निवासी फरियादी ने 28 लाख रुपए की आर्थिक धोखाधड़ी का आरोप लगाया है, जिसके संबंध में मामला न्यायालय में लंबित है। लगातार अनुपस्थित रहने और जांच में सहयोग न करने के चलते वारंट जारी किया गया।

24 दिसंबर से 5 जनवरी तक ट्रेनों में थर्ड और सेकंड एसी तक वेटिंग

नया साल के जश्न के लिए भोपाल सहित मप्र के लोगों की अयोध्या पहली पसंद

अयोध्या, मथुरा, वैष्णो देवी, वाराणसी, गोवा, मुंबई और जम्मू-कश्मीर जाने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

इस बार क्रिसमस की छुट्टियां व नए साल में घूमने जाने वाले या फिर वापस आने वालों को ट्रेन की लंबी वेटिंग से दो-चार होना पड़ सकता है। जिन पैसेंजर ने 2 महीने पहले रिजर्वेशन कराया था, उनकी वेटिंग भी कंफर्म होना मुश्किल है।

दरअसल 24 दिसंबर से 5 जनवरी तक ट्रेनों के स्लीपर कोच से लेकर थर्ड और सेकंड एसी तक लंबी वेटिंग है। लंबी वेटिंग को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने कुछ रूटों पर स्पेशल ट्रेन चलाने व अतीरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है, लेकिन यात्रियों को इन ट्रेनों में सफर के लिए अधिक किराया चुकाना पड़ेगा। इस साल सबसे अधिक धार्मिक स्थालों पर जाना लोग पसंद कर रहे हैं। इसके चलते वैष्णो देवी, अयोध्या, मथुरा आदि धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट अधिक देखने को मिल रही है।

अब तक 11 लोगों ने अयोध्या जाने के लिए कराई टैक्सी बुक

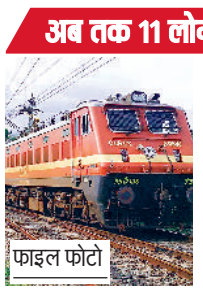

फाइल फोटो

नए साल की आहट के साथ ही स्वागत एवं जश्न की जोरशोर से तैयारी शुरू हो गई है। ट्रैवल्स कंपनियों के संचालक वीएस बघेल ने बताया कि इस बार सबसे अधिक अयोध्या जाने के लिए लोग टैक्सी बुक करा रहे हैं। कुछ लोग मथुरा व खाटू श्याम के लिए बुकिंग करा रहे हैं। अभी तक 17 लोगों ने टैक्सी के लिए बुकिंग कराई है। जिसमें सबसे अधिक 11 लोगों ने अयोध्या, 5 लोगों ने मथुरा व दो लोगों ने खाटूश्याम के लिए बुकिंग की है। यह संख्या ओर बढ़ सकती है।

भोपाल से चेन्नई

भोपाल से 12 ट्रेनें दक्षिण भारत जाती हैं। इनमें 24 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच सीट उपलब्ध नहीं है। इन ट्रेनों में स्लीपर में 38, थर्ड एसी में 28 और सेकंड एसी में 17 वेटिंग है।

भोपाल से गोवा

गोवा जाने के लिए भोपाल से सीधी दो ट्रेन गोवा एक्सप्रेस व मंगला एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग की स्थिति देखने को मिल रही है।

ट्रेनों में वेटिंग के हालात

नए साल के जश्न के लिए अयोध्या जाने वाली तुलसी एक्सप्रेस में 30 दिसंबर से 7 जनवरी के बीच 90 के आस-पास वेटिंग लिस्ट देखने को मिल रही है। इसी तरह गोरखपुर यशवंतपुर एक्सप्रेस इस बीच करीब 74 से अधिक की वेटिंग देखने को मिल रही है। वैष्णोदेवी, जम्मू कश्मीर जाने वाली मालवा एक्सप्रेस में 110 के ऊपर वेटिंग लिस्ट देखने को मिल रही है। इसी तरह भोपाल से मुंबई रूट पर भोपाल से जाने वाली लगभग सभी ट्रेनों में 24 दिसंबर से 5 जनवरी तक 56 से लेकर 180 तक वेटिंग है। भोपाल से मुंबई जाने वाली ट्रेनों के थर्ड एसी में वेटिंग 50 से 75 और सेकंड एसी में 30 से 45 तक है।

सुकमा में एंबुलेंस के इंतजार में युवक ने तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिले के जगरगुंडा इलाके में एम्बुलेंस की अनुपलब्धता के कारण एक युवक की मौत हो गई।

इसके बाद शव को ले जाने के लिए भी एम्बुलेंस नहीं मिलने पर परिजन खाट पर शव ले जाने को मजबूर हुए। घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर कर दिया है।

क्या है पूरा मामला

जगरगुंडा क्षेत्र में रहने वाले युवक बारसे रामेश्वरम (40) की तबीयत खराब थी। परिजनों ने एम्बुलेंस के लिए कई बार फोन किया, लेकिन घंटों बीतने के बाद भी एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके बाद परिजन युवक को दोपहिया वाहन से इलाज के लिए अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। यपरिजनों ने शव ले जाने के लिए फिर एम्बुलेंस की मांग की, लेकिन अवकाश का हवाला देते हुए एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई।

घाट पर ले गए शव

अंततः परिजन मजबूर होकर खाट पर शव को घर ले गए। यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित जगरगुंडा अस्पताल क्षेत्र की है। जगरगुंडा अस्पताल से छह किलोमीटर दूर चिमलिपेंटा गांव में युवक रहता था। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं, लेकिन स्थानीय और जिला स्तर पर अधिकारियों की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को इस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भारतवर्ष अपने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। बंकिम चंद्र चटर्जी (चट्टोपाध्याय) द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है। आज़ादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए यह गीत संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन इतने दशकों के बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी। उधर, कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलंबियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। अच्छा होगा, अगर इस को धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

'वंदे मातरम्' पर विपक्ष का प्रवंचना भाव

विश्लेषण

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतवर्ष वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद कराया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् केवल शब्द भर नहीं हैं बल्कि इसमें राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास, कला, साहित्य और ज्ञान-विज्ञान का वह भाव समाहित है जो भारत राष्ट्र की निरंतरता और चेतना को उद्घाटित करता है। इसके प्रकटीकरण से राष्ट्र की गरिमा और गौरव में वृद्धि होती है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है।

चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद करवाया।

राष्ट्रीय एकता का भाव

यह गीत अपने आगोश में संपूर्ण भारत की विविधता और विशेषता को समेटे हुए है। इसमें मातृभूमि के प्रति अनुरक्ति, समर्पण और उदात्त भावनाएं निहित हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि वंदे मातरम् का विरोध करते हुए आज फिर वहीं लोग दिख रहे हैं जिन्होंने सत्ता-सिंहासन पर आसीन रहते हुए गीत के कुछ हिस्सों, खासकर मां दुर्गा की स्तुति करने वाले छंदों को काट-छांटकर राष्ट्रीय एकता के भाव को नष्ट-विनष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पं. जवाहरलाल नेहरु ने सुभाषचंद्र बोस को लिखे एक पत्र में कहा था कि वंदेमातरम् के कुछ छंद मुसलमानों को नाराज कर सकते हैं। नतीजा यह हुआ कि वंदेमातरम् गीत के सिर्फ पहले के दो छंदों को ही अपनाया गया। आज अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पार्टी पर इस गीत को टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप लगा रहे हैं तो उचित ही है। शास्त्रों में माता और मातृभमि को सर्वोपरि माना गया है। कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी' यानी माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। वंदे मातरम् में यही भाव निहित है। वंदेमातरम गीत के इतिहास में जाएं तो 7 नवंबर 1875 को बंगाल के कांतल पाड़ा गांव में बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस वंदेमातरम गीत की रचना की। मूल रूप से वंदे मातरम् के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे और शेष गीत बांग्ला में। दिसंबर 1905 में कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया गया और बंगाल विभाजन के समय यह गीत राष्ट्रीय नारा बन गया।

जिन्ना ने किया था विरोध

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रविंद्र नाथ टैगोर ने इसका संशोधित रूप प्रस्तुत किया। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा इस्लाम की भावना के विरुद्ध बताकर वंदे मातरम् गीत का विरोध किया, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरु, सुभाषचंद्र बोस, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद और आचार्य नरेंद्र देव की समिति ने 28 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पेश अपनी रिपोर्ट में इस राष्ट्रगीत के दो पहले पैराग्राफ को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकृति दे दी। 1936 में भी महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् गीत के बारे में कहा कि-'कवि ने हमारी मातृभूमि के लिए जो अनेक सार्थक विशेषण प्रयुक्त किए हैं, वे एकदम अनुकूल हैं, इनका कोई सानी नहीं है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन विशेषणों को यथार्थ में बदलें। मुझे कभी ख्याल नहीं आया कि यह गीत सिर्फ हिंदुओं के लिए रचा गया है।' यहां ध्यान देना होगा कि 1906 से 1911 तक यह गीत पूरा गाया जाता था। इस गीत में वह ताकत थी कि ब्रिटिश हुकूमत को बंगाल विभाजन का फरमान वापस लेना पड़ा। क्रांतिकारियों ने इस वंदे मातरम् आदर्श नारे को अपने संस्कार में ढाला और गीत के जरिए आजादी की जंग को गति देकर भारतीय जनमानस में जागृति पैदा की।

हर देश में राष्ट्रगीत का गायन

लोगों को लामबंद किया और ब्रिटिश राजसत्ता को उखाड़ फेंका। भगत सिंह, मदनलाल ढींगरा, राजगुरु और बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् की आवाज लगाकर फांसी के फंदे को चूम लिया। गौर करें तो भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर देश में राष्ट्रगीत का गायन होता है। इस्लामी देशों में भी राष्ट्रगीत को समादर प्राप्त है और वह मातृभूमि को समर्पित है। अरबी में मातृभूमि को मादर-ए-वतन कहा जाता है जिसका मतलब मां से है। फारसी में मातृभूमि की उपमा मां से की गयी है। यमन के राष्ट्रगीत में झरनों की तुलना मां के दूध से की गई है। मिश्र के राष्ट्रगीत में मातृभूमि की तुलना मां से की गयी है। इसी तरह मलेशिया, सूडान, अरब, जार्डन सभी देशों में राष्ट्रगीत की परंपरा है और उसे किसी न किसी रूप में मातृभूमि और मां से जोड़ा गया है, तो क्या यह समझा जाए कि ये मुस्लिम देश इस्लाम की भावना का अनादर कर रहे हैं? बिल्कुल ही नहीं। फिर आज वंदे मातरम् के 150 वर्ष के जश्न पर ऐतराज और काली सियासत क्यों? क्यों न माना जाए कि कुछ मुठ्ठी भर लोग वंदे मातरम् गीत पर सवाल खड़ा करके क्रांतिकारियों का अपमान कर रहे हैं? उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् गीत राष्ट्रीयता का स्वर है। साथ ही क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी।

राजनीतिक संकीर्णता का दायरा

इस गीत का विरोध आजादी के दिवानों का विरोध है। साथ ही राष्ट्रीयता की भावना पर कुठाराघात भी। यह ठीक नहीं है कि कुछ सियासी दल और तथाकथित संगठन अपने राजनीतिक फायदे के लिए वंदे मातरम् गीत को राजनीतिक संकीर्णता के दायरे में रखकर इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ प्रचारित कर रहे हैं। भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? उचित होगा कि वे संकीर्णताओं के केंचूल से बाहर निकलकर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् पर काली सियासत न करें। सामाजिक वातावरण विषाक्त बनता है। गत वर्ष पहले मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार ने भी वंदे मातरम् के गायन पर पाबंदी थोप दी थी लेकिन जब इस निर्णय की आलोचना हुई तब यू-टर्न लेते हुए फैसला लिया गया कि हर महीने के पहले कार्य दिवस पर पुलिस बैंड की धुनों पर वंदे मातरम् गाया जाएगा। गत वर्ष जब मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को तमिलनाडु के स्कूलों में सप्ताह में दो बार गायन को अनिवार्य किया, तब भी कुछ सियासी दलों ने हायतौबा मचाना शुरू किया था। इसे मजहबी फ्रेम में फिट कर इस्लाम की भावना के विरुद्ध सियासी शोर में बदलने की कोशिश की गई। आज की तारीख में भी कुछ ऐसा ही उपक्रम देखने को मिल रहा है।

राष्ट्रीय गीत पर क्यों हो रही राजनीति

विवाद

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

वंदे मातरम को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। यह वही गीत है, जो आजादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन 150 वर्ष बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। बीते महीने सात नवंबर को 'वंदे मातरम्' गीत के 150 साल पूरे होने पर दिल्ली में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने इस गीत के साथ तोड़-मरोड़ की। उन्होंने कहा कि 1937 में नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने मूल 'वंदे मातरम्' गीत से महत्वपूर्ण पद हटा दिए थे। 'वंदे मातरम्' को टुकड़ों में तोड़ दिया गया। इसने विभाजन के बीज भी बो दिए। यह अन्याय क्यों किया गया? वही विभाजनकारी विचारधारा आज भी राष्ट्र के लिए एक चुनौती बनी हुई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य करने का ऐलान कर मामले को और तूल दे दिया है। गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ये घोषणा की और कहा कि कोई भी धर्म राष्ट्र से ऊपर नहीं है। योगी आदित्यनाथ की घोषणा पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तो आ ही रही हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् गीत के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, उसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बहरहाल, संसद के दोनों सदनों में भी इस राष्ट्रगीत पर लंबी-चौड़ी चर्चा हुई। लोकसभा में पीएम मोदी ने इस दौरान कई दावे किए। उन्होंने इस चर्चा के दौरान महात्मा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र किया। पीएम मोदी ने सवाल किया कि जब बापू को वंदे मातरम् नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ? उन्होंने कांग्रेस पर सामाजिक समरसता की आड़ में इस गीत को तोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि वह अभी भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। वहीं विपक्ष ने स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। हालांकि, विपक्ष ने कहा है कि सरकार पश्चिम बंगाल चुनाव के मद्देनजर वंदे मातरम् को मुद्दा बनाना चाहती है और इसके छंदों को हटाने पर राजनीति कर रही है। अहम सवाल यह है कि डेढ़ सौ साल पुराने इस मुद्दे को अचानक राजनीति और विवाद को केंद्र में लाने के पीछे वजह क्या है, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हैं। बीजेपी इस चुनाव में किसी भी तरह जीत हासिल करना चाहती है। इससे पार्टी को उम्मीद है कि वह तृणमूल कांग्रेस को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सवाल पर घेर सकेगी। वहीं, कांग्रेस, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसी विपक्षी पार्टियां इस बहस में आरएसएस की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े कुछ नेताओं के राष्ट्रीय प्रतीकों पर पुराने बयानों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपी सांस्कृतिक प्रतीकों का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है ताकि मौजूदा आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। साफ है, 1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है। एक नारा, एक गीत, एक इतिहास का पन्ना और फिर उसे वोट की शक्ल दे दी जाती है। प्रधानमंत्री जब कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं और विपक्ष जब सत्ता पक्ष पर इतिहास के अपहरण का आरोप लगाता है, तो आम आदमी कहीं बीच में खड़ा रह जाता है। एक साधारण नागरिक यही सोचता है कि क्या यह बहस उसकी महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और हवाई टिकट की कीमतें कम कर देगी। एक तरफ़ हम अतीत के गौरव में खड़े होकर ताली बजा रहे हैं, दूसरी तरफ वर्तमान की परेशानी दरवाजे पर खड़ी है। राजनीति अक्सर यही करती है। वह भावनाओं की रोशनी में हकीकत की छाया को ढक देती है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या हम आज भी इस संविधान की भावना के अनुकूल देश की दशा और दिशा तय कर रहे हैं या नहीं? दरअसल, वंदे मातरम पर संसद की बहस हमें किसी एक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाती है, बल्कि कई सवालों के बीच खड़ा कर देती है।

1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है।

संसद में राजनीतिक विवाद दुर्भाग्यपूर्ण

मुद्दा

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। आम भारतीय को उम्मीद नहीं थी कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का भावपूर्ण पवित्र अवसर भी राजनीतिक विवाद, तनाव तथा आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन जाएगा।

इसका सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष रहा संसद के अंदर विपक्ष द्वारा एक स्वर में वंदे मातरम् का स्वागत नहीं किया जाना। विपक्ष के नाते सरकार का मुद्दों पर विरोध का अर्थ यह नहीं है कि महान और पवित्र अवसर को भी राजनीतिक तू तू, मैं मैं बदल दिया जाए। यह सही है कि मुख्य विपक्षी पार्टी के नेताओं ने सीधे वंदे मातरम् को गलत नहीं बताया , किंतु भारत भक्ति भाव के रूप में समान रूप से सबके अंदर विद्यमान हो और यह राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्प और प्रतिबद्धता घनिभूत का अवसर बन जाए, इसका रंच मात्र भी संदेश नहीं दिया गया। 7 नवंबर, 1875 को महान बांग्ला साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने यह गीत लिखा था। इस तरह 150 साल 7 नवंबर, 2025 को पूरे हुए। यह सच है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार नहीं होती तो इसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाता। यह भी सच्चाई है कि इसे राष्ट्रगीत स्वीकार करते हुए भी संसद में गाने की परंपरा नहीं शुरू की गई। 1992 में भाजपा के लालकृष्ण आडवाणी तथा राम नायक ने यह मुद्दा उठाया और संसद में वंदे मातरम् का गान शुरू हो सका। बावजूद जबसे लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा? लोकसभा में चर्चा की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दृष्टि से सारे तथ्य रखे तो राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने। दोनों के वक्तव्य का मूल यही था कि यह भावगीत अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष और दासता से मुक्ति तक ही प्रासंगिक नहीं था यह सदा के लिए है , जो भारत के लिए जीने व काम करने की प्रेरणा देता रहेगा। 7 नवंबर , 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 वर्ष तक चलने वाले समारोहों की भव्य शुरुआत हुई। विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर गीत, हर काव्य का अपना एक मूल भाव होता है, मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव है- भारत, मां भारती। लोकसभा में भी उनका स्वर यही था। अमित शाह ने इसे स्वतंत्रता, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का सबसे शक्तिशाली जय घोष बताया। इस गीत को विवादास्पद या किसी एक धर्म का बताने वाले कुछ तथ्यों का ध्यान रखें- 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे गाया था, 1905 में बंगाल में विभाजन विरोधी और स्वदेशी आंदोलन के दौरान वंदे मातरम् विरोध का मुख्य सुर बना, 7 अगस्त , 1905 को वंदे मातरम् नारे के रूप में गाया गया था, 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने विदेश में वंदे मातरम लिखा ध्वज ही फहराया था। कांग्रेस के वाराणसी अधिवेशन में वंदे मातरम् गीत को पूरे भारत समारोहों के लिए अपनाया गया, 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गीत के तौर पर स्वीकार किया गया।

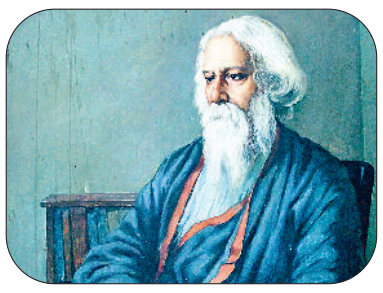

संसद में जब से लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा?

यह अंग्रेजी शासन के विरोध का सबसे बड़ा भावनात्मक गीत बन गया था। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध उठने वाले हर विरोध और आंदोलन में वंदे मातरम् गूंजने लगा। प्रश्न है कि क्या वंदे मातरम् जिसने हजारों भारतवासियों, जिनमें हंसते-हंसते बलिदान होने वाले क्रांतिकारी भी थे,को प्रेरित किया, उसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाना चाहिए? क्या इसलिए नहीं मनाया जाना चाहिए कि अगले वर्ष बंगाल के साथ कुछ राज्यों के चुनाव हैं? इससे दिल दहलाने वाला कुतर्क कुछ नहीं हो सकता। 7 नवंबर, 2025 को पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् के गायन से जो भाव पैदा हुआ और जिस तरह पूरे देश में वंदे मातरम् अभियान चला है, उससे उम्मीद जगती है कि भारत के लिए जीने और काम करने का भाव ही ज्यादा प्रबल होगा और विरोधी कमजोर पड़ेंगे।

वंदे मातरम् को क्रान्ति गीत ही रहने दीजिए

मंथन

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले लिखा गया 'वंदे मातरम्' एक अद्भुत राष्ट्रीय गीत है। कुल छह छन्दों वाले इस संस्कृतनिष्ठ बांग्ला भाषा के गीत के पहले दो छंद तो खासकर बहुत ही मनमोहक और हृदयंगम हैं और इन्हें ही राष्ट्रगीत के रूप में लिया गया है। भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा इस गीत के खंडित व सम्पूर्ण स्वरूप को लेकर इन दिनों सड़क से संसद तक बहस चलाई जा रही है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत की मान्यता दी। कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलम्बियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। इस गीत के रचयिता बंकिमचन्द्र चटर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के पहले स्नातक थे और पहले हिन्दुस्तानी थे जिन्हें इंग्लैंड की महारानी ने भारतीय उपनिवेश में सन् 1858 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया था। चटर्जी अच्छे लेखक और कवि थे। उनका लिखा यह गीत मानों जनता के विरोध का क्रांति गीत ही बन गया। बंगाल में इसकी लोकप्रियता को देखकर ही शायद उस समय कांग्रेस व अन्य स्वाधीनता संग्राम संगठनों ने भी इसे अपनाना शुरू किया। इस गीत के पहले दो छंद जो राष्ट्रगीत में लिए गए, वे सार्वभौमिक व सर्वकालिक हैं और संस्कृत में हैं तथा शेष रचना बांग्ला भाषा में है और भारतीय देवी मां दुर्गा की स्तुति में है। इसी वजह से देश के अन्य धर्मावलम्बियों द्वारा इसे सम्पूर्ण रूप में राष्ट्रगीत स्वीकार करने से इनकार किया जाता रहा है। भाजपा आज इस गीत को पूर्ण स्वरूप में लागू किए जाने की वकालत कर रही है तो अन्य लोग संविधान के पंथनिरपेक्षता का हवाला दे रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने सदन में कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना 'भारत माता' से नहीं बल्कि 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है। उन्होंने तर्क दिया कि बाबा साहेब ने तो भारत माता के विचार को ही खारिज कर दिया था। देखा जाए तो हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिहाज से यह पूरा गीत ही बहुत मनोहर और देवी स्तुति के स्तर का है। दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान हैं तथा तमाम अवसरों पर गाए जाते हैं लेकिन उनके गायन के पीछे स्वतःस्फूर्त का भाव होता है, जबर्दस्ती का नहीं। 'वंदे मातरम्' को लेकर धर्म, क्षेत्रीयता और वैचारिकता को उभारने के बजाए अगर इतने सुन्दर गीत के मर्म को समझा जाए तो इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर तथा ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है। अच्छा होगा, अगर इसे धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए।

इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर, ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है।

'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की अखण्ड गूंज

ऐतिहासिक पर्व

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ पत्रकार

राहुल बाबा सरीखे 'वंदे मातरम्' विरोधियों के लिए कुछेक तथ्य जानना आवश्यक है। वरना खतरा तो यह भी है कि किसी दिन अपने मोदी-विरोध की लहर में यह भी भूल जाएं कि वंदे मातरम् पहली बार 1896 में कांग्रेस के ही कलकत्ता अधिवेशन (अब कोलकाता) में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 7 अगस्त, 1905 में एक राजनीतिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में गाया था, तब वह कटा-फटा भी नहीं था। पूरा गीत था, जिसे बंकिम बाबू ने अपने चर्चित उपन्यास आनंद मठ में दिया था। वर्ष 1947 में पंडित ओंकार नाथ ठाकुर ने गाया था। समय की अनंत और अविराम धारा में कुछ तिथियां केवल पंचांग के पन्ने नहीं होतीं, वे किसी राष्ट्र की चेतना का 'प्रस्थान बिंदु' बन जाती हैं। 7 नवंबर 1875 एक ऐसी ही ऐतिहासिक तारीख थी, जब बंगाल के एक शांत कोने में ऋषि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से स्याही नहीं बल्कि भारत की आत्मा टपकी थी। उस दिन जिस गीत- 'वंदे मातरम्' का जन्म हुआ, आज वर्ष 2025 में हम उसी महामंत्र के 150 वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक पर्व मना रहे हैं। यह उत्सव केवल एक गीत की रचना का नहीं है, यह उस 'नाद-ब्रह्म' का उत्सव है जिसने एक सोए हुए उपमहाद्वीप को राष्ट्र के रूप में जगा दिया। यह पर्व उन शब्दों का है जिन्होंने बिना किसी शस्त्र के ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। यह उस दौर का गीत है, जब भारत गुलामी के गहन अंधकार में डूबा था। निराशा के उस वातावरण में, बंकिम बाबू ने जब अपनी मातृभूमि को देखा तो उन्हें वहां केवल मिट्टी, नदियां या पहाड़ नहीं दिखे। उन्हें वहां साक्षात् 'जगद्धात्री' मां के दर्शन हुए। उन्होंने देखा- सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम'। यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया लेकिन नियति ने इसके लिए इससे भी बड़ा मंच और व्यापक आकाश तैयार कर रखा था। वर्ष 1905 में जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल के सीने पर आरी चलाने का दुस्साहस किया तो प्रतिरोध की उस ज्वाला में 'वंदे मातरम्' घी बनकर गिरा। देखते ही देखते यह दो शब्दों का संबोधन, एक विराट जन-आंदोलन में बदल गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने जब इसे सुरों में पिरोया, तो इसकी गूंज कलकत्ता की गलियों से निकलकर लाहौर, पुणे और मद्रास तक जा पहुंची। यह वह दौर था जब 'वंदे मातरम' बोलना राजद्रोह था, लेकिन भारतवासियों के लिए यह 'राष्ट्रधर्म' बन चुका था। स्वतंत्रता की वेदी पर चढ़ने वाले अनगिनत परवानों के लिए यह गीत 'गीता' के श्लोकों जैसा पवित्र था। खुदीराम बोस, मदनलाल ढींगरा, रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे वीरों ने जब फांसी के फंदे को गले लगाया तो अंतिम सांस के साथ जो शब्द वायुमंडल में विलीन हुए, वे 'वंदे मातरम्' ही थे। यह गीत उस समय भय से मुक्ति का पर्याय बन गया था। इसने भारतीयों को सिखाया कि अपनी जननी जन्मभूमि की आराधना करना कोई अपराध नहीं बल्कि सर्वोच्च मानवीय कर्तव्य है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकारते हुए स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने इस गीत को वही सम्मान दिया जो राष्ट्रगान 'जन गण मन' को प्राप्त है। 150 वर्षों का यह सफर गवाह है कि सरकारें बदलती रहीं, नीतियां बनती-बिगड़ती रहीं लेकिन 'वंदे मातरम्' का ओज कभी कम नहीं हुआ। शिया धर्म गुरु यासूब अब्बास कहते हैं कि वंदे मातरम् का विरोध सिर्फ जहालियत है। इसमें कहीं भी मातृभूमि की पूजा करने की बात नहीं कही गई है। उस धरती के प्रति सम्मान की बात है, जहां हम पैदा हुए हैं, जहां हमें वापस जाकर मिल जाना है। वे अपनी बात को और आगे बढ़ाते हुए इस्लाम की चर्चा करते हैं और कहते हैं कि इस्लाम में अल्लाह के सामने झुकने की बात कही गई है, यह सच है और हर मुसलमान को ऐसा करना भी चाहिए। इस्लाम बिल्कुल ऐसा नहीं कहता कि आप किसी का सम्मान न करें। सम्मान का मतलब पूजा नहीं है। वंदे मातरम् का सीधा अर्थ मां का सम्मान है, और कुछ भी नहीं। मुस्लिम स्कॉलर नासिरुद्दीन हैदर खान की मानें तो यह मामला नासमझी का ज्यादा है। यह हमारे देश का राष्ट्रगीत है, इसे पढ़ने, गाने या न पढ़ने, गाने के लिए कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। कोई जोर-जबरदस्ती करता है तो भारत का कानून पीड़ित के साथ खड़ा है। सात हजार गीतों में दूसरे नंबर पर चुना जाना इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। मूल रूप से बांग्ला एवं संस्कृत में लिखा गया यह गीत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद किया गया, यह भी इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। एक अन्य मुस्लिम स्कॉलर गुफरान नसीम कहते हैं कि इससे जुड़ा विवाद 1937 में ही खत्म हो गया था, जब मौलानाओं की आपत्ति के बाद जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने पहली दो पंक्तियों को राष्ट्रगीत के रूप में मंजूरी दी थी। समिति ने पाया था कि पहले दो पैरा मातृ भूमि की प्रशंसा में हैं, गीत में उसके आगे हिन्दू देवी-देवताओं का जिक्र किया गया है, इसीलिए दो पारा को ही मान्यता दी गई जिससे किसी की भावना आहत न होने पाए और अंत में 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्र ने राष्ट्रगीत के रूप में मंजूर कर लिया।

यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया

चौधरी को लेकर सियासी गलियारे में हलचल तेज

अगड़े-पिछड़े समाज में मजबूत पकड़ को मिली तरजीह, 7 बार सांसद बने चौधरी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

आज उत्तर प्रदेश अध्यक्ष का होगा ऐलान

उत्तर प्रदेश भाजपा को जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और महाराजगंज से सात बार के सांसद पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने, जबकि दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। चौधरी को लेकर सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। पार्टी इनको प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी दे रही है। पार्टी को पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ होने का फायदा मिल सकता है। परंपरागत मत सहेजने के साथ पीडीए कमजोर करने का दांव पार्टी ने खेला है।

भाजपा दे रही देश के सबसे बड़े सूबे की कमान

गोरखपुर में पार्षद से शुरू किया राजनीतिक सफर

पंकज चौधरी

गोरखपुर के घंटाघर हरबंश गली स्थित घर में 20 नवंबर 1964 में जन्मे चौधरी ने एमपी इंटर कॉलेज और गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण किया। औद्योगिक घराने में जन्मे चौधरी ने राजनीति में कदम रखा और डिप्टी मेयर बने। चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1989 में गोरखपुर नगर निगम में पार्षद का चुनाव लड़ने के साथ की थी। वो पार्षद के चुनाव में जीते थे। 1989 में ही गोरखपुर से कटकर महाराजगंज अलग जिला बना, जिसके बाद से पंकज चौधरी ने महराजगंज को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया।

महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्यकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी

चौधरी का नाम चर्चा में आने से महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्यकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी है। चुनाव में भी पार्टी ने इन्ही पर हर बार भरोसा जताया। पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ के अलावा संगठन में इनको लेकर कभी गतिरोध सामने नहीं आया। शुरूआत से ही पार्टी की ओर से मिली जिम्मेदारी का बखूबी निवर्हन कर आगे बढ़ते चले गए।

परंपरागत कुर्मी वोट को आकर्षित किया

कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करने में भरोसा रखते हैं। राजनीति के जानकार बताते हैं कि अपना दल व अन्य सहयोगियों से परंपरागत कुर्मी वोट को अपने ओर आकर्षित करने में चौधरी काफी मददगार साबित हो सकते हैं। ये प्रदेश में पिछड़े समाज के काफी मजबूत नेता माने जाते हैं।

1991 में पहली बार सांसद बने

गोरखपुर के उद्योगपति स्वर्गीय भगवती चौधरी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उज्ज्वल चौधरी के छोटे सुपुत्र पंकज चौधरी ने गोरखपुर नगर निगम के पार्षद के तौर पर 1989 में राजनीति का सफर शुरू किया। 1990 में ही भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्य समिति सदस्य हुए। 10 वीं लोकसभा में वर्ष 1991 में महराजगंज संसदीय सीट से भाजपा के सिंबल पर सांसद चुने गए।

जब पीएम मोदी पैदल पहुंचे थे चौधरी के घर

माता जी देखिए, मैं खुद आपसे मिलने आ गया

चौधरी का कद तो पीएम नरेंद्र मोदी ने उसी दिन बढ़ा दिया जिस दिन गोरखपुर में उनकी माता से मिलने प्रधानमंत्री 150 मीटर पैदल चल कर उनके घर पहुंचे। 7 जुलाई 2023 को गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष समारोह का था। इस दौरान वे अचानक चौधरी के घर पहुंच गए थे। चौधरी की माता का आशीर्वाद लिया। गोरखपुर के घंटाघर हरिवंश गली में स्थित पंकज चौधरी के घर का रास्ता संकरा होने के चलते करीब 150 मीटर दूर ही प्रधानमंत्री का वाहन रुक गया। वहां से प्रधानमंत्री , राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ पैदल चल घर पहुंचे थे।

खबर संक्षेप

शादी में 20 लाख और कार मांगी, पहुंचा जेल

बरेली। यूपी के बरेली से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार देर रात एक बारात में

दहेज को लेकर हंगामा हो गया। 7 फेरों से पहले दूल्हे ने कार और 20 लाख रुपए मांग रख दी। वर पक्ष ने कहा कि ऐसा न होने पर सात फेरे नहीं होंगे। वधू पक्ष ने असमर्थता जाहिर कर दी। पुलिस पहुंच गई और दूल्हा हवालात में पहुंच गया।

मोबाइल देख रहे होटल मालिक की मौत

महेंद्रगढ़। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कनीना में एक 42 वर्षीय होटल मालिक की होटल में कुर्सी पर बैठे-बैठे अचानक मौत हो गई।

होटल मालिक की मौत से जुड़ा एक सीसीटीवी भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि वह मोबाइल देखते-देखते कुर्सी से नीचे लुढ़क गए। होटल के कर्मचारी उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बीड में डीजल टैंकर से टकराई गाड़ी, छाया धुआं

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में तालुका के पाली गांव के पास सोलापुर-धुले राष्ट्रीय राजमार्ग पर

उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गाड़ी की टक्कर डीजल टैंकर से हो गई। टक्कर जोरदार थी कि देखते ही देखते दोनों गाड़ियों में आग लग गई और हाईवे पर आग का गोला बन गया। टक्कर के तुरंत बाद आग भड़क उठी। धुएं का गुबार छा गया।

ड्रग्स तस्करों से जुड़े 8 ठिकाने ढहाए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शनिवार को एक बड़े अभियान के तहत मादक पदार्थों की

तस्करी में कथित तौर पर शामिल लोगों के मकानों समेत आठ अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। नरवाल बाला गांव में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी राकेश मिन्हास के निर्देश पर की गई।

उबर राइडर ने लड़की से की छेड़छाड़

चंडीगढ़। ट्राइसिटी में रोजाना हजारों लोग बाइक टैक्सी बुक करते हैं। शुक्रवार सुबह परीक्षा देने

निकली 11वीं की छात्रा उबर बाइक पर बैठी ही थी कि चालक ने छेड़छाड़ शुरू कर दी। छात्रा ने हिम्मत दिखाई, विरोध किया, पिता को फोन किया, वीडियो भी बनाया। इसके बाद आरोपी रुका नहीं,तेज भगाने लगा और अंत में बाइक गिरा दी। इससे छात्रा को चोट आई है।

मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामला, सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

ऐसे लड़कों को सबक सिखाना चाहिए, जमानत याचिका पर 'सुनवाई' करने से किया इनकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने यह कहा

आरोपी संपन्न परिवार से है

उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए, अर्जी वापस ली

देश का सर्वोच्च न्यायालय

सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मिहिर शाह शिवसेना के पूर्व नेता का बेटा है। शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी की कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंचने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा कि वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है। उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मिहिर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने कहा कि हाईकोर्ट ने मामले में प्रमुख गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद जमानत के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी। शीर्ष कोर्ट का सख्त रुख देखते हुए उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

9 जुलाई को गिरफ्तार किया गया

मिहिर शाह (24 वर्षीय) को पिछले साल नौ जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि उसने मुंबई के वर्ली इलाके में अपनी बीएमडब्ल्यू कार से एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसमें कावेरी नखवा (45 वर्षीय) की मौत हो गई थी और उनके पति प्रदीप नखवा घायल हो गए थे। आरोप है कि हादसे के बाद मिहिर शाह बांद्रा-वर्ली सी लिंक की ओर तेज गति से बढ़ा।

मुख्य आरोपी और चालक दोनों न्यायिक हिरासत में

हादसे के समय कार में मौजूद शाह के चालक राजऋषि को भी उसी दिन गिरफ्तार किया गया था। दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि आरोपी अत्यधिक नशे में था और स्कूटर से टकराने तथा पीड़िता को घसीटने के बावजूद उसने कार नहीं रोकी।

दोनों का व्यवहार जमानत देने के लिए आश्वस्त नहीं करता: हाईकोर्ट

मुंबई। हाईकोर्ट ने भी कहा था कि कथित अपराध के समय और उसके बाद आरोपी का व्यवहार कोर्ट को जमानत देने के लिए आश्वस्त नहीं करता। कोर्ट ने कहा कि शाह ने दुर्घटना के बाद तेज रफ्तार से भागने की कोशिश की और पीड़िता को कार के नीचे घसीटता रहा। सीट बदलना, पिता को फोन करना और फरार होना, साक्ष्यों से छेड़छाड़ करना उचित नहीं दिखता।

सुप्रीम कोर्ट ने सपा नेता की याचिका पर नोटिस जारी किया

उत्तर प्रदेश में एसआईआर का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में समाजवादी पार्टी के नेता अरविंद कुमार सिंह की याचिका पर नोटिस जारी किया है। इस में उन्होंने उत्तर प्रदेश में एसआईआर को चुनौती दी है। सिंह ने इस प्रक्रिया से जुड़ी

अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने जनगणना, नियंत्रण तालिका, मसौदा मतदाता सूची को अपडेट करने और अंतिम मतदाता सूची जारी करने की अपील की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश जारी किया है।

कई पार्टियों के नेता कोर्ट में रहे मौजूद

सपा के अलावा, डीएमके, टीवीके, सीपीआई (एम), उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, टीएमसी और इनके नेता भी अदालत में मौजूद थे। इन सभी ने तमिलनाडु,बंगाल, केरल में चुनौती दी है।

कलाकारों ने देवताओं का रूप धरा

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार को काशी विश्वनाथ मंदिर के रेनोवेशन की चौथी सालगिरह के मौके पर एक जुलूस में देवी-देवताओं का रूप धारण किए कलाकारों ने हिस्सा लिया।

उत्तराखंड के खटीमा में बड़ा बवाल

युवक की हत्या पर लोगों ने दुकानों में लगाई आग, धारा 163 लागू

मौके पर पुलिस को किया गया तैनात

एजेंसी ▶▶ खटीमा

उत्तराखंड के खटीमा में एक युवक की हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने हमलावरों की

बवाल का नजारा

दुकान में आग लगा दी। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर तनाव को देखते हुए प्रशासन ने धारा 163 लागू किया है। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

युवक की मौत के बाद हंगामा

शुक्रवार रात्रि खटीमा रोडवेज परिसर में दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। आपसी विवाद के दौरान चली चाकूबाजी में 23 वर्षीय तुषार शर्मा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यही बवाल की वजह है।

जगदलपुर में गृहमंत्री शाह का ऐलान

अगले साल नक्सल फ्री हो जाएगा बस्तर..हथियार डालें, चुनें पुनर्वास

ओलंपिक खेलों के समापन पर खिलाड़ियों के साथ गृह मंत्री अमित शाह

ओलंपिक खेलों का किया समापन

एजेंसी ▶▶ जगदलपुर

बस्तर ओलंपिक के समापन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जगदलपुर पहुंचे।इस दौरान शाह ने एक बार फिर देश से नक्सलवाद खात्मे को लेकर बड़ी बात कही। शाह ने कहा कि देश से नक्सलवाद 31 मार्च 2026 के दिन खत्म होगा। बस्तर के विकास में लाल आतंक सांप की तरह फन फैलाकर बैठा था,जिसके देश से पूरा राज्य प्रभावित हो रहा था,लेकिन अब बस्तर में शांति लाने की बारी है। इतनी ही विनम्रता से मैं अपील भी करता हूं कि गुमराह होकर जो लोग हाथों में हथियार लिए घूम रहे हैं,वो आकर पुनर्वासन योजना में जुड़े। नक्सलवाद से किसी का भला नहीं होगा। शांति ही विकास का रास्ता प्रशस्त कर सकती है। आप अपना नया जीवन चुनिए।

केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लें लाभ

शाह ने भारत माता की जय के साथ भाषण की शुरुआत की। छत्तीसगढ़ को नए आयाम तक पहुंचाने के लिए उन्होंने पूर्व सीएम रमन सिंह, सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि बस्तर की धरती ने काफी आतंक सहा है,लेकिन मौजूदा सरकार की योजनाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों ने बस्तर की तस्वीर बदलने की कोशिश की है।

सरेंडर्ड नक्सलियों की नुआ टीम को दी बधाई

गृहमंत्री शाह ने बस्तर ओलंपिक की तारीफ करते हुए कहा कि जब 700 ज्यादा सरेंडर नक्सल बच्चों ने बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लेने की जानकारी मुझे मिली तो मैं बहुत खुश हुआ। नक्सलवाद में पूरा जीवन बर्बाद हो जाता। अभी जो परेड हुई है उसमें सरेंडर किए हुए खिलाड़ी संभाग स्तर पर आए हैं। मैं सभी दर्शकों के लिए कहना चाहता हूं कि इन खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत करें। ये खिलाड़ी जो नुआ बाट के लिए खेले हैं, वे देश के लिए बड़ा उदाहरण हैं,क्योंकि इन खिलाड़ियों ने विनाश की जगह विकास का रास्ता चुने है। यहां की सभी जनजातियां भारत की समृद्ध विरासत है। छत्तीसगढ़ सरकार ने आधुनिक स्टूडियो बनाकर पारंपरिक गीतों को सहेजने का काम किया है। इसे संगीत के साथ इससे जुड़ी किताबें भी प्रस्तुत की हैं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **कदम पुत्रः घिसा पताः** झुग्गी इफको चौक गुरुग्राम हरियाणा, ने **FIR No. 49/2016 U/s 380/454/411/34 IPC थानाः विकासपुरी, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कदम**, मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कदम**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 49/2016 U/s 380/454/411/34 IPC थानाः विकासपुरी, दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त **कदम**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री ऋषभ कपूर
जेएमएफसी–05, कमरा नंबर
द्वारका कोर्ट, दिल्ली

DP/16787/WD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **पूनम लाहौरी** पत्नी विक्की निवासी मकान संख्या सी-1/80, सुल्तानपुरी, दिल्ली ने **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0806/2019 धारा 411 भा.द.स, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पूनम लाहौरी** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **पूनम लाहौरी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **पूनम लाहौरी, ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0806/2019 धारा 411 भा.द.स, थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.02.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-11
सेंट्रल, कोर्ट नंबर 138, पहली मंज़िल
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/15957/N/2025

आज सोनिया के दरबार में सिद्धारमैया और डीके लगाएंगे हाजिरी

फैसला आज, किसे मिलेगा कर्नाटक मुख्यमंत्री का ताज?

अंदरूनी खींचतान के बीच आज दोनों की होगी 'नेतृत्व' से मुलाकात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ लोग फैसले की घड़ी देख रहे

दिल्ली में 14 दिसंबर को कांग्रेस की राजनीति का सबसे अहम दरबार लगने वाला है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एक साथ कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। और, यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब कर्नाटक में सत्ता के शीर्ष पद को लेकर अंदरखाने खींचतान चरम पर है। मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के दोनों बड़े नेता के बीच संघर्ष चल रही है। सियासी गलियारों में इसे सिर्फ एक औपचारिक बैठक नहीं बल्कि फैसले की घड़ी के तौर पर देखा जा रहा है।

अहम बताई जा रही यह आमने-सामने की बैठक

सोनिया गांधी

कांग्रेस के भीतर यह लगभग तय माना जाता है कि कर्नाटक के नेतृत्व विवाद पर आखिरी फैसला हाईकमान ही करेगा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पहले ही कह चुके हैं कि इस कन्फ्यूजन को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वह खुद मिलकर सुलझाएंगे। अब जब सिद्धारमैया और शिवकुमार एक साथ दिल्ली पहुंच रहे हैं, तो साफ है कि मामला निर्णायक मोड़ पर है।

पूर्व का फार्मूला बना सबसे बड़ी अड़चन

सरकार को करीब 140 विधायकों का मजबूत समर्थन हासिल है, लेकिन 20 नवंबर को सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद फिर यह चर्चा तेज हो गई कि मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के फार्मूले पर बदला जाना था।

कांग्रेस विधायक की भविष्यवाणी

6 जनवरी को शिवकुमार ही बनेंगे मुख्यमंत्री

इस बीच, सत्ताधारी कांग्रेस के विधायक ने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए तारीख बताई है

कि शिवकुमार मुख्यमंत्री कब बनेंगे? विधायक एचए इकबाल हुसैन ने शनिवार को दावा करते हुए कहा है कि शिवकुमार 6 जनवरी को मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी के साथ उन्होंने अपने बयान में कहा कि जिस पद पर अभी सिद्धारमैया हैं, उसे शिवकुमार के लिए खाली किया जाना चाहिए।

एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

- टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर
- करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी

सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश

चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

बिजनेस डेस्क

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

■ कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिएद्ध इसके अलाना रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना बना देगी आर्थिक रूप से कमजोर

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी भी बढ़ाती है परेशानी

छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, वरना बढ़ सकता है आर्थिक संकट

रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से पैसा कर देती हैं कम

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना आर्थिक संकट नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो अपने छोटे छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें। वरना ये आपकी बड़ी परेशानी बढ़ा सकते हैं। मसलन बाजार में ऑफर और सस्ती चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। जो आपके जरूरत की चीजें हैं सिर्फ उन्हें ही खरीदें और मस्ती से जीवन व्यतीत करें। कई बार देखने में आता है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से आपका पैसा कम कर देती हैं। रोजाना के खर्च, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी, बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना आपके भविष्य को कमजोर कर सकते हैं। जागरूकता और सही कदम आपकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि पैसों की समस्या बड़ी गलती, अचानक खर्च, नौकरी छूटना या गलत निवेश की वजह से होती है, लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें आपके पैसे को धीरे-धीरे कम कर देती हैं। ये आदतें छोटी लगती हैं, कभी-कभी अनजाने में होती हैं और समय के साथ बचत को कमजोर कर देती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ आदतें जो आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। इनको सुधारकर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार सकते हैं और अनावश्यक खर्चे से भी बच सकते हैं।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

छोटे-छोटे खर्च, जैसे हर दिन की कॉफी, नाश्ता या मोबाइल ऐप सब्सक्रिप्शन, अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन अगर इन्हें जोड़ा जाए तो यह महीने के अंत में एक बड़ी रकम बन जाती है। इसलिए अपने खर्चों को एक हफ्ते तक नोट करें और देखें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको अपनी पसंदीदा चीजें छोड़नी हैं, बल्कि आप जागरूक होकर सोच-समझकर खर्च करें। इसके बाद जब आप माह के अंत में देखेंगे तो आपको बड़ी राहत मिलेगी।

बचत बाद में करना

कई लोग सोचते हैं कि महीने के आखिर में बचत करेंगे, जो बचेगा वही बचत होगा। अक्सर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। सही तरीका यह है कि पहले बचत करें और फिर खर्च करें। अपने अकाउंट से वेतन मिलने के तुरंत बाद ही बचत या इन्वेस्टमेंट अकाउंट में कुछ पैसा डाल दें। यदि आप अपनी इनकम का 10%-15% नियमित रूप से बचाते हैं, तो समय के साथ यह एक बड़ा फंड बन जाएगा। जितनी जल्दी आप शुरू करेंगे, उतना ही आसान आपका भविष्य होगा। इसलिए शुरुआत से ही बचत पर ध्यान दें।

बीमा व आपातकालीन योजना

कई लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा लेना बाद में भी किया जा सकता है, लेकिन एक छोटा अस्पताल का बिल या अचानक हादसा आपकी सारी बचत मिटा सकता है। जीवन बीमा आपके परिवार की सुरक्षा करता है और स्वास्थ्य बीमा अस्पताल के खर्चों से बचाता है। यह छोटे-छोटे मंथली प्रीमियम आपके भविष्य की सुरक्षा में बहुत मदद करते हैं।

अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा जरूर करें

पैसे की आदतों को केवल सही तरीके से खर्च और बचत करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि इन्हें समय-समय पर देखना भी जरूरी है। हर महीने कुछ घंटे अपने बैंक स्टेटमेंट, बीमा और निवेश की समीक्षा में बिताएं। इससे आप फालतू खर्च पकड़ पाएंगे, अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रख पाएंगे और अपने वित्तीय भविष्य पर भरोसा कर पाएंगे। आपके रोजमर्रा के फैसले आपके पैसे और भविष्य को प्रभावित करते हैं। कुछ छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे आपकी जेब खाली कर देती हैं, जबकि सही आदतें आपके भविष्य को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं। इससे आपको पैसे संबंधी परकशानी होगी और आपका निवेश भी बढ़ता जाएगा। इसलिए निवेश पर जरूर फोकस करें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आसान होता है, इसलिए हम छोटे खर्च भी कार्ड से कर लेते हैं। इससे खर्च का एहसास कम होता है। सही तरीका यह है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरी और योजना बनाकर करें और हर महीने पूरा बिल चुका दें। इससे आप बिना कर्ज के शांति महसूस करेंगे और फालतू ब्याज नहीं चुकाएंगे। अगर क्रेडिट कार्ड के बिन का समय पर भुगतान नहीं कर पाएं तो भारी भरकम ब्याज आपके बजट को बिगाड़ सकता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड के खर्च पर ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

यह रखें ध्यान

किसी पर परिस्थिति में दूसरे की चीजों देखकर रीस न करें। अपना बजट बनाकर चलेंगे तो हमेशा खुश और आर्थिक रूप से मजबूत रहेंगे। बाजार में जाएं तो ऑफर्स को देखकर चीजें न खरीदें अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदे। इससे आप गैरजरूरी खर्चों से मुक्ति पा लेंगे और आपकी बचत भी बढ़िया होगी।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार भी करता है

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी जरूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

हरियाणा आर्चरी एसोसिएशन के चुनाव संपन्न, कैप्टन अभिमन्यु तीसरी बार बने अध्यक्ष

■ राजीव जैन और पवन शर्मा उपाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता रामनिवास हुड्डा सचिव बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा आर्चरी एसोसिएशन के चुनाव शनिवार को शहर के सागर विला होटल में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुए। जिसमें निर्विरोध तीसारी बार कैप्टन अभिमन्यु को एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उप प्रधान अमरेंद्र सिंह तथा हरियाणा ओलंपिक संघ के उप प्रधान राकेश सिंह ने पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में की। दोनों पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में परिणाम घोषित किए गए, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सभी ने संतोष व्यक्त किया। एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें उपाध्यक्ष पद पर राजीव जैन और पवन शर्मा निर्वाचित हुए। सचिव पद की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिवक्ता रामनिवास हुड्डा को सौंपी गई है। वहीं संयुक्त सचिव के रूप में स्वर्ण सिंह और अमित यादव को चुना गया। कोषाध्यक्ष पद पर सुभाष श्योराण को निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में सुरेंद्र शर्मा, कपिल कुमार, मुनीत बेरवाल, दीपक अहलावत, संजय सुहाग को शामिल किया गया है। चुनाव परिणामों की घोषणा रिटर्निंग ऑफिसर अजय सिंह (डीडीए, रिटायर्ड) द्वारा की गई।

रोहतक। एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन अभिमन्यु के साथ पदाधिकारी और अन्य।

रोहतक। चुनाव के दौरान संबोधित करते कैप्टन अभिमन्यु।

रोहतक। चुनाव के दौरान मौजूद एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्य।

कैप्टन बोले: प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे

कैप्टन अभिमन्यु सिंधु ने कहा कि हरियाणा में आर्चरी खेल की मजबूत परंपरा रही है और यहां के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। नई कार्यकारिणी का लक्ष्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, पारदर्शी चयन प्रक्रिया और समय पर प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित करना रहेगा। सभी जिलों में ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दौरान सभी जिलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अमरेंद्र सिंह ने कहा: हरियाणा देश के अग्रणी आर्चरी राज्यों में शामिल

आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उप प्रधान अमरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा देश के अग्रणी आर्चरी राज्यों में शामिल है। नई टीम को आधुनिक प्रशिक्षण तकनीक, कोचों के विकास और खिलाड़ियों के मानसिक व शारीरिक सशक्तिकरण पर ध्यान देना चाहिए। अमरेंद्र सिंह ने आश्वासन दिया कि आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया हरियाणा को हर संभव तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग प्रदान करेगा। हरियाणा ओलंपिक संघ के उप प्रधान राकेश सिंह ने भी चुनाव के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि पारदर्शी चुनाव से ही खेल संगठनों में विश्वास मजबूत होता है और खिलाड़ियों को सही दिशा मिलती है।

खबर संक्षेप

हरिकेंस ने जीता महिला बिग बैश लीग का खिताब

बेलेरिव ओवल। होबार्ट हरिकेंस ने होबार्ट के बेलेरिव ओवल में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ आठ विकेट से शानदार जीत हासिल करके पहली बार महिला बिग बैश लीग खिताब जीता। हरिकेंस ने सिर्फ 15 ओवर में 138 रनों का आसान लक्ष्य हासिल कर लिया। इसका श्रेय साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी लिजेल ली की शानदार पारी को जाता है, जिन्होंने 44 गेंदों में 77 रन बनाए। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। ली को हाल ही में वीमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रुपए की बेस प्राइस पर खरीदा था।

राफेल नडाल ने कराई हाथ की सर्जरी

नई दिल्ली। संन्यास ले चुके टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने बताया कि दर्द का इलाज करने और चलने-फिरने में मदद के लिए उनके दाहिने हाथ की सर्जरी हुई है। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल बाएं हाथ से खेलते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे थे। नडाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ अपनी एक फोटो भी पोस्ट की, जिसमें उनके दाहिने हाथ पर पट्टी बंधी हुई थी और हाथ स्लिंग में था। उन्होंने मजाक में यह भी लिखा कि वह अगले साल के पहले मेजर ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाएंगे। नडाल के प्रतिनिधि के एक अलग बयान के अनुसार सर्जरी का मकसद उनके दाहिने अंगूठे के जोड़ के दर्द को कम करना और चलने-फिरने में मदद करना था। यह सर्जरी बार्सीलोना के एक निजी स्वास्थ्य क्लिनिक में की गई।

पोस्टर में पाक कप्तान की फोटो गायब, पीसीबी खफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री के लिए जारी किए गए प्रचार पोस्टर में अपने कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर न होने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से नाखुश है। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि इस मामले को आईसीसी के समक्ष उठाया गया है क्योंकि प्रचार पोस्टर में केवल पांच कप्तानों की तस्वीर है। इसमें सूर्यकुमार यादव (भारत), एडेन मार्करम (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया), दासुन शनाका (श्रीलंका) और हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) शामिल है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

शाम 7 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा टी-20

सूर्यकुमार चल रहे फ्लॉप, गिल से निराशा बढ़त के लिए हाई-वोल्टेज भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 14 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी, जो इस प्रारुप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी का आक्रमण

एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी। दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।

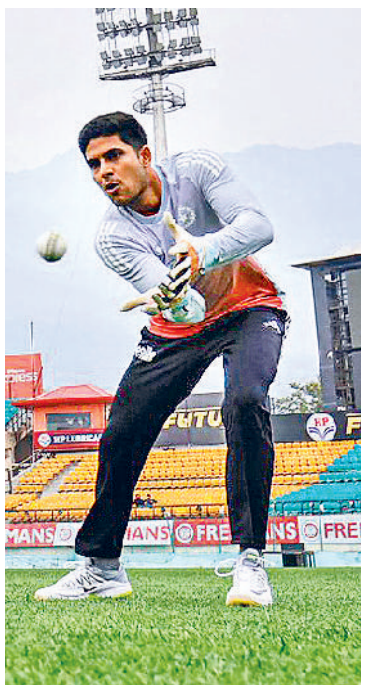

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपामला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

गिल को करना होगा असाधारण प्रदर्शन

गिल को अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के फैसले को सही साबित करने के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ एक खराब श्रृंखला के बाद संजू सैमसन को बाहर करने का निर्णय अब भी सवालों के घेरे में है। टेस्ट और वनडे में कलात्मक बल्लेबाजी करने वाले कप्तान गिल को टी20 प्रारुप में दोबारा खुद का ढालना होगा। उन्हें बाकी तीन में से कम से कम दो मैचों में बड़ी पारियां खेलनी होंगी। ऐसा नहीं हुआ तो सैमसन की वापसी या फिर 165 की शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइक रेट वाले यशस्वी जायसवाल को न्यूजीलैंड श्रृंखला में मौका मिल सकता है।

विश्व कप से पहले भारत के पास सिर्फ आठ मैच

विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। कप्तान होने के नाते सूर्यकुमार यादव को एक साल से खराब फॉर्म के बावजूद विश्व कप तक कुछ हद तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। लेकिन यह छूट गिल को मिलना मुश्किल है क्योंकि वह एशिया कप से पहले तक पारी का आगाज करने के लिए मूल विकल्प नहीं थे। छोटे प्रारुप की टीम में उनकी वापसी अब ऐसे फैसले की तरह दिख रही है, जिसमें बिना जरूरत एक संतुलित संयोजन से छेड़छाड़ की गई।

अंडर-19 एशिया कप

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार यानी 14 दिसंबर को महामुकाबला होगा, जिसमें दोनों टीमों की नजर जीत की लय को बनाए रखने को होगी। भारत और पाकिस्तान ग्रुप ए में हैं और दोनों ही टीमों ने अपने-अपने पहले लीग मैच जीते थे। दोनों टीमों के अभी 2-2 अंक हैं, लेकिन बेहतरीन रन रेट के आधार पर पाकिस्तान ग्रुप ए की अंकतालिका में पहले स्थान पर है जबकि भारत दूसरे नंबर पर है। भारत ने पहले मैच में यूएई को 234 रन से हराया था, लेकिन पाकिस्तान ने मलेशिया पर तो उससे भी बड़ी जीत दर्ज की थी और उसे 297 रन से जीत हासिल हुई थी।

पाकिस्तान और भारत के बीच होने वाला मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे से खेला जाएगा और दोनों टीमें दुबई में एक-दूसरे के आमने सामने होंगे। भारत और यूएई के बीच, जो मैच खेला गया था उस दौरान पिच बिल्कुल ही सपाट नजर आ रही थी और बल्लेबाजों को खूब मदद मिल रही थी। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि भारत-पाकिस्तान का मैच उसी पिच पर होता है या किसी अन्य पिच पर, लेकिन दुबई में अब तक हुए दोनों मुकाबलों में ये देखने को मिला की रन खूब बने।

भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना कम

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की प्लेइंग इलेवन में किसी बदलाव की संभावना कम ही नजर आती है क्योंकि टीम अपने विनिंग कांबिनेशन के साथ ही उतरना चाहेगी। भारत के लिए पारी की शुरुआत वैभव सूर्यवंशी के साथ कप्तान आयुष महात्रे करेंगे। वैभव गजब की लय में हैं और पाकिस्तान के खिलाफ भी उनसे इसी तरह से प्रदर्शन की अपेक्षा रहेगी। यूएई के खिलाफ अन्य भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। भारतीय बैटिंग लाइनअप में वैभव और आयुष के बाद एरोन जॉर्ज, विहान मलहोत्रा, वेदान्त त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, कनिष्क चौहान होंगे जबकि गेंदबाजी की जिम्मेदारी खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क सिंह संभालते नजर आएंगे।

डेजर्ट वाइपर्स की लगातार पांचवीं जीत गल्फ जायंट्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

खुजैमा तनवीर के चार विकेट के बाद सैम कुरेन और मैक्स होल्डेन के बीच 77 गेंद में 123 रनों की अटूट साझेदारी से डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हराकर आईएलटी20 के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। तनवीर ने 10 रन देकर चार विकेट लिए, जो आईएलटी20 के इतिहास में यूएई के किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इसके साथ ही इस लीग के पावरप्ले में चार विकेट लेने वाले अपने देश के पहले गेंदबाज भी बन गए। गल्फ जायंट्स की टीम खराब शुरुआत के बावजूद सात विकेट पर 157 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

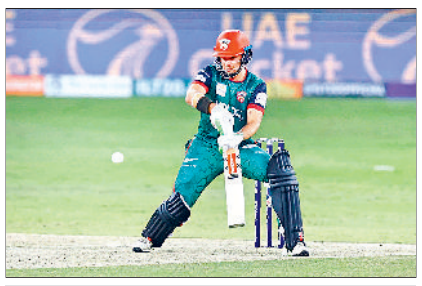

कुरेन ने खेली 67 रन की नाबाद पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए वाइपर्स ने दूसरे ओवर में क्रिस वुड की गेंद पर फखर जमां (आठ गेंद में 14 रन) और फिर चौथे ओवर में हसन नवाज (नौ गेंद में सात रन) का विकेट गंवा दिया। नवाज रन आउट हुए। कुरेन और होल्डेन ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 19 गेंद शेष रहते आसान जीत दिला दी। कुरेन ने 43 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 67 रन की पारी खेली जबकि होल्डेन ने 41 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए।

गिरोना ने रीयाल सोसिएदाद को 2-1 से हराया...

मैड्रिड। यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2-1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गई। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उन्होंने कहा, ' शुभमन गिल आउट हुए तो अक्षर पटेल बल्लेबाजी करने आए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी उमेश कुमार पुत्र** श्री ललित कुमार, **पताः** मकान नंबर डी–131, हरि नगर एक्सटेंशन, **दिल्ली। FIR No. 107/2015, U/s: 279/337 IPC & 146/196 MV ACT, पुलिस थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **उमेश कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **उमेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **उमेश कुमार FIR No. 107/2015, U/s: 279/337 IPC & 146/196 MV ACT, पुलिस थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11 सेंट्रल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16580/N/2025
(Court Matter)

16 दिसंबर को आईपीएल नीलामी में खिलाड़ियों के लगेगी बोली

आईपीएल में 2008 से 2025 तक सबसे महंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए जल्द ही ऑक्शन होने वाला है। 16 दिसंबर को आईपीएल की नीलामी के तहत खिलाड़ियों के नाम पर बोली लगेगी, जिसमें कुछ खिलाड़ियों को उनकी उम्मीद के हिसाब से रकम नहीं मिलेगी, जबकि कुछ प्लेयर्स को तिजोरी खोलकर पैसा मिलता नजर आएगा। इन सभी में एक खिलाड़ी ऐसा भी होगा, जिस पर सबसे महंगी बोली लगेगी और वह आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे महंगा प्लेयर बनेगा। ऐसे में जानते हैं कि साल 2008 से लेकर 2025 तक कौन-कौन से खिलाड़ी आईपीएल की नीलामी में सबसे महंगे प्लेयर बन चुके हैं। 359 खिलाड़ियों को किया गया शॉर्टलिस्ट आईपीएल ऑक्शन 2026 के लिए कुल 359 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है. 16 दिसंबर को अबू धाबी में आईपीएल 2026 का ऑक्शन होगा, जिसमें डेवोन कॉनवे, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लियाम लिविंगस्टोन, वेंकटेश अय्यर, कैमरन ग्रीन, सरफराज खान, डेविड मिलर और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों पर खास नजर होगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
(84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुधा पत्नी राज कुमार पताः के सामने प्लॉट नं. सी–565 ब्लॉक कुतुब विहार नजफगढ़ नई दिल्ली ने सीटी केस संख्या 1490/2019 धारा 135 विद्युत अधिनियम के तहत** थानाः छावला, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुधा** मिल नहीं रही है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुधा** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीटी केस संख्या 1490/2019 धारा 135 विद्युत अधिनियम के तहत थाना छावला, दिल्ली के उक्त सुधा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
हरलीन सिंह
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश
विशेष न्यायलय विद्युत
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/15890/DW/2025

पीएम नरेंद्र मोदी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए

संसद पर हमले की 24वीं बरसी

शहीदों को याद कर भावुक हुआ देश पीएम मोदी सहित सांसदों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के नेतृत्व में सांसदों ने शनिवार को 2001 में संसद भवन पर आतंकवादियों के हमले के दौरान मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की।

पीएम नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन हमले की 24वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले शुरुआती नेताओं में शामिल थे। इस दिन की याद में हर साल 13 दिसंबर को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के बाहर एक छोटा समारोह आयोजित किया जाता है।

श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन भी श्रद्धांजलि देने के लिए संसद परिसर पहुंचे। श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पीयूष गोयल, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल शामिल थे। इसके अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सहित अन्य सांसद भी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने वीरगति को प्राप्त हुए सुरक्षाबलों के जवानों के परिजनों से मुलाकात की

सर्वोच्च बलिदान के लिए देश आभारी: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने श्रद्धांजलि देते हुए 'एक्स' पर लिखा कि इस दिन, हमारा देश उन लोगों को याद करता है जिन्होंने 2001 में हमारी संसद पर हुए भयानक हमले के दौरान अपनी जान दे दी थी। गंभीर खतरे का सामना करते हुए, उनकी हिम्मत, सतर्कता और कर्तव्य के प्रति अटूट भावना कमाल की थी। भारत उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा उनका आभारी रहेगा।

ऋणी रहेगा देश: राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के दिन हम उन वीर नायकों को नमन करता है जिन्होंने 2001 में इसी दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा।

सुरक्षा बल ने सलामी दी

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने कार्यक्रम स्थल पर सलामी या 'सम्मान गारद' प्रस्तुत किया जिसके बाद शहीदों की याद में कुछ समय का मौन रखा गया। 2023 तक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 'सलामी शस्त्र' प्रस्तुत करता था।

खबर संक्षेप

17 साल बाद बांग्लादेश आ रहे खालिदा जिया के बेटे

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम बेगम खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी

(बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटने जा रहे हैं। वह एक दशक से ज्यादा समय से लंदन में स्वनिर्वासित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बीएनपी ने बताया कि तारिक रहमान 25 दिसंबर को ढाका पहुंचेंगे। उनकी वापसी ऐसे समय में हो रही है, जब बांग्लादेश में आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन के अनुसार, उम्मीदवारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 29 दिसंबर तय की गई है।

कोर्ट ने सरफराज को सुनाई मौत की सजा

लखनऊ। यूपी में बहराइच की एक कोर्ट ने दुर्गा पूजा की मूर्ति को लेकर भड़की

सांप्रदायिक हिंसा के दौरान 22 वर्षीय युवक की हत्या के मुख्य आरोपी सरफराज उर्फ रिंकू को मौत की सजा सुनाई और नौ अन्य को आजीवन कारावास की सजा दी। अदालत ने कहा कि सच्चे न्याय के हित में, सजा ऐसी होनी चाहिए जो समाज में ऐसे जानवरों के मन में भय पैदा करे और न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास बहाल करे। गुरुवार को सुनाए गए अपने फैसले में सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने इस हत्या को अत्यंत बर्बरता का कृत्य बताया।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस अरेस्ट

दुबई। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को

गिरफ्तार कर लिया है। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी है। मोहम्मदी के नाम पर स्थापित एक संस्था ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें राजधानी तेहरान से लगभग 680 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित मशहद में उस समय हिरासत में लिया गया था जब वह एक मानवाधिकार वकील की शोकसभा में भाग लेने गई थीं। वकील की हाल में अस्पष्ट परिस्थितियों में मौत हो गई थी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारी मोहम्मदी को तुरंत जेल वापस भेजेंगे या नहीं।

पाकिस्तान के आतंकी कनेक्शन को कूटनीतिक ढंग से बेनकाब करेगा तालिबान

मानवाधिकार उल्लंघन पर वैश्विक शक्तियों को भेजेगा विस्तृत डॉजियर

काबुल का दावा- हमारे पास ठोस सबूत

एजेंसी ▶▶ काबुल

तालिबान ने पाकिस्तान के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। यही कारण है कि तालिबान प्रशासन पाकिस्तान पर सिर्फ जमीनी नहीं, बल्कि कूटनीतिक रणनीति के तहत हमला भी करने जा रहा है। इसके लिए तालिबान प्रशासन वैश्विक महाशक्तियों को पाकिस्तान के आतंकवादी कनेक्शन और मानवाधिकार उल्लंघन पर वैश्विक शक्तियों को डॉजियर भेजेगा।

इस डॉजियर में पाकिस्तान के आतंकवाद का समर्थन करने, अफगानिस्तान पर आर्थिक दबाव डालने और अफगान नागरिकों और शरणार्थियों के खिलाफ मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का सबूत होगा।

अफगान विदेश मंत्रालय के एक उच्च सूत्र ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मिलकर यह डॉजियर तैयार किया है, जिसे तालिबान के सुप्रीम लीडर मुल्ला हिबतुल्लाह अखुंदजादा से मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्रीय और वैश्विक महाशक्तियों को भेजा जाएगा।

"वैश्विक महाशक्तियों को भेजे जाने वाले डॉजियर में पाकिस्तान के आतंकवाद का समर्थन करने, अफगानिस्तान पर आर्थिक दबाव डालने और अफगान नागरिकों और शरणार्थियों के खिलाफ मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का सबूत होगा"

अफगानिस्तान के विदेश और गृह मंत्रालय ने तैयार किया डॉजियर

पाक पर आतंकियों के सहारे कई देशों को अस्थिर करने का आरोप

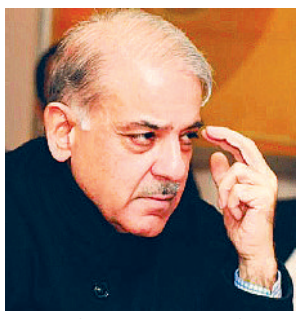
पाक पीएम शहबाज शरीफ

हिबतुल्लाह अखुंदजादा

पाकिस्तान ने ट्रांजिट व्यापार रोका

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर बिना किसी वजह के पिछले दो महीनों से मनमाने ढंग से सीमा पार करने पर रोक लगाने और अफगान ट्रांजिट व्यापार को निलंबित करने का आरोप लगाया है। इसमें आगे आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान ने लंबे समय से अफगानिस्तान के भारत के साथ ट्रांजिट व्यापार को रोक रखा है।

भारतीय सीमा के नजदीक की छावनियों में पहुंचे मुनीर

पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) असीम मुनीर ने अपनी सेना की तैयारियों का जायजा लिया है। शनिवार को उन्होंने दो शहरों- गुजरांवाला और सियालकोट की छावनी का दौरा किया, जहां उन्होंने सैन्य अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत करते हुए युद्ध की तैयारी देखी। मुनीर ने इस दौरान कहा कि आधुनिक युद्ध के लिए सटीकता और स्थिति की जानकारी जरूरी है। मुनीर का दो प्रमुख छावनियों का यह दौरा ऐसे समय हुआ है।

पाकी सीमा चौकी पर असीम मुनीर

पाकिस्तान बना आतंकियों का केंद्र

डॉजियर में आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान 'आतंकवादियों के लिए एक सुविधा केंद्र' बन गया है और इस्लामाबाद पर बलूचिस्तान में आईएसआईएस के तत्वों को पालने-पोसने और उनका इस्तेमाल अफगानिस्तान, भारत और ईरान सहित पड़ोसी देशों को अस्थिर करने के लिए करने का आरोप लगाया गया है।

पाक सेना कर रही आतंकियों की फंडिंग

डॉजियर के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां- इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) मिलकर आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी समूहों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट और वित्तीय सहायता दे रही हैं।

ट्रंप ने भारत के साथ यह क्या किया?

नए संगठन 'पैक्स सिलिका' में नहीं किया गया शामिल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की अगुवाई में एक नई रणनीतिक पहल शुरू की गई है, जिसका मकसद एक सुरक्षित और नवाचार से चलने वाली सिलिकॉन सप्लाई चेन बनाना है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, पैक्स सिलिका नाम की इस पहल का मकसद निर्भरता को कम करना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए जरूरी मटीरियल और क्षमताओं की रक्षा करना और यह पक्का करना है कि पैक्स सिलिका के सदस्य देश बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाली तकनीक को विकसित और इस्तेमाल कर सकें। अमेरिका ने जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया को हिस्सेदार बनाया गया है।

ग्लोबल एआई सप्लाई चेन मजबूत करेंगे

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि ये देश मिलकर ग्लोबल एआई सप्लाई चेन को ताकत देने वाली सबसे जरूरी कंपनियों और निवेशकों का घर हैं। इसमें शामिल देश मिलकर बहुस्तरीय साझेदारी करने पर चर्चा करेंगे, जिससे सप्लाई चेन सुरक्षा मजबूत होगी, निर्भरता और सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर को ठीक किया जा सकेगा, और भरोसेमंद टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को अपनाने में मदद मिलेगी। वे कनेक्टिविटी और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटर और सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, मिनरल रिफाइनिंग और प्रोसेसिंग, और एनर्जी जैसे ग्लोबल टेक्नोलॉजी स्टैक में फ्लैगशिप प्रोजेक्ट्स पर पार्टनरशिप करने के मौके तलाशेंगे। अमेरिका ने पैक्स सिलिका को नेतृत्व वाली एक रणनीतिक पहल बताया।

ट्रंप और मोदी के बीच संबंधों में गिरावट: कांग्रेस

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के संबंधों में आई 'तेज गिरावट' को देखते हुए यह बहुत आश्चर्यजनक नहीं लगता है कि भारत एक सुरक्षित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाली रणनीतिक पहल का हिस्सा नहीं है।

इस वर्ष फ्रांस में हुआ आयोजन, सुखोई, सी-17 ने लिया भाग, स्वदेश लौटे वायुवीर

भारत-फ्रांस की वायुसेनाओं के बीच संपन्न हुआ गरुड़ युद्धाभ्यास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत और फ्रांस की वायुसेनाओं ने सफलता के साथ गरुड़ युद्धाभ्यास-2025 पूरा कर लिया है। इस वर्ष इसका आठवां संस्करण आयोजित किया गया था। जिसमें फ्रांस के मोंट डे मार्सन एयरबेस पर दोनों मित्र देशों की वायुसेनाओं ने अपनी युद्धक हवाई क्षमता का शानदार अंदाज में प्रदर्शन किया है।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 27 नवंबर को गरुड़ युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई थी और इसे पूरा करने के बाद बीते 2 दिसंबर को वायुसेना का दल स्वदेश लौटा है।

सुखोई, सी-17 ने लिया भाग: मंत्रालय ने बताया कि इस बार युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान सुखोई-30-एमकेआई ने हवा में ईंधन भरने में सक्षम आईएल-76 और विशालकाय परिवहन विमान सी-17 ग्लोबमास्टर-3 ने भाग लिया था। भारत, फ्रांस की वायुसेनाओं की टुकड़ी ने युद्धाभ्यास के दौरान एक

वास्तविक रणनीतिक माहौल में जटिल हवाई अभियानों की व्यापक रूप से जांच-पड़ताल की। इस बाबत अभ्यास के दौरान संयुक्त मिशन योजना, समन्वय और हमला करने और एस्कॉर्ट मिशन जैसी गतिविधियों को शामिल किया गया। साथ ही गरुड़ अभ्यास में दोनों देशों की वायुसेनाओं ने एक-दूसरे की अच्छी आदतों और अनुभवों को भी आपस में साझा किया है। समापन समारोह के दौरान भारत, फ्रांस के वरिष्ठ अधिकारियों ने अभ्यास में शामिल टुकड़ियों के सदस्यों से मुलाकात की और उनके पेशेवराना अंदाज, समर्पण, अनुशासन की सराहना की।

वायुसेना की बड़ी वैश्विक भागीदारी

यह अभ्यास इस वर्ष भारतीय वायुसेना की बड़ी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में से एक है। जो भारत की फ्रांस के साथ बनी हुई मजबूत रणनीतिक साझेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर प्रदान करती है। साथ ही इसकी मदद से दोनों बलों को अपने मूल्यवान अनुभवों से सीखने का मौका भी मिलता है। अभ्यास से मिली सीख के माध्यम से दोनों देशों को भविष्य के युद्ध जैसे परिदृश्य से जुड़ी हुई क्षमता मजबूत होती है और मित्र देश की वायुसेना के साथ संबंध भी प्रगाढ़ होते हैं।

शादी के बाद चला गया था पाकिस्तान, परिवार को नहीं थी भनक

परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, पहले से ही देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त था

चार साल ली आतंकी बनने की ट्रेनिंग भारत लौटते ही सुरक्षा बलों ने दबोचा

एजेंसी ▶▶ राजोरी

परगवाल में सीमा पर पकड़ा गया आतंकी अब्दुल खालिक 2021 में शादी के बाद पाकिस्तान चला गया था। वहां वह चार साल तक पीओके सहित कई जगहों पर रहा व आतंकी बनने की ट्रेनिंग ली। परिवार को भी उसके सीमापार जाने का पता नहीं था। लंबे समय से गायब रहने पर चिंगस पुलिस पोस्ट में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। खालिक का गांव राजोरी की दरहाल तहसील के उज्जान-मरगा में है।

उसकी शादी नौशेरा सब-डिवीजन के रानी-बधेतर गांव में हुई है। 2021 में वह नौशारा से सीमापार कर पाकिस्तान चला गया। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने झांगड़ से उसकी कार बरामद की थी। इसके बाद माना जा रहा था कि वह पाकिस्तान चला गया है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान जाने से पहले वह राजोरी में देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त था।

आंतकी अब्दुल खालिक और उसके पास से बरामद हथियार

एजेंसियों के पास था घुसपैठ का इनपुट

परगवाल में सीमा पर पकड़े गए पाकिस्तानी गाइड को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सीमा पर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। रक्षा सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों के पास पहले से इनपुट थे कि पाकिस्तानी सेना व वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करवाने की फिराक में हैं। सूत्रों के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सुरक्षाबलों ने पाकिस्तानी सेना की ओर से बनाए गए आतंकियों के लॉन्चिंग पैड तबाह कर दिए थे। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने लॉन्चिंग पैड रिहाइशी क्षेत्रों में बना दिए हैं ताकि भारतीय एजेंसियों को खबर न लगे।

एक मिनट में 800 राउंड बरसाती है जर्मन एमपी 5 गन

परगवाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पकड़े गए आतंकी से बरामद जर्मनी में बनी मशीन गन एमपी 5 सबमशीन आधुनिक हथियार है। यह एक मिनट में लगभग 800 राउंड तक दाग सकती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार यह एमपी सबमशीन गन भारतीय सेना, नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और मार्कोस जैसी विशेष टुकड़ियां इस्तेमाल करती हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109